आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 06.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:16 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083

रविवार, 22 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 210, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 5 रुपये

■ महंगी होगी हवाई यात्रा किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस - 12

■ पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन - 12

■ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बोलीं- मोदी सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाले - 13

■ केकेआर को बड़ा झटका चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर - 14

ईरान के परमाणु संयंत्र पर फिर हमला

रेडियोएक्टिव रिसाव की सूचना नहीं, हिंद महासागर में अमेरिकी बेस पर ईरान ने दागी मिसाइल

- इजराइली रक्षा मंत्री बोले- अगले सप्ताह हमलों में होगी वृद्धि, रूस ने नतांज संयंत्र पर हमले की निंदा की

दुबई, एजेंसी

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र पर शनिवार को दूसरी बार हवाई हमले किए गए। ईरान ने कहा कि संयंत्र से कोई रेडियोधर्मी विकिरण नहीं हुआ है। लेकिन उसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को इसकी जानकारी देकर विरोध दर्ज कराया है। उपग्रह चित्रों के अनुसार कई इमारतें क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही थीं।

तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित परमाणु संयंत्र को जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों के युद्ध में इजराइली हवाई हमलों और अमेरिका द्वारा निशाना बनाया गया था। वहीं, ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिकी-ब्रिटेन संयुक्त हवाई अड्डे पर हमला किया। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलें दागे जाने की निंदा की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने नाकाम हमले के प्रयास का विवरण नहीं दिया है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। ईरान ने इस हमले की जानकारी अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को भी दी है।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को समाप्त करने पर विचार करने की घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद काट्ज ने शनिवार को यह टिप्पणी की। इजराइल ने कहा कि शनिवार सुबह भी ईरान उसकी ओर मिसाइलें दागता रहा, जबकि सऊदी अरब ने बताया कि उसने देश के पूर्वी हिस्से में कुछ ही घंटों में 20 ड्रोन मार गिराए।

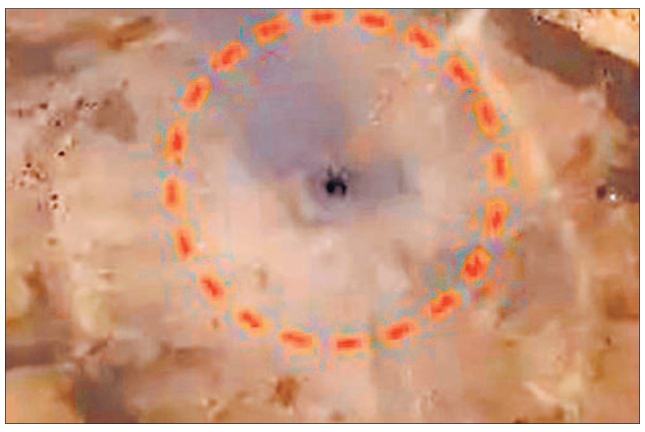

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र पर हमले की सेटेलाइट तस्वीर।

युद्ध में अब तक 2328 की गई जान

लड़ाई में अब तक ईरान में 1,300 से अधिक, लेबनान में 1,000 से ज्यादा, इजराइल में 15 और इस क्षेत्र में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। लेबनान और ईरान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। ईरान ने शनिवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी के लिए जनाजा निकाला, जिन्हें एक दिन पहले इजराइली हमले में मार दिया गया था।

न्यूक्लियर क्षेत्र को नहीं बनाया निशाना: इजराइल

इजराइली आर्मी ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमले से इनकार किया है। आईडीएफ ने कहा कि हमने यह हमला नहीं किया है और हमें नहीं पता यह किसने किया। हम अमेरिकी कार्रवाई पर कोई टिप्पणी नहीं करते। वहीं, ईरान की न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, जिस जगह पर हमला हुआ उसका नाम 'अहमदी रोशन' है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले के बाद किसी भी तरह का खतरनाक रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है।

अमेरिका ने पैट्रियट मिसाइलों को प. एशिया भेजा

लंदन। ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में पैट्रियट मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। वहीं, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका पश्चिम एशिया में तीन और हमलावर जहाज और लगभग 2,500 अतिरिक्त मरीन तैनात कर रहा है। दो अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने भी जहाजों की तैनाती की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कहां जा रहे हैं।

22 देशों ने होर्मुज को खोलने की अपील की

दुबई। दुनिया के 22 देशों ने शनिवार को ईरान से हमले रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की अपील की। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया समेत इन देशों ने पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों तथा तेल और गैस सुविधाओं पर ईरान के हमलों की निंदा की है। उन्होंने शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा, ईरान की इन कार्रवाइयों का असर दुनिया के हर हिस्से के लोगों खासकर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा।

अमेरिका ने ईरानी तेल से 30 दिन प्रतिबंध हटाया, ईरान बोला- नहीं है सरप्लस क्रूड

वाशिंगटन, एजेंसी

- विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 30 दिन की छूट दी

अमेरिका ने विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस अस्थायी कदम से 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा।

बेसेंट ने कहा, यह अस्थायी, अल्पकालिक अनुमति केवल उस तेल तक सीमित है जो पहले से ही रास्ते में है और इसमें नयी खरीद या उत्पादन की अनुमति नहीं है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस सप्ताह बढ़कर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, आज वित्त विभाग एक सीमित, अल्पकालिक अनुमति जारी कर रहा है, जिसके तहत समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री की इजाजत दी जा रही है। अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि फिलहाल प्रतिबंधित ईरानी तेल को चीन सस्ते दामों पर जमा कर रहा है। इस मौजूदा आपूर्ति को अस्थायी रूप से वैश्विक बाजार के लिए खोलने से लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तुरंत बाजार में आएगा, जिससे ऊर्जा आपूर्ति बढ़ेगी और ईरान के कारण तेल आपूर्ति पर पैदा हुए अस्थायी दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। बेसेंट ने कहा, असल में हम ऑपरेशन एपिक फ्यूरी जारी रखते हुए कीमतों को कम रखने के लिए ईरानी तेल का ही इस्तेमाल तेहरान के खिलाफ कर रहे हैं। तेल टैंकरों में लदे ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में यह ढील शुक्रवार से लागू होगी और 19 अप्रैल तक जारी रहेगी।युद्ध से पहले अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें तीन डॉलर प्रति गैलन थीं, जो शनिवार तक बढ़कर 3.99 डॉलर प्रति गैलन हो गईं। वहीं, अमेरिकी छूट पर ईरान ने कहा है कि उसके पास अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए कोई सरप्लस क्रूड उपलब्ध नहीं है। ईरान के बयान ने पहले से ही अस्थिर तेल बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण व्यापार प्रवाह बाधित है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई जब भारत और अन्य एशियाई देश अस्थायी छूट के तहत ईरानी तेल की खरीद दोबारा शुरू करने पर मंथन करने में जुटे थे।

ट्रंप बोले- उनका प्रशासन पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे धीरे कम करने पर कर रहा विचार

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहा है। हालांकि अमेरिका ने उस क्षेत्र में और युद्धपोत तथा मरीन सैनिक तैनात करने की घोषणा भी की है। ईरान ने भी दुनिया भर के पर्यटन स्थलों पर हमले की धमकी दी है। अमेरिका के ये मिले-जुले संकेत ऐसे समय में आए हैं जब तेल की कीमतों में फिर उछाल से अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें... व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

चैत्र नवरात्र में भीड़ के बीच वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की गई

जम्मू। चैत्र नवरात्र के कारण उमड़ी भीड़ के बीच शनिवार को वैष्णो देवी तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। शनिवार को शाम चार बजे तक 39,000 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। 19 मार्च से शुरू हुए चैत्र नवरात्र के कारण भीड़ बढ़ गई है। नवरात्र पर्व 27 मार्च तक चलेगा और इस दौरान मंदिर बोर्ड को देश भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस वाहनों के जरिए यात्रा स्थगित करने की घोषणा की गई और रविवार को सुबह 4 बजे से नए सिरे से पंजीकरण शुरू होगा।

पीएम मोदी ईरानी राष्ट्रपति से बोले- समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित रहने चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

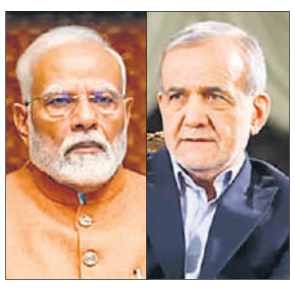

- मसूद पेजेश्कियन को ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं
- क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। ईरानी राष्ट्रपति को मोदी ने ईद व नवरोज की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि त्योहार का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए।

प्रधानमंत्री ने ईरान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ईरान के निरंतर समर्थन की भी सराहना की। मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति के बीच टेलीफोन पर यह दूसरी बातचीत थी। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने 12 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी को ईरान की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में उभर रही सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और भारत के इस रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों और इजराइल को निशाना बनाया। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को भी नियंत्रित करता है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री परिवहन मार्ग है। इसके माध्यम से विश्व के 20 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादों का परिवहन होता है। संघर्ष के बाद से, ईरान ने बहुत कम जहाजों को इससे गुजरने की अनुमति दी है।

2584 महिला परिचालकों की होगी भर्ती : दयाशंकर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। सीएम के निर्देश पर परिवहन निगम में 2584 महिला अभ्यर्थियों को सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। अभ्यर्थियों के अनुबंध के लिए उनका उप्र राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं उप्र कौशल विकास मिशन का सदस्य होना अथवा एनसीसी बी प्रमाण पत्र, एनएसएस एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि भर्ती के लिए इण्टरमीडिएट की योग्यता के साथ सीसीसी प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। प्राप्तांकों की मेरिट निर्धारित करते हुए सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। अभ्यर्थियों को उनके गृह जनपद के नजदीक डिपो में नियुक्त किया जाएगा। परिचालक पद पर भर्ती के लिए 25, 28 और 30 मार्च, एवं 1 अप्रैल, 2026 को रोजगार मेले का आयोजन भी किया जाएगा।

राज्यसभा में सीएपीएफ से संबंधित विधेयक को कल पेश करेंगे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। सभी सीएपीएफ -सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं।

PARAS HEALTH

विश्व स्तरीय 24X7 इमरजेंसी, ट्रामा एवं ICU सेवाएं पारस हॉस्पिटल कानपुर में

क्योंकि इमरजेंसी में हर पल है बहुमूल्य

24x7 तत्पर विशेषज्ञों की टीम

कार्डिक साइंसेस | न्यूरो साइंसेस | कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर
गैस्ट्रो साइंसेस | जॉइंट रिप्लेसमेंट & स्पोर्ट्स इंजरी | रीनल साइंसेस

निम्न मेडिकल कार्ड धारकों हेतु कैशलेस सेवाएँ

CGHS | रेलवे | स्वास्थ्य बीमा एवं TPAs | पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना | आयुष्मान कार्ड योजना
उत्तर प्रदेश पुलिस | ऑर्डिनेंस फैक्टरी | CAPF | विधायक निधि | भारत संचार निगम लिमिटेड

बिठूर रोड, कोठारी चौराहा, कानपुर 7835084924 | 24x7 निःशुल्क एम्बुलेंस 90917-90917

उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय, हर गोशाला में भूसा बैंक व किसानों से चारे का समन्वय पर योगी सरकार का फोकस

गो आश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने फील्ड में उतरें मंत्री : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में गो-रक्षा और गो-आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापक रणनीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। गोसेवा आयोग के साथ हुई शनिवार को समीक्षा बैठक में उन्होंने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया और कहा कि गो-सेवा भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण आधार है।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक गोशाला में 'भूसा बैंक' स्थापित करने पर कहा कि चारे की कमी किसी भी स्थिति में न हो। इसके लिए स्थानीय किसानों से सीधा समन्वय स्थापित किया जाए और गोचर भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने व्यवस्थाओं की निगरानी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी गो-आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही डीबीटी प्रणाली के माध्यम से समयबद्ध भुगतान, गोवंश की दैनिक गणना और रिकॉर्ड का डिजिटल संधारण अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने गोसेवा आयोग के पदाधिकारियों को 2-2 के समूह में मंडलवार भ्रमण कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। प्रत्येक दौरे की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी।

लखनऊ में पशुधन मंत्री व अधिकारियों की बैठक लेते सीएम योगी।

7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख गोवंश

योगी ने स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ द्वारा गो-पेंट, वर्मी कम्पोस्ट, गो-दीप जैसे उत्पादों के निर्माण को आत्मनिर्भरता का सफल मॉडल बताते हुए इनके विस्तार पर जोर दिया। मुजफ्फरनगर का गो-अभयारण्य इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण के रूप में सामने आया है। साथ ही पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए पशुपालकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश में वर्तमान में 7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 1.14 लाख लाभार्थियों को 1.83 लाख गोवंश सौंपे गए हैं, जिनके सत्यापन और देखभाल के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

यूपीएसएसएससी ने जारी किए कई भर्तियों के परिणाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने विभिन्न लंबित भर्तियों के परिणाम जारी करते हुए चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। आयोग ने सम्मिलित तकनीकी सेवा (सामान्य चयन) परीक्षा-2016 के तहत अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस भर्ती में नर्स, कंपाउंडर और हॉस्टल वार्डेन के कुल 248 पदों के लिए पूर्व में विभागवार, पदवार व श्रेणीवार विवरण प्रकाशित किया गया था। अब इनमें से 7 पदों के सापेक्ष अंतिम रूप से 7 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के नाम और कटऑफ अंक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। साथ ही आयोग ने अनुदेशक (सामान्य चयन) भर्ती-2015 के तहत स्टेनोग्राफी (हिंदी) के 8 पदों पर साक्षात्कार के बाद चयनित अभ्यर्थियों का परिणाम भी जारी किया है। वहीं, सीधी भर्ती (सामान्य चयन) 2016 के अंतर्गत सहायक प्रशिक्षक (एथलेटिक्स) पद के लिए भी अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया गया है। आयोग की ओर से अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे विस्तृत परिणाम, कटऑफ और अन्य जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर विवरण देखें।

'बीमारू' से सर्वोत्तम बना यूपी, कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव: शाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार के नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश का कृषि क्षेत्र व्यापक बदलाव का गवाह बना है और प्रदेश 'बीमारू' छवि से निकलकर देश के अग्रणी कृषि राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की नीतियों से किसानों की आय, उत्पादन और सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्री ने बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली। गन्ना किसानों को अब तक 3.15 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जबकि पहले यह भुगतान वर्षों तक लंबित रहता था। सिंचाई के क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अधूरी परियोजनाओं को पूरा कर 30 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई से जोड़ा गया है। साथ ही 92 हजार से अधिक सोलर पंप लगाए गए हैं, जिन पर किसानों को 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया गया, जिससे निर्बाध सिंचाई संभव हुई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के 3 करोड़ से अधिक किसानों को 99,500 करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे गए हैं। उत्तर प्रदेश आज गन्ना, गेहूं, धान, दूध और खाद्यान्न उत्पादन में देश में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री बोले- प्रकृति को मां मानकर करें संरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, बोले- जन आंदोलन से मिली सफलता

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को "मां" का दर्जा दिया गया है और उसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण असंतुलन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में वनों का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" का भाव हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय वन दिवस की थीम 'फॉरेस्ट एंड इकोनॉमिक्स' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वन केवल पर्यावरण संतुलन ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ाने

के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं, जिनकी सफलता का आधार जनभागीदारी रही है।

सीएम योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में जहां प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है और इसे 100 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। रामसर साइट्स जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पौधरोपण अभियान की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। पहले जहां वन महोत्सव में 5.5 करोड़ पौधरोपण होता था, वहीं अब एक दिन में 37 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस वर्ष 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने और वन आधारित ग्रीन इकोनॉमी मॉडल को विकसित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रदेश में 2,467 ग्रीन उद्योग स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखकर राज्य ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना के बाद गांगेय डॉल्फिन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। देश में वर्तमान में 6,327 डॉल्फिन हैं, जिनमें से 2,397 अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

9 वर्षों में 242 करोड़ किया गया पौधरोपण

- रामसर साइट्स की संख्या 1 से बढ़कर 11, लक्ष्य 100
- दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा
- 2,467 ग्रीन इकोनॉमी आधारित उद्योग स्थापित
- यूपी में 2,397 गांगेय डॉल्फिन, देश में कुल 6,327
- 4 लाख रूफटॉप सोलर से 1,400 मेगावाट क्षमता विकसित
- 5 वर्षों में 22,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य

दुग्ध व्यवसाय से बदली तस्वीर; 3.5 लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर

अमृत विचार: प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय के जरिए ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश की करीब 3.5 लाख महिलाएं मिल्क प्रोक्योरमेंट से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं। इस उपलब्धि के साथ दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच गया।

इस बदलाव की मुख्य धुरी उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बना है, जिसने गांव-गांव में महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने का काम किया है। मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) से जुड़ी महिलाएं अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रदेश में दुग्ध मूल्य श्रृंखला (मिल्क वैल्यू चेन) विकसित होने से महिलाओं और किसानों को अब अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिल रहा है। साथ ही भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी और नियमित बनाया गया है, जिससे उनकी आय में स्थिरता आई है और भरोसा बढ़ा है। दुग्ध व्यवसाय ने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह कार्य अब एक संगठित आर्थिक मॉडल का रूप ले चुका है, जिससे न केवल महिलाओं की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। सरकार की योजनाओं के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके चलते अब महिलाएं केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

पोक्सो के मामलों में घायल की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पोक्सो अधिनियम के तहत आरोपी को बरी करने वाले निचली अदालत के फैसले पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा कि निचली अदालत ने अपने निर्णय में नाबालिग पीड़िता के शरीर पर पाई गई चोटों का न तो उल्लेख किया और न ही उनकी चर्चा की। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और अजय कुमार (द्वितीय) की खंडपीठ ने कहा कि यह "खेदजनक" है कि स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद चोट रिपोर्ट को निर्णय का हिस्सा नहीं बनाया गया। कोर्ट ने 1982 और 2002 के उच्च न्यायालयीय परिपत्रों का हवाला देते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए घायल व्यक्ति की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य है। मौजूदा मामला राज्य सरकार की अपील से संबंधित है, जिसमें अप्रैल 2025 में निचली अदालत द्वारा आरोपी को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी।

कॉर्नियल दान को बढ़ावा देने के लिए यूपी में गठित हुई हाई लेवल टास्क फोर्स

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- अंधत्व रोकने की दिशा में बड़ा कदम, नेत्रदान व प्रत्यारोपण तंत्र होगा मजबूत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने कॉर्नियल दान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रो. राजेश हर्षवर्धन की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स में प्रदेश के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों के विभागाध्यक्ष शामिल हैं। यह निर्णय स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोट्टो) और पीजीआई के संयुक्त तत्ववाधान में बीते दिनों संपन्न 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम में चर्चा के बाद लिया है।

प्रो. राजेश हर्षवर्धन।

नेत्रमंथन कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को समाप्त करना और नेत्र चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाना है।

गठित टास्क फोर्स राज्य में कॉर्नियल दान की स्थिति, आई बैंकिंग सिस्टम और प्रत्यारोपण की वर्तमान व्यवस्था का व्यापक मूल्यांकन करेगी। साथ ही, दान और प्रत्यारोपण में आने वाली सामाजिक, संस्थागत और तकनीकी बाधाओं की पहचान कर समाधान सुझाएगी। टास्क फोर्स जन-जागरूकता बढ़ाने, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, आई बैंकों की क्षमता बढ़ाने और बेहतर समन्वय के लिए रणनीति तैयार करेगी। साथ ही अन्य राज्यों और देशों के सफल मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा। तत्पश्चात सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुझावों के साथ कार्यान्वयन की रूपरेखा भी शामिल होगी।

2028 तक मत्स्य उत्पादन में 18 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में 'नव निर्माण के 9 वर्ष' के तहत अब मत्स्य क्षेत्र में भी तेज़ी से बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और इससे जुड़े उद्योगों को विकसित करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक मत्स्य उत्पादन को 13.30 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 18 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाना है। राज्य सरकार मत्स्य बीज और मत्स्य आहार के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए निवेश परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता और आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत किया जा सके।

मत्स्य क्षेत्र में निवेश को लेकर उद्योग जगत का रुझान भी बढ़ा है। विभिन्न कंपनियां प्रदेश में कुल 1407 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने जा रही हैं। इससे दो हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। ये निवेश वाराणसी, बाराबंकी, अमेठी समेत कई जिलों में प्रस्तावित हैं। इससे मत्स्य उद्योग को संगठित रूप मिलेगा और निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

वन संरक्षण से ही सुरक्षित भविष्य : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि वन हमारे जीवन का आधार हैं। ये न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि जैव-विविधता के संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मानव तथा पृथ्वी के अस्तित्व के लिए वन एवं वन्यजीवों का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हम सभी को हरित, स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों को भी स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो सके।

मौर्य के हाथों मिली ट्रैक्टर संचालित मोबाइल यूनिट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बस डिपो परिसर, मंझनपुर कौशाम्बी में "गौरव प्रतिमा अनावरण" महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत 10 लाभार्थियों-अश्वनी कुमार यादव, मुलायम सिंह पटेल, अबु सलीम, विनोद कुमार, आशीष सिंह, अभिलाषा देवी, शंकर दयाल सिंह, अंजली गुप्ता, गोविन्द सिंह एवं प्रहलाद मौर्य को ट्रैक्टर संचालित मोबाइल यूनिट प्रदान किया एवं हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के अन्तर्गत बैंको के माध्यम से चार लाख 5000 का महिन्द्रा ट्रैक्टर एवं 90 हजार रूपए में मिनी फ्लोर मिल या ऑयल मिल या मसाला मिल या राइस मिल सहित कुल चार लाख 95 हजार ऋण के माध्यम से चार साल तक 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त कोलेटरल गारण्टी मुक्त ऋण के साथ 10 प्रतिशत सब्सिडी दिया जा रहा है, जबकि यही परियोजना बाजार में ब्याज सहित लगभग 09 लाख रूपए में उपलब्ध होती है।

बरेली की नसरीन बी बनीं मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की योजनाओं के प्रभाव से बरेली की नसरीन बी ने न सिर्फ अपनी जिंदगी बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार का रास्ता खोल दिया। बरेली जिले के फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के घंघोरा-घंघोरी गांव की रहने वाली नसरीन बी ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने सफर की शुरुआत की।

"जनता" स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उन्होंने बेकरी व्यवसाय शुरू किया, जो आज उनकी सफलता की पहचान बन चुका है। उन्होंने अपने साथ 10 महिलाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार दिया। नसरीन को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत आर्थिक सहायता मिली। वर्ष 2022 में समूह को 15 हजार रुपये की प्रारंभिक सहायता और बाद में एक लाख रुपये की वित्तीय मदद दी गई, जिससे उनके व्यवसाय को मजबूत आधार मिला। आज उनके बेकरी यूनिट में रस्क, फैन और क्रीम रोल जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। क्रीम रोल बनाने की मशीन लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ी और कारोबार का विस्तार हुआ। उनके उत्पाद अब बरेली शहर तक सप्लाई हो रहे हैं, जिससे आय में लगातार वृद्धि हो रही है। बेकरी उत्पादों के अलावा अब यह समूह पापड़, मसाले और चिप्स जैसे अन्य उत्पाद भी बना रहा है, जिससे आय के नए स्रोत विकसित हुए हैं।

मेरठ स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को मिली रफ्तार, यूपी बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. में उद्योग आधारित विकास की रफ्तार अब वैश्विक पहचान की ओर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में क्लस्टर आधारित औद्योगिक मॉडल ने मेरठ को देश के प्रमुख स्पोर्ट्स इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में मजबूत किया है। अब सरकार की नीतियों और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के सहारे यह क्षेत्र ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में भी पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टरों के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि मेरठ जैसे केंद्रों को आधुनिक तकनीक और नीतिगत सहयोग मिले, तो भारत स्पोर्ट्स गुड्स निर्यात में कई गुना वृद्धि कर सकता है।

मेरठ लंबे समय से क्रिकेट बैट, फुटबॉल, बॉक्सिंग ग्लव्स और जिम उपकरण जैसे उत्पादों का प्रमुख उत्पादन केंद्र रहा है। यहां 250 से अधिक निर्यात इकाइयों के साथ हजारों सूक्ष्म उद्यम सक्रिय हैं। सरकार इन पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और स्किल डेवलपमेंट से जोड़ रही है, जिससे गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता दोनों में सुधार हो रहा है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, सड़क नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के विस्तार ने उद्योगों को नई गति दी है। खासतौर पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ग्रेटर नोएडा का उभरता लॉजिस्टिक्स हब इस क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। इससे निर्यात लागत कम होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच तेज होगी। केंद्र सरकार के बजट में स्पोर्ट्स गुड्स सेक्टर के लिए विशेष प्रावधान और क्लस्टर विकास पर जोर ने इस उद्योग को नई ऊर्जा दी है। राज्य सरकार सिंगल विंडो सिस्टम, प्रोत्साहन और नीतिगत सरलता के जरिए उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रही है।

सौहार्द के साथ अदा हुई ईद की नमाज, सियासी चेहरे भी पहुंचे

एक साथ दिखे अखिलेश-अजय राय, बहुगुणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी लखनऊ में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को पूरे उत्साह और सौहार्द के साथ मनाया गया। ऐशबाग ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में हजारों नमाजियों ने एक साथ नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा जोशी सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

ऐशबाग ईदगाह पर सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां करीब 50 से 60 हजार लोगों ने नमाज अदा की। भीड़ अधिक होने के कारण कई लोग आसपास के इलाकों और गलियारों में खड़े होकर नमाज पढ़ते नजर आए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर सियासी दलों के कई प्रमुख चेहरे भी नजर आए। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। पुराने लखनऊ सहित संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा और सीसीटीवी के जरिए निगरानी की गई। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए 27 मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया।

अलग-अलग धर्म-जाति के लोगों का एक साथ त्योहार मनाना ही हिन्दुस्तानियत है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राजधानी के ऐशबाग ईदगाह में ईद की नमाज के बाद एकत्र मुस्लिम भाईयों को ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार खुशियां लेकर आता है। ईद खुशियों का त्योहार है। सेंवई खाओ, गले मिलो, आपस में प्रेम से रहो, ताकि दूरियां कम हो।

सपा प्रमुख ने शनिवार को कहा कि कुछ दिन पूर्व होली का त्यौहार मनाने के बाद आज सभी देशवासी आपस में मिलजुल कर ईद का त्योहार मना रहे हैं। हमारी यही हिन्दुस्तानियत है। जहां अलग-अलग धर्म-जाति के लोग मिलकर एक साथ त्योहार मनाते है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले दिनों भाजपा का नाटक देखा। शंकराचार्य लखनऊ आए, तमाम भाजपाइयों ने कहा था हम उनके सामने लेट जाएंगे। साष्टांग होकर सम्मान करेंगे। शंकराचार्य आए तो वे अदृष्य हो गए। वटुकों के पैर छूकर दक्षिणा दी जाती है पर यहां तो उनकी चुटिया पकड़ कर खींचा गया, उन्हें अपमानित किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए बेईमान शब्द छोटा दिखता है। जो गंगा मईया के साथ बेईमानी कर सकता है वह किसी के साथ भी ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता अकेले लड़ेंगी तो भी वह जीत जाएंगी। वह अकेले लड़कर भी सबका मुकाबला कर रही है। भाजपा षडयंत्रकारी पार्टी है वह तनाव न पैदा कर दे? किसी को पता नही।

आयोजन

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर वनकर्मियों, संगठनों व किसानों को भी मिला सम्मान

सीएम ने अच्छेलाल और तनु सिंह की वीरता को किया सलाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में साहसिक कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। तेंदुए के हमले से खुद और अपने परिवार को बचाने वाले बच्चों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मुख्यमंत्री ने बहराइच के 10 वर्षीय अच्छेलाल और प्रयागराज की 18 वर्षीय तनु सिंह को उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया। अच्छेलाल ने 6 दिसंबर 2025 को गन्ने के खेत

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर तनू सिंह को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

से निकले तेंदुए के हमले का डटकर सामना किया और साहस दिखाते हुए खुद को सुरक्षित बचाया। वहीं, तनु सिंह ने 8 जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र में घर में घुसे तेंदुए के दौरान अद्भुत सूझबूझ दिखाई। उन्होंने दो छोटे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और तेंदुए को कमरे में बंद कर दिया, जिससे बिना किसी जनहानि के उसका रेस्क्यू संभव हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे साहसिक कार्य समाज को प्रेरित करते हैं और नई पीढ़ी को हिम्मत व सूझबूझ का संदेश देते हैं। इस अवसर पर वानिकी एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

मुरादाबाद के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह, हमीरपुर के वन रक्षक सुनील कुमार गौंड, रामपुर के वन रक्षक शिवम कुमार और एटा की माली रीना शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा, वानिकी क्षेत्र में योगदान देने वाले सामाजिक संगठनों को भी सम्मान मिला। लोकभारती के बृजेंद्र पाल सिंह और हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान, झांसी के सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट के अंतर्गत कुशीनगर के ईश्वर चंद और रायबरेली की सुनीता को चेक वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व वन विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अप्रैल से शुरू होंगे 25 नए वन स्टॉप सेंटर, मिशन शक्ति को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अप्रैल में वन स्टॉप सेंटर की कुल संख्या बढ़कर 121 होगी।
- लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर में 2-2 सेंटर
- मिशन शक्ति अभियान को मिलेगी मजबूती।
- एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी, काउंसलिंग व पुलिस सहायता।
- प्रत्येक केंद्र पर आपातकालीन वाहन की व्यवस्था।
- अब तक 2.39 लाख मामलों में दी जा चुकी है सहायता।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अप्रैल से 25 नए वन स्टॉप सेंटर शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में इन केंद्रों की कुल संख्या 96 से बढ़कर 121 हो जाएगी।

सरकार की यह पहल मिशन शक्ति अभियान को और गति देने वाली मानी जा रही है। खास बात यह है कि लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में दो-दो नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे इन जिलों में महिला सुरक्षा तंत्र को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए एकीकृत सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रदेश सरकार ने इन केंद्रों का विस्तार व्यापक स्तर पर किया है। लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर के अलावा अयोध्या, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा समेत कई जिलों में एक-एक नया केंद्र खोला जाएगा। साथ ही प्रत्येक वन स्टॉप सेंटर पर आपातकालीन सहायता के लिए वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं तक तुरंत पहुंचा जा सके।

अनुराग
हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि
से आपरेशन
अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

चतुर्थ कूष्मांडा

नवरात्र में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है। माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... माँ कूष्मांडा: ऐं ह्री देव्यै नम:

तिर्वा में ईदगाह के बाहर मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

नमाज अदा करने के बाद लोगों के साथ मौजूद डीएम व एसपी। अमृत विचार

कन्नौज ईदगाह में ईद की नमाज पढ़ते अकीदतमंद। अमृत विचार

धूमधाम से मना ईद उल फितर, दुआ को उठे हजारों हाथ

जिले की 52 ईदगाह, 142 मस्जिदों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई नमाज, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 600 से अधिक पुलिस व पीएसी के जवान लगे

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिले भर में ईद उल फितर का पर्व धूमधाम व परंपरागत ढंग से मनाया गया। इस दौरान 52 ईदगाहों और 142 मस्जिदों पर कड़ी सुरक्षा के बीच नमाज अदा की गई। सुरक्षा के लिए 600 से अधिक पुलिसकर्मी और पीएसी के जवान लगाये गये थे। जिले में 7:30 से 9:00 बजे तक अलग अलग मस्जिदों व ईदगाहों में नमाज अदा कराई गई। नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी और घरों पर जाकर सिंवई खाई खिलाईं।

शनिवार को ईद के चलते सुबह से ही मुस्लिम धर्म के लोग नमाज के लिये घरों से निकलने लगे। शहर के ईदगाह में कारी मोहम्मद शमीम ने नमाज अदा कराई। इसी तरह नूरी तौवा मस्जिद में मौलाना जियाउल कमर व जामा मस्जिद में मौलाना मोइन ने नमाज अदा कराई। ईदगाह में सुबह 08 बजे से नमाज अदा कराई गई। पूरी जिले की मस्जिदों व ईदगाहों में 7:30 से 9:00 बजे तक नमाज अदा की गई। ईद को लेकर एसपी ने सुरक्षा के कड़े इंतजामात किये थे। उन्होंने पूरे जिले को सेक्टर व जोन में बांट कर पुलिस को भ्रमणशील रखा। गश्त और निगरानी अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण पर रहे। डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, एसपी विनोद कुमार खुद शहर के ईदगाह पर मौजूद रहे। उन्होंने लोगों को मुबारकवाद दी। इस मौके पर सपा नेता वउअन तिवारी, जिलाध्यक्ष कलीम खां, पीपी सिंह बघेल, यश दोहरे ने मुस्लिम भाइयों के गले मिलकर ईद का मुबारकबाद दी।

छिबरामऊ में ईद की नमाज पढ़ते नमाजी। अमृत विचार

• **डीएम व एसपी ने कन्नौज ईदगाह पर लोगों को दी ईद की मुबारकबाद**

तिर्वा संवाददाता के अनुसार शनिवार को सुबह बरधइया रोड स्थित ईदगाह में हाफिज मो. अकरम ने अकीदतमंदों को ईद की नमाज पढ़वाई। नमाज के बाद नमाजियों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं दी। मंडी बाजार जामा मस्जिद, डी एन कालेज वाली मस्जिद, ठठिया के रूरा वाली ईदगाह, खैरनगर, कटरा बहसार, उमर्दा, झूलना पुर, सतौरा, जसपुरापुर सरैया की मस्जिदों में भी हजारों अनुयायियों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, सीओ कुलवीर सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार शुक्ल, कस्बा चौकी इंचार्ज ज्ञानेंद्र सिंह, ठठिया थाना प्रभारी संजीव कुमार, इंद गढ़ थाना प्रभारी नीलम सिंह पुलिस बल के साथ निरंतर भ्रमणशील रहे।

छिबरामऊ संवाददाता के अनुसार फर्रुखाबाद रोड स्थित ईदगाह में सुबह 8:30 बजे पेश इमाम मौलाना सैय्यद फुरकान ने ईद उल फितर की नमाज अदा कराई। मोहल्ला विरतिया स्थित एक मीनारा मस्जिद में मौलाना जियाउल हक ने और नगर की जामा मस्जिद में 8:45 बजे ईद उल फितर की नमाज अदा कराई गई। ईदगाह रोड से लेकर चारों दिशाओं में पुलिस बल तैनात रहा।

वहीं उपजिलाधिकारी ज्ञानेंद्र द्विवेदी, सीओ ओमकारनाथ शर्मा, कोतवाल विष्णुकांत तिवारी, ईओ सुनील कुमार सिंह, लेखपाल प्रशांत त्रिपाठी, कानून को कौशलेंद्र दुबे सहित भारी पुलिस बल और नगर पालिका कर्मी तथा फायर ब्रिगेड टीम भी ईदगाह के पास तैनात रही। नमाज के बाद हाफिज एहतशामुद्दीन, मोहम्मद आकिल ओवैसी, मोहम्मद इमरान खान, समसुल कमर खां उर्फ राजू मास्टर, प्रधानाचार्य कुमैल इदरीस, ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी।

गुरसहायगंज में जनता को दिया निर्भीक होकर त्योहार मनाने का संदेश

गुरसहायगंज। ईद व नवरात्र के त्योहार को लेकर कोतवाली पुलिस ने पैदल व वाहनों से भ्रमण कर जनता को शांति व सुरक्षा का भरोसा दिलाया। शनिवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कोतवाल अजय कुमार अवस्थी के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने बाइक व चार पहिया वाहनों पर सवार होकर नगर सहित क्षेत्र के ग्रामों में रूटमार्च किया। इस दौरान पुलिस टीम ने जनता से निडर होकर शांति प्रिय तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। त्योहार पर गड़बड़ी करने वालों को वख्शा नहीं जाएगा।

अमन चैन की दुआ कर हर्षोल्लास से मनाई ईद

गुरसहायगंज। ईद-उल-फितर पर नगर की जामा मस्जिद और बड़ी ईदगाह पर भारी संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। हिन्दुओं ने मुस्लिमों से गले मिल मुबारक बाद दी और एक दूसरे का मुंह भी मीठा कराया। पुलिस व अधिकारियों ने भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी। शनिवार को नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सुबह से ही ईद-उल-फितर त्योहार पर खुशियं मनाने का सिलसिला शुरू हो गया। ईदगाहों पर मेले का रूप देखने को मिला, बच्चों ने खरीददारी कर जमकर मौज मस्ती की। ग्राम खाडेदेवर, कस्बा समधन, ग्राम डुडवाबुर्जुग, इस्माइलपुर, मझपुर्वा आदि ईदगाहों पर छोटी-छोटी दुकानें सजाकर विक्रेताओं ने मेला का रूप दे दिया। वही पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी, पूर्व सपा विधायक जमालुद्दीन सिद्दीकी, फर्रूखाबाद पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हाजी तहसीन सिद्दीकी, युवा समाज सेवी अरशद जमाल सिद्दीकी, पूर्व ब्लाक प्रमुख राशिद जमाल सिद्दीकी, जुनैद सिद्दीकी, समाजसेवी आसिफ जमाल खां पप्पी, मुनीर कुरैशी, इशरत खां, शहनवाज खां, भाकियू टिकैत प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी आदि ने ईदगाह पर नमाज अदा कर लोगों से गले मिल कर ईदउल फितर की मुबारकबाद दी। इस दौरान डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, एसपी विनोद कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह, कोतवाल अजय कुमार अवस्थी, कस्बा प्रभारी दीपक चौधरी, वरिष्ठ लिपिक वीर सिंह सहित महिला व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

डॉ. रजनीश को मिलेगा प्रदेश सेवा रत्न 2026 सम्मान

छिबरामऊ। अपनी रगों में बहते रक्त को दूसरों के जीवन की डोर बचाने वाले छिबरामऊ के ग्राम घिलोई खास निवासी डॉ. रजनीश दुबे को प्रदेश सेवा रत्न सम्मान 2026 के लिए चुना गया है। समाज में रक्तवीर और रक्त सिपाही के नाम से अपनी पहचान बना चुके डॉ. दुबे को यह सम्मान आगरा में संकल्प मानव सेवा संस्थान द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। वे अब तक 79 बार रक्तदान कर चुके हैं। इससे पहले उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस और राष्ट्रीय सेवा रत्न अवॉर्ड (2024-2025) जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। डॉ. दुबे को यह सम्मान मिलने की घोषणा होते ही उनके गृह क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

भाभी को मारपीट कर किया घायल, गंभीर

सौरिख। शराब के नशे में देवर ने भाभी से गालीगलौज की और मारपीट कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के रेरी रामपुर निवासिनी ज्योति पत्नी अजय ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 19 मार्च को शाम पांच बजे घर के अंदर घरेलू कार्य कर रही थी। उसी समय देवर राहुल पुत्र राजीव शराब के नशे में आया और गाली देने लगा। जब गाली देने से मना किया तो डंडों से मारपीट करने लगा। शोर सुनकर आसपड़ोस के लोग दौड़े तो जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया।

खेत में पानी भर जाने के विवाद में झगड़ा

तिर्वा। खेत में पानी भर जाने को लेकर हुए विवाद में दोनों पक्षों से छह लोग घायल हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। शुक्रवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दिलीप नगर में खेत में पानी भर जाने को लेकर दो पक्षों झगड़ा हो गया। घटनाक्रम के अनुसार प्रेम लता पत्नी राजू अपनी पुत्री निशा के साथ घर में खाना बना रही थी। उसी समय गांव के ही सुखदेव व उसके पुत्र रामस्वरूप, अखिलेश, योगेश व पुत्री राधा ने घर में घुसकर मारपीट की जिसमे प्रेम लता,उसकी पुत्री निशा सास केशबती, सोनेलाल, घायल हो गए।

कन्नौज में पूर्व सैनिकों के लिए जल्द ईसीएचएस सुविधा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। दि सिखलाई रेजीमेंट सेंटर फतेहगढ़ की ओर से राजकीय मेडिकल कालेज तिर्वा ऑडीटोरियम में वेटरान्स एवं वीर नारी वेलफेयर रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान कमांडेंट ने बताया कि जल्द ही कन्नौज जिले में जल्द ही पूर्व सैनिकों को ईसीएचएस की सुविधा मिलेगी। इसका केस प्रोजेक्ट कर दिया है और इस दिशा में कार्यवाही शुरू हो गई है।

कार्यक्रम में कमांडेंट ने यह भी कहा कि एआई के दौर में सब अपने आपको मोबाइल से जोडने का प्रयास करें सब कुछ इसी के द्वारा किया जायेगा। कन्नौज जिले मे पूर्व सैनिकों के लिए ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) की सुविधा के लिए केस प्रोजेक्ट कर दिया गया है और अभी कमाण्ड हेडक्वाटर में कार्यवाही की जा रही है। इसी के साथ एमएच फतेहगढ को मोडीफिकेशन के लिए मन्जूरी मिल चुकी इसका कार्य भी शुरू हो जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल रोहित भटारा ने कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाली सभी योजनाओ को नवम्बर 2025 से दोगुना किया गया । कमांडेंट की ओर से 16 नॉन पेंशनरों, 05 युद्ध वीर नारियो, 04 द्वितीय विश्व, 06 बैटल कैजुल्टी वीर नारियों को अनुग्रह धनराशि व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कर्नल बीएस तोमर, पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने भी संबोधित किया। रैली में लगभग 550 पूर्व सैनिक, वीर नारियो आदि अधिकारी व कर्मचारियो ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम मे उपजिलाधिकारी सदर सुश्री वैशाली, ब्रिगेडियर मनीष कुमार जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

ऑडीटोरियम में मौजूद वीरनारियों के साथ सिखलाई रेजीमेंट के अफसर।

• **दि सिखलाई रेजीमेंट सेंटर के कार्यक्रम में कमांडेंट बोले, शुरू हो गया इस मामले में काम**

तिर्वा उपकेंद्र से संबंधित निर्माण कार्य 6 जून तक पूरे करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। विधानसभा संयुक्त समिति की बैठक में सभापति मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने तिर्वा उपकेंद्र व संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण कार्य 6 जून तक पूरे करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अन्य परियोजनाओं की भी समीक्षा करते हुए समय से काम पूरा किए जाने के निर्देश दिए।

शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मेजर द्विवेदी के सभापतित्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2025-26) की प्रथम उप समिति की बैठक हुई। इसमें मेजर द्विवेदी ने 220/132/33 केवी उपकेंद्र तिर्वा एवं संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण कार्यों में लगी कार्यदायी संस्था—मेसर्स तिर्वा ट्रांसमिशन लि., नई दिल्ली/ उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लि.को निर्देशित किया कि 163.60 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्त्वपूर्ण परियोजना को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। विद्युत विभाग कन्नौज द्वारा संचालित बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के अंतर्गत विद्युत तंत्र सुदृढ़ीकरण के कार्यों (65 प्रतिशत प्रगति) एवं आरडीएसएस योजना के अंतर्गत अविद्युतीकृत घरों के विद्युतीकरण को जल्द पूर्ण करने को कहा। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर पंचायत समधन पुनर्गठन पेयजल योजना की समीक्षा करते हुए इस योजना का लाभ आमजन को समय से उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। छिबरामऊ में बजरंगबली मंदिर का पर्यटन विकास कार्य, मकरंदनगर स्थित मां फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण आदि को भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने इत्र उद्योग की ब्रांडिंग, एफएफडीसी, इत्र पार्क, मेहंदी घाट विकास, ओडीओपी, स्वयं सहायता समूहों को एमएसएमई से जोड़ने तथा इत्रोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से जनपद के समग्र विकास के प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक के उपरांत संयुक्त समिति ने निर्माणाधीन साइबर क्राइम थाने का निरीक्षण किया। समिति के सदस्य सभाकुंवर, विनय प्रकाश गोंड, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, समिति के अनुसचिव अर्जुन सिंह के अलावा मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, अपर जिलाधिकारी देवेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

सभागार में विधानसभा संयुक्त समिति की बैठक में मौजूद सभापति, जिलाधिकारी व अन्य

• **विधान सभा संयुक्त समिति की बैठक में सभापति सुनील दत्त द्विवेदी ने दिए निर्देश**

41 केंद्रों पर 25 से की जाएगी गेहूं की खरीद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

20 रुपये क्विंटल उतराई-छनाई के भी मिलेंगे

अमृत विचार। जिले में गेहूं की फसल तैयार होने को है तो ऐसे में खाद्य विपणन विभाग की ओर से सरकारी खरीद की तैयारी भी कर ली गई है। इस क्रम में जिले के 41 क्रय केंद्रों पर समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद की जाएगी। इसके साथ ही 20 रुपये प्रति क्विंटल उतराई व छनाई के मद में भी देय होंगे।

यह जानकारी देते हुए जिला खाद्य विपणन अधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि जनपद कन्नौज में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की अवधि 25 मार्च से 15 जून 2026 तक रहेगी। बताया कि 41 गेहूं क्रय केंद्रों में से खाद्य विभाग के 15, पीसीएफ के 23 तथा तीन भारतीय खाद्य निगम के हैं। विकास खण्डवार बात करें तो कन्नौज में 03, जलालाबाद में 01, गुगरापुर में 01, उमर्दा में 12, हसेरन में 05, सौरिख में 07, छिबरामऊ में 07 तथा तालग्राम में 08 केंद्र संचालित किए जाएंगे। जनपद की प्रत्येक तहसील में एक-एक मोबाइल क्रय केंद्र की भी व्यवस्था की गई है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को विशेष सुविधा प्राप्त होगी।

4357 किसानों से 32,90,086 मीट्रिक टन खरीदा गया धान

कन्नौज। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत जनपद में 28 फरवरी 2026 तक कुल 4357 किसानों से 32,90,086 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इनमें से 4351 किसानों को 7867 .76 लाख रुपये का भुगतान उनके आधार लिंक्ड बैंक खातों में पीएफएमएस के माध्यम से किया जा चुका है।

राहत

जिला अस्पताल में दो महीने में 150 बच्चों को दिया जा चुका लाभ

नवजातों के लिए संजीवनी बनी लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिला अस्पताल में करीब दो महीने पहले स्थापित लैक्टेशन यूनिट (एलएमयू) नवजातों को संजीवनी देने का काम कर रही है। इस अवधि में करीब डेढ़ सौ बच्चों को लाभ दिया जा चुका है।

यहां बताते चलें कि कई बार बच्चे के जन्म के बाद मां या बच्चे के बीमार/कमजोर होने या किसी अन्य कारण से बच्चे के स्तन पान नहीं करा पाती है। वहीं नवजात को मां का दूध देना जरूरी होता है तो इस समस्या के समाधान के लिए जिला अस्पताल में उपकरणों से सुसज्जित एलएमयू की स्थापना करीब दो महीने पहले की गई थी। इसकी कार्यप्रणाली यह है कि मां का दूध निकालकर संरक्षित किया जाता है और फिर उसके ही बच्चे को उसका पान कराया जाता है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. शक्ति बसु ने बताया कि यूनिट में मां के दूध को संग्रहीत कर रेफ्रिजरेशन में रखा जाता है या फिर नवजात को कुछ देर बाद ही दिया जाना है तो उसे कमरे के तापमान पर ही रखकर बच्चे को सेवन कराया जाता है। जानकारी दी कि यह यूनिट एसएनसीयू का ही हिस्सा है। यह भी बताया कि यूनिट में जरूरत के अनुसार रेफ्रिजरेटर, मेटलिक छन्नियां, संगीत सिस्टम, इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप के अलावा जरूरी सभी सुविधाएं पूर्ण हैं। इसके साथ ही दो काउंसलर की भी नियुक्ति की गई है क्योंकि कई बार माताएं दूध निकालने की प्रक्रिया को लेकर असहज महसूस करतीं हैं। उनको ये काउंसलर सहज कर प्रक्रिया करातीं हैं। इसके साथ ही उन माताओं की भी काउंसिलिंग की जाती है जो शिशु को जन्म के बाद अपना दूध नहीं पिलाना चाहतीं हैं। यह भी बताया कि यह व्यवस्था मिल्क बैंक से अलग है। मिल्क बैंक में किसी भी माता का दूध पाश्चराइज करके संग्रहीत किया जाता है जो किसी भी नवजात को दिया जा सकता है। अब तक डेढ़ सौ बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है।

एलएमयू में जच्चा के साथ प्रक्रिया करता यूनिट का स्टाफ। अमृत विचार

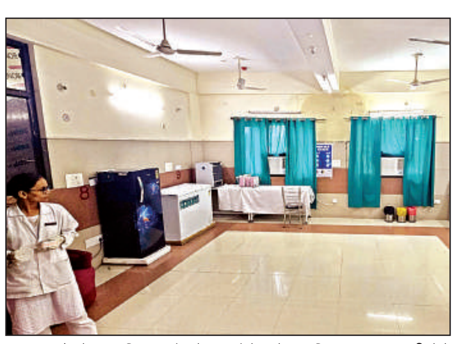

उपकरणों से सुसज्जित लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट व जानकारी देते सीएमएस डॉ. शक्ति बसु।

बाइकसवार के घायल होने की रिपोर्ट दर्ज

सौरिख। कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होने के मामले में पुत्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के चटरुआपुर गांव निवासी सुमित कुमार पुत्र राम प्रकाश ने सौरिख थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया, 4 मार्च की शाम लगभग 7:30 बजे पिता राम प्रकाश (56) बैंक से ड्यूटी करने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। नादेमऊ-सौरिख मार्ग पर किशनपुर गांव के सामने नादेमऊ की तरफ से आ रही आर्टिका कार के चालक नाम पता अज्ञात ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उन्हें तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां से डॉक्टरों ने कानपुर अस्पताल रेफर कर दिया जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

टूटी सड़क से निकलना मुश्किल, गिर रहे लोग

संवाददाता सौरिख

अमृत विचार। छह वर्ष पूर्व सड़क की मरम्मत हुई लेकिन उसके बाद से ध्यान नहीं दिया गया। परिणाम यह कि सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

सौरिख विकासखंड के अंतर्गत सौरिख-नादेमऊ मार्ग से नगला भीम तक जाने वाली सड़क का निर्माण लगभग 20 वर्ष पहले मंडी समिति से कराया गया था। इसकी मरम्मत 6 वर्ष पहले कराई गई थी। इसके बाद से रखरखाव न होने से सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिससे यहाँ से गुजरने वाले लोगों को आए दिन हादसे का शिकार होना पड़ता है। यह सड़क नगला पसा, नगला पसा पूर्वी, राजारमपुर, नगला भीम, बगियाहार, ईशमपुर जैसे आधा दर्जन गांवों को जोड़ती है। ग्रामीण सर्वेश कुमार, अनुज कुमार, इंद्रपाल सिंह, रमन सिंह, नरेंद्र कुमार, वीरपाल सिंह, कोमल सिंह, बंटू पाल, रजनीश पाल आदि लोगों ने कई बार सड़क निर्माण के लिए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की लेकिन निर्माण नहीं कराया जा रहा। इससे यहां से गुजरने वाले लोगों को आए दिन बाइक फिसलने से चोटिल होना पड़ रहा है।

सौरिख नादेमऊ मार्ग से नगला भीम जाने वाली सड़क का हाल।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने वारण्टी को किया गिरफ्तार

कन्नौज। थानाध्यक्ष संजीव कुमार के नेतृत्व में थाना ठठिया पुलिस ने फरार चल रहे वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस के खिलाफ ठठिया थाने में रिपोर्ट दर्ज है। पुलिस ने आरोपी सुरेश पुत्र इतवारी निवासी तुलापुर्वा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा है। आरोपी को पकड़ने में थानाध्यक्ष के अलावा दरोगा राकेश पटेल व हेड सिपाही विवेक कुमार शामिल रहे।

तिर्वा में नवरात्र पर निकली भव्य शोभायात्रा

तिर्वा। नगर में चैत्र नवरात्र के मौके पर भव्य और सजीव शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में देवी भक्त शामिल हुए और भजनों पर झूमते नजर आए। शुक्रवार को देर शाम सुभाष नगर मोहल्ले से नवदुर्गा शोभायात्रा प्रारंभ हुई। यह सर्राफा बाजार, गांधी चौक और खैरनगर रोड से होते हुए सिद्धपीठ मां काली मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल शिव-पार्वती, माता रानी और भगवान के अन्य स्वरूपों की सजीव झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह लोग पूजन और छतों से फूलों की वर्षा करते रहे। उधर, प्लाजा मार्केट में नौ दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम भी चल रहा है। सिद्धपीठ मां अन्नपूर्णा मंदिर, दुर्गा मंदिर और काली देवी मंदिर में भी भारी भीड़ उमड़ रही है।

नवरात्र के तीसरे दिन चंद्रघंटा की पूजा अर्चना

कन्नौज। इन दिनों देवी दुर्गा का नौ दिवसीय उत्सव जिले भर में मनाया जा रहा है। चैत्र नवरात्र के रूप में मनाए जाने वाले इस उत्सव के तीसरे दिन देवी की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की गई। शनिवार को सुबह से शहर समेत जिले के समस्त सिद्ध मंदिरों काली देवी, गोवर्धनी देवी, बाग देवी, सिंहवाहिनी देवी, काली दुर्गा मंदिर, क्षेमकली मंदिर, फूलमती देवी मंदिर, मौरारी देवी, तिर्वा के अन्नपूर्णा मंदिर के अलावा छिबरामऊ, गुरसहायगंज, सौरिख के देवी मंदिरों में सुबह से ही मैया के जयकारे गूंजते रहे। वहीं घरों में कलश स्थापना के बाद सप्तशती पाठ का आयोजन भी जारी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

कन्नौज। गलत साइड आ रही कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से मेडिकल कालेज रेफर किया गया। सदर कोतवाली के करनपुर गांव निवासी दिव्यांशू (24) पुत्र प्रेमसागर शनिवार को दोपहर के समय पाल चौराहा से कन्नौज की ओर जा रहा था। इसी दौरान रांग साइड में आ रही तेज रफ्तार कार ने सपा कार्यालय के निकट उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने जानकारी पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

छिबरामऊ। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत शनिवार को कोतवाली की टीम ने ग्राम कुंवरपुर कंडोली में नारी सुरक्षा नारी सम्मान अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया ।महिलाओं को विषम परिस्थितियों में सहायता के लिए 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (पुलिस सहायता), 181 (महिला हेल्पलाइन), और 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से बताया गया।

शिक्षिका ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को पीटा, केस दर्ज

उमर्दा विकास खंड क्षेत्र के कंपोजिट स्कूल फिरोजपुर का मामला, कई महीनों से चल रहा था चार्ज का विवाद, 12 मार्च को ही मिला था प्रभार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज/तिर्वा

विकास खंड उमर्दा क्षेत्र का कंपोजिट विद्यालय फिरोजपुर। अमृत विचार

अमृत विचार। सहायक शिक्षिका ने विद्यालय परिसर में ही प्रभारी प्रधानाध्यापक को पीट दिया जिससे वह घायल हो गईं। आरोप है कि महिला शिक्षक ने जाति सूचक गालियां भी दीं। कोतवाली तिर्वा में एससीएसटी समेत चार धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बताया जा रहा है कि स्कूल में चार्ज को लेकर कई महीनों से विवाद चल रहा था। 12 मार्च को ही प्रभार हस्तांतरण हुआ था।

कोतवाली सदर क्षेत्र के नसरापुर निवासी राधा कुमारी विकास खंड उमर्दा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय फिरोजपुर की प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं। उन्होंने सहायक अध्यापक दीप्ति यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि द्वेष भावना रखते हुए लगातार मानसिक उत्पीड़न कर रहीं हैं। अभद्र व्यवहार एवं कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। 12 मार्च को बीईओ विपिन कुमार ने विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक का कार्यभार दिलाया। उसके बाद आरोपी सहायक अध्यापक और आक्रामक हो गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दीप्ति यादव ने राधा कुमारी को धमकाया और प्रताड़ित करने लगी। एफआईआर के मुताबिक 20 मार्च को सुबह 8:55 बजे जब प्रभारी प्रधानाध्यापक स्कूल पहुंची तो दीप्ति ने सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर संबोधित किया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की जिससे शरीर पर चोट के निशान आ गए। डंडे से प्रहार किया व जान से मारने की धमकी से प्रभारी प्रधानाध्यापक भयभीत व असुरक्षित महसूस कर रहीं हैं। मामले की जांच सीओ तिर्वा कुलवीर सिंह करेंगे।

इन आरोपों में दर्ज हुई रिपोर्ट

- **कन्नौज।** सहायक अध्यापक दीप्ति यादव के खिलाफ स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की धारा लगी है जिसमें एक साल की सजा या 10 हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों सजा हो सकती हैं। सार्वजनिक स्थान पर जानबूझकर अपमान करने व शांतिभंग करने के लिए उकसाने में दो साल तक की जेल है। जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को उसकी प्रतिष्ठा, शरीर या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की अपराधिक धमकी देता है, डराता है व गैरकानूनी काम करता है तो दो साल तक की कैद व अर्थदंड होते हैं। यह सभी जमानती धारा हैं। इसके साथ ही गैर जमानती है धारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015) की धारा 3 (1) (द) भी दर्ज हुई है।

आरोपी शिक्षिका निलंबित, होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- बीईओ उमर्दा की जांच रिपोर्ट के बाद बीएसए ने की कार्रवाई
- पूर्व में प्रभारी प्रधानाध्यापक रहते दीप्ति पर गबन के भी आरोप लगे

अमृत विचार। प्रभारी प्रधानाध्यापक से मारपीट करने के मामले में कंपोजिट विद्यालय फिरोजपुर की सहायक अध्यापक दीप्ति यादव को बीएसए संदीप कुमार ने निलंबित कर दिया है। ठठिया के निकट स्थित बहादुरपुर प्राथमिक स्कूल में संबद्ध किया गया है। साथ ही मामले की जांच हसेरन बीईओ को सौंपी गई है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जारी किए निलंबन आदेश में कहा है कि मामले की जांच बीईओ विपिन कुमार ने की। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि विद्यालय की अन्य सहायक अध्यापक स्नेहलता ने भी प्रभारी प्रधानाध्यापक राधा कुमारी के साथ मारपीट, धक्का देने व अंग वस्त्र फाड़ने की पुष्टि की है। इस दौरान रसोइयां व विद्यार्थी भी मौजूद थे। रसोइया सोमवती, रूबी, अनीता, सरला ने भी बयान में घटनाक्रम बताया है। उधर, आरोपी सहायक अध्यापक का कहना है कि एक दिन पूर्व 19 मार्च को उसने हस्ताक्षर नहीं किए थे। बच्चों से सुबह रजिस्टर मंगाया तो राधा व स्नेहलता ने उनको धक्का दिया। निलंबन पत्र में कहा गया है कि सहायक अध्यापक दीप्ति ने विभागीय व स्कूल हित में कार्य न कर स्वेच्छाचारिता, मनमानी, स्वच्छंद कार्यशैली से कार्य करने व शिक्षण कार्य में रुचि न लेने और कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन कर मारपीट की है। बीएसए ने कार्रवाई का भरोसा दिया।

बारात से घर लौट रहे ग्रामीण को पीटा

कन्नौज। बारात से साथी के साथ बाइक से लौट रहे ग्रामीण को रास्ते में रोक कर मारपीट की गई। मामले की रिपोर्ट सदर कोतवाली में दर्ज कराई गई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव सठियापुर निवासी अजीत कुमार पुत्र गंगा सागर ने सदर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि 18 मार्च को वह गांव के ही निवासी रोविन व शिवसागर के साथ एक ही बाइक से मानपुर रोड पर स्थिति एनएल मैरिज लॉन में एक शादी में शामिल होने आया था। रात करीब दो बजे तीनों लोग अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही मानपुर रोड पर पहुंचे उसे समय सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव शरीफापुर निवासी प्रवेश पुत्र पप्पू, भूरा पुत्र दयाराम ने दो अज्ञात साथियों के साथ उसकी बाइक रोक ली। इसके बाद उक्त लोगों ने मारपीट की। एक व्यक्ति ने उसके सिर में डंडा मार दिया। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। बाइक को भी तोड़ दिया। बाद में जान से मार देने की धमकी दी है।

अब तक यूपी बोर्ड की 64 हजार कॉपियां जांची

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- शनिवार को ईद के चलते मूल्यांकन कार्य ठप रहा, आज परीक्षक व डीएचई कार्य करेंगे

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शहर के दोनों मूल्यांकन केंद्रों पर चल रहा है। शनिवार को ईद के चलते मूल्यांकन कार्य ठप रहा। अब तक हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कुल 64,135 कॉपियों का मूल्यांकन हो चुका है। आज यानि 22 मार्च को परीक्षक व डीएचई कार्य करेंगे।

शहर के एसवीएस इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की 1,72,713 उत्तर पुस्तिकाएं आईं हैं। 20 मार्च को 17,269 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया। आवंटित 94 उप प्रधान परीक्षकों में 76 शामिल हुए और 18 गैरहाजिर रहे। कुल 918 परीक्षकों की ड्यूटी लगी है उसके सापेक्ष महज 351 उपस्थित हुए। मूल्यांकन केंद्र केके इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की 1,20,633 कॉपियां आईं हैं। तीसरे दिन 13,634 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया था जिसमें 60 उप प्रधान परीक्षकों में सभी शामिल हुए। आवंटित 535 परीक्षकों में उपस्थित 310 ही हुए और 225 गैरहाजिर रहे।

सेठ वासुदेव सहाय इंटर कॉलेज में कुल 34,182 उत्तर पुस्तिकाएं जांची जा चुकी हैं जबकि केके इंटर कॉलेज में अब तक 29,953 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो चुका है। डीआईओएस कार्यालय के मुताबिक जो परीक्षक व डीएचई मूल्यांकन केंद्रों पर नहीं पहुंच रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई को लिखा जाएगा।

26 को भी रहेगा अवकाश

- माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने जारी किए पत्र में कहा है कि 18 मार्च से 01 अप्रैल तक बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य होना है। 26 मार्च को रामनवमी के उपलक्ष्य में मूल्यांकन कार्य नहीं होगा।

वसूली के आरोपों के बाद कन्नौज जनपद का निपुण में 44वां नंबर

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- पहली बार डीएलएड प्रशिक्षुओं पर लगे प्राथमिक स्कूलों से रुपये मांगने के आरोप

1186 में महज 306 प्राइमरी विद्यालय ही हो सके निपुण घोषित

अमृत विचार। जनपद में पहली बार प्राथमिक स्कूलों में निपुण आकलन करने के नाम पर डीएलएड प्रशिक्षुओं पर वसूली के आरोप लगे। यह अभ्यर्थी परिषदीय विद्यालयों में जाकर प्रशिक्षण लेते हैं और वहीं से ही रुपये मांगने में नहीं झिझके। यह मामला कन्नौज का ही नहीं बल्कि सूबे के कई जिलों का रहा। अब जब परिणाम घोषित हुआ तो अपने जनपद की सूबे में रैंक 44वीं आने पर खूब किरकिरी हुई। कुल 1186 विद्यालयों में महज 306 ही निपुण घोषित हो सके।

बेसिक शिक्षा में सुधार के लिए निपुण भारत मिशन चल रहा है। इसके तहत निपुण आकलन परीक्षा परख एप से होती है। कक्षा 01 व 02 के विद्यार्थियों को निपुण घोषित किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2025-26 में जनपद के 1186 विद्यालयों को मिशन में शामिल किया गया जिसमें 306 को ही निपुण घोषित किया गया है। जो करीब 26 प्रतिशत है। इस आधार पर कन्नौज जनपद को कानपुर मंडल के छह जिलों में चौथा नंबर व उत्तर प्रदेश में 44वां स्थान मिला है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) छिबरामऊ के डीएलएड प्रशिक्षुओं ने प्राथमिक विद्यालयों में जाकर निपुण आकलन किया था। इसके लिए 380 टीमें लगाईं थीं। शैक्षिक सत्र 2023-24 में 665 प्राथमिक स्कूलों में 187 निपुण घोषित हुए थे। 2024-25 में 713 विद्यालयों में 577 निपुण हुए थे। अबकी बार हालत काफी खराब हुई है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहा है।

80 प्रतिशत वाले बच्चे होते निपुण

- कन्नौज परिषदीय विद्यालयों में बाल वाटिका, कक्षा 01 और 02 के विद्यार्थियों की भाषा और गणित विषय के लिए न्यूनतम दक्षताओं के मानक बनाए गए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को अपनी कक्षा के तहत न्यूनतम जानकारी हो सके। इसका आकलन डायट में अध्ययनरत डीएलएड प्रशिक्षुओं ने एप से किया था। बताया जा रहा है कि जब किसी विद्यालय के कक्षा 01 और कक्षा 02 में पढ़ने वाले 80 प्रतिशत छात्र निपुण लक्ष्य एप के जरिए प्राप्त कर लेते हैं तो उस विद्यालय को निपुण घोषित किया जाता है। एप के माध्यम से छात्रों को निर्धारित समय में प्रवाह के साथ शब्दों और दी गई कहानी पढ़नी होती है। गणित के 04 प्रश्नों में से 03 को हल करना होता है।

> जिन डीएलएड प्रशिक्षुओं को परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक ट्रेनिंग व नंबर देते हैं। उन्हीं शिक्षकों ने डीएलएड विद्यार्थियों ने स्कूलों को निपुण करने के लिए चार से छह हजार रुपये घूस मांगी। यह हाल कन्नौज समेत कई जिलों का रहा। जांच का विषय है कि किसके कहने पर ऐसा हुआ। प्रशिक्षुओं की ओर से रुपये मांगने का यह पहली बार मामला जनपद में हुआ है।
>
> -रजत परिहार, जिलाध्यक्ष- प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन

हसेरन सीएचसी पर टीकाकरण की शुरुआत करतीं विधायक अर्चना पाण्डेय व वैक्सीनेशन करते एसीएमओ डॉ.. जितेंद्र नाग व अन्य। अमृत विचार

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को टीकाकरण की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। छिबरामऊ सीएचसी में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। एसीएमओ जितेंद्र नाग ने की अगुवाई में वैक्सीनेशन कराया गया।

जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये टीकाकरण की शुरुआत छिबरामऊ सीएचसी से कर दी गई है। विधायक अर्चना पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में 14 वर्ष की किशोरियों को वैक्सीन लगाई गई। सीएमओ डा. स्वदेश गुप्ता ने बताया कि जिले में वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में है। किशोरियों को अभिभावकों से अपील की है कि वह अपनी पुत्री को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये वैक्सीन हर हाल में लगवायें। यह वैक्सीन 14 से 15 वर्ष तक की की किशोरियों को लगाई जा रही है। यह वैक्सीनेशन प्रति दिन सुबह 09 बजे से दो बजे तक किया जायेगा। बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये उपयोगी है। इसके लगवाने से काफी हद कर कैंसर जैसे गंभीर रोग से बचाव कर सकता है। छिबरामऊ विधायक ने किशोरियों को इस के लिये प्रेरित किया। कहा कि प्रत्येक किशोरी के माता पिता को चाहिये कि वह अपनी पुत्री को गंभीर बीमारी से बचाने के लिये वैक्सीनेशन अवश्य कराएं।

रेलवे कर्मचारी को साइबर ठगों ने लगाया एक लाख रुपये का चूना

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- व्हाट्सअप नंबर पर अपडेट लिखकर मोबाइल किया हैक
- कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच की शुरू

अमृत विचार। रिफंड खाते में मंगाने के लिये एक नंबर से साइबर ठग ने फोन किया। इसके बाद व्हाट्सअप नंबर भेजा। इस पर एप अपडेट करने को कहा। इसके बाद मोबाइल हैक कर खाते से एक लाख रुपये पार कर दिये। मैसेज आने पर जानकारी हुई। मामले की शिकायत सदर कोतवाली पुलिस से की गई है।

रेलवे कालोनी निवासी कर्मचारी संदीप कुमार पुत्र महावीर सिंह मूल निवासी गढिया बारामऊ थाना अरवल जनपद हरदोई ने सदर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि 09 मार्च को उसका पार्सल एजेआईओ एप से रिटर्न होना था। इसका रिफंड खाते में आना था। उसके मोबाइल पर एक फोन कॉल आई कहा गया कि व्हाटंसअप नंबर भेज रहा हूं इस पर एक एप अपडेट करें। पीड़ित ने न तो कोई ओटीपी दिया न ही किसी तरह की डिटेल की जानकारी दी। एप अपडेट करते ही उसका मोबाइल साइबर ठगों ने हैक कर लिया। उसने मोबाइल को बंद करने का प्रयास किया पर वह बंद भी नहीं हुआ। पांच मिनट तक मोबाइल हैक रहने के बाद ठीक हो गया। इस के बाद उसके मोबाइल कर तीन अलग अलग मैसेज आये, जिसमें बैंक खाते से 95000 रुपये, 4000 रुपये, व 1000 रुपये निकाल लिये गये। इस तरह से कुल 1,00000 रुपये साइबर ठगों ने खाते से निकाल लिये। इस के बाद उसने तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इस के 30 मिनट के बाद बैंक में शिकायत की। फ्राड के मामले में पीडित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दूसरे दिन भी चलती रहीं ठंडी हवाएं, छाया कोहरा

कन्नौज। दो दिन से मौसम में आई नरमी दूसरे दिन भी जारी रही। खास बात यह रही कि मार्च में दूसरी बार कोहरे का असर देखने को मिला। गुरुवार की शाम से ही मौसम में बदलाव आ गया था जिसके चलते तेज ठंडी हवाओं के साथ बादलों ने भी आसमान में डेरा जमाया था। शुक्रवार को सुबह से ही बादलों के साथ बूंदाबांदी तो कभी रिमझिम बारिश होती रही और तेज सर्द हवाएं चलती रहीं। शनिवार को सुबह से ही कोहरे की घनी चादर फैली नजर आई। इससे पहले भी मार्च में कोहरा छा चुका है। कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि अभी पश्चिमी विक्षोभ का असर बना हुआ है जिसके चलते बादल और कोहरा जैसी स्थिति सामने आई। अधिकतम तापमान 27 जबकि न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पछुआ हवाएं 12-14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती रहीं ।

घर में घुसे युवक ने युवती को गलत नीयत से दबोचा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- परिजनों के जागने पर युवक ने अपने को कमरे में किया बंद

अमृत विचार। सदर कोतवाली के एक गांव में दीवार लांघ कर घर में घुसे युवक ने युवती के कमरे में पहुंच कर उसे गलत नीयत से दबोच लिया। शोर मचाने पर पहुंचे परिजनों को देख युवक ने अपने को मकान के एक कमरे में बंद कर लिया। सूचना पर युवक के परिजन लाठी डंडा लेकर पीड़ित के घर में घुस गये जहां तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की है।

एक गांव की युवती 19 मार्च की रात अपने मकान के कमरे में सो रही थी। रात के समय गांव का ही निवासी मदन मोहन दीवार फांदकर घर में घुस गया। जिस कमरे में युवती सो रही थी उसमें पहुंच कर उससे छेड़छाड़ करने लगा। युवती के शोर मचाने पर परिजन जाग गये। पीड़िता की मां ने अपने परिजनों को मौके पर बुला लिया।

इस पर युवक ने मकान के अंदर कमरे में खुद को बंद कर लिया। पीड़िता ने पुलिस को इसकी जानकारी फोन से दी। इससे नाराज युवक के परिजनों ने मकान में घुस कर उसे मुक्त कराते हुए लाठी डंडों से हमला कर पीड़ित पक्ष के तीन लोगों को घायल कर दिया। उधर जानकारी पर यूपी 112 पुलिस मौके पर पहुंची और छीनबीन की है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मदन मोहन व उनके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सामूहिक विवाह — 02 मुस्लिम जोड़ों ने निकाह किया कुबूल, मंत्री ने नवविवाहितों को दिया आशीर्वाद

अग्नि को साक्षी मान 101 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

शहर के पीएसएम पीजी कॉलेज में एक- दूसरे को माला पहनाते वर- वधू।

पंडाल में पुष्प वर्षा करते समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण।

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पीएसएम पीजी कॉलेज में हुआ आयोजन

अमृत विचार। शहर के पीएसएम पीजी कॉलेज परिसर में समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कुल 103 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध गए। इसमें दो मुस्लिम जोड़ों ने भी निकाह किया। नवविवाहित जोड़ों को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने आशीर्वाद देकर पुष्प वर्षा की।

शनिवार को आयोजित हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर हो रहे सामूहिक विवाह अत्यंत शुभ और मंगलकारी है। उन्होंने कहा, विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों के बीच विश्वास, प्रेम और संस्कारों का अटूट बंधन है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक युवा स्वावलंबी बने, अपने कौशल और शिक्षा के बल पर आगे बढ़े तथा 'सीएम युवा उद्यमी' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर भविष्य का निर्माण करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को आधार से जोड़कर पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है, जिससे पात्र लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के योजना का लाभ मिल सके। यह योजना निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक सशक्त सहारा बनकर उभरी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी वेद प्रकाश मिश्र ने बताया कि योजना के तहत प्रति जोड़ा 01 लाख रुपये व्यय होता है जिसमें 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में भेजे जाते हैं। 25 हजार रुपये की उपहार सामग्री दी जाती है। 15 हजार रुपये विवाह आयोजन पर खर्च होता है।

बुजुर्गों को प्रशिक्षण के माध्यम से बनाया जा रहा हुनरमंद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। आदर्श जन कल्याण एवं शिक्षा समिति द्वारा भारत सरकार एवं समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश की 'अटल वयो अभ्युदय योजना' के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्रशिक्षण के माध्यम से हुनरमंद बनाया जा रहा है।

वृद्धाश्रम पुलिस लाइन कन्नौज में 16 से 24 मार्च तक विभिन्न गतिविधियां चल रहीं हैं। इनका उद्देश्य वृद्धाश्रमों में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों को व्यस्त रखना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर या कौशल युक्त बनाना है। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं, अधिकारों और सम्मान के प्रति जागरूक करना भी है। छठे दिन शनिवार को पहले चरण में जितेन्द्र प्रताप सिंह थानाध्यक्ष सदर कन्नौज द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने वृद्धजनों से समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याएं जानी। दूसरे चरण में जिला समाज कल्याण अधिकारी वेद प्रकाश मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम कन्नौज के वृद्धों को लिफाफा बनाना सिखाया गया। इस दौरान नरेंद्र सिंह छात्रावास अधीक्षक (समाज कल्याण विभाग कन्नौज) भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते जिला समाज कल्याण अधिकारी वेदप्रकाश मिश्रा।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

अमृतपुर। थाना राजेपुर क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हमीरपुर सोमवंशी निवासी आनंद (18), मनोज (17) व विपिन (18) शुक्रवार रात करीब 9.45 बजे मोटरसाइकिल से कस्बा राजेपुर से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे राजेपुर तिराहे से जमापुर मार्ग पर लगभग एक किलोमीटर आगे कोल्ड स्टोर के पास पहुंचे, तभी आगे चल रही एक अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से उनकी बाइक जोरदार तरीके से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि आनंद पुत्र जगतपाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनोज पुत्र रक्षपाल और विपिन पुत्र कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है।वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहगढ़ मोर्चरी भेज दिया गया है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखी। प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि मामले में अभी तक तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाश भी की जा रही है। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में दो घायल

फर्रुखाबाद। बढ़पुर ब्लाक क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार घायल हो गए। मऊदरवाजा थाना क्षेत्र के गांव बरौन के पास बाईपास रोड पर मिट्टी लदे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को लोहिया जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

थाना कम्पिल क्षेत्र के गांव गौरखेड़ा निवासी जितेंद्र मिश्रा पुत्र मातादीन मिश्रा और उनके साथी राजवीर सिंह फर्रुखाबाद से दवा लेकर अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने जानकारी दी कि जितेंद्र मिश्रा के पैर में फ्रैक्चर हो गया है और उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। उनके साथी राजवीर सिंह की स्थिति सामान्य बताई गई है। दुर्घटना के बाद 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया और उनके परिजनों को सूचित किया गया।

निकली ज्योति कलश रथ यात्रा

फर्रुखाबाद। नवाबगंज में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित 'ज्योति कलश रथ यात्रा महोत्सव' का भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा समाज में आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मकता के प्रसार के उद्देश्य से निकाली जा रही है।

गायत्री परिवार के अनुसार, इस रथ में स्थापित ज्योति कलश शांतिकुंज हरिद्वार की अखंड ज्योति का प्रतीक है। इसमें गुरुदेव की तपस्या की ऊर्जा समाहित मानी जाती है। आयोजकों ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य वातावरण को शुद्ध करना, समाज में प्रेम और सद्भाव बढ़ाना तथा घर-घर में सुसंस्कारों का बीजारोपण करना है। गायत्री परिवार ने जनपदवासियों से इस दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाने और कलश पूजन में सम्मिलित होकर जीवन में सुख-समृद्धि के मार्ग प्रशस्त करने की अपील की है। इस अवसर पर राकेश गुप्ता, ठाकुर रवेन्द्र सिंह, बीके यादव, सुधीर पाल, नीरज गुप्ता, पप्पू पाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चाय की दुकान पर हुई मारपीट, लूट का आरोप

अमृतपुर। कमालगंज क्षेत्र में एक कोल्ड स्टोर के बाहर स्थित चाय की दुकान पर दबंगों ने मारपीट कर नकदी लूट ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, चाय की दुकान पर कुछ लोग बैठे थे। इसी दौरान कुछ दबंग वहां पहुंचे और दुकानदार से किसी बात को लेकर विवाद करने लगे। विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दबंगों ने दुकानदार को पीटने के बाद दुकान में रखी नकदी लूट ली और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। इस संबंध में थाना अध्यक्ष ललित कुमार ने बताया कि उन्हें तहरीर मिल गई है।

ईद की नमाज में की मुल्क की खुशहाली की दुआ

मोहल्लों की मस्जिदों में पढ़ी गई नमाज-ए-ईद, इस्लामी उसूलों पर चलने व भाईचारे का दिया संदेश, एक दूसरे को दी बधाई

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को ईद-उल-फित्र के मौके पर मुसलमानों ने ईदगाहों में पहुंचकर नमाज-ए-शुक्र अदा की। अल्लाह की मदद के तलबगार बनकर हजारों हाथ उठे। सभी ने अल्लाह तआला से एक आवाज में वतन की तरक्की, खुशहाली और इबादतगाहों की हिफाजत, युद्ध के खात्मे और मुल्क में अमनोअमान के लिए दरबारे खुदा में दुआ मांगी। ईद की नमाज मोहल्लों की मस्जिदों में भी लोगों ने बड़ी संख्या में अदा की। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

ईद-उल-फितर के त्योहार जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया। मुसलमानों ने ईदगाहों में जाकर नमाजे शुक्र अदा कर दरबारे खुदा में एक आवाज में वतन की तरक्की, खुशहाली और इबादतगाहों की हिफाजत के लिए दुआ मांगी। खुशी के इस माहौल में बड़े, बूढ़े, जवान सभी को नमाज की फिक्र थी। जो ईदगाह तक नहीं पहुंच पाए, वे खेतों में नमाज के लिए बैठ गए। नई ईदगाह में मौलाना मोअज्जम अली ने पहले खुतबा दिया। उन्होंने फरमाया कि इस्लाम अमन व सलामती का मजहब है, इस्लामी उसूलों को अपनाने से सुकून के साथ जिंदगी बेहतर होगी और अल्लाह व रसूल भी राजी हो जायेंगे।

खुदा के दरबार में ईद की नमाज अदा करते रोजेदार। अमृत विचार

मस्जिद में नमाज अदा करते नन्हें रोजेदार। अमृत विचार

- ईद की नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर दी मुबारकबाद

इसके बाद दो रकआत नमाज ईद-उल-फित्र अदा की कराई। यहां पर नमाजियों की भारी भीड़ जमा हुई।

अर्रा पहाड़पुर स्थित पुरानी ईदगाह में मौलाना शमशाद अहमद चतुर्वेदी की इनायत में नमाज अदा की गई। नमाज से पूर्व मौलाना शमशाद अहमद चतुर्वेदी ने दीने इस्लाम पर अमल करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारा कायम करो। उन्होंने मुल्क में अमन, शांति व तरक्की के लिए दुआ की। ईद की नमाज शहर की अन्य मस्जिदों में भी अदा की गई। सूफी खां स्थित दरगाह हुसैनिया मुजीबिया में सज्जादानशीन कारी शाह फसीह मुजीबी ने नमाज अदा कराई। उन्होंने नमाजियों के हक में दुआ की। टाउनहाल रोड स्थित मस्जिद काजी साहब में शहर काजी सेठ मुताहिर अली ने नमाज पढ़ाई। सुनहरी मस्जिद में मौलाना सदाकत हुसैन की इनायत में शिया मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा कराई।

फतेहगढ़ ईदगाह में शहर काजी मौलाना राशिद ने नमाज अदा कराई। उन्होंने खैर व बरकत के लिए खुसूसी दुआ मांगी। इसके साथ मोहल्लों की मस्जिदों में भी नमाजें अदा की गई। बड़ी मस्जिद नखास, अफजल नूर, एक मीनारा, गौसिया, आम बाली, शीशम वाली, बंदा खां, बीबी साहब, मोती मस्जिद, रानी साहिबा, दुकानों वाली मस्जिद आदि में बड़ी संख्या में लोगों ने ईद की नमाज अदा कर अल्लाह से दुआ मांगी। इस दौरान ईदगाहों के निकट भारी पुलिसबल मौजूद रहा। जिलाधिकारी डॉ.आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखे रहे। अधिकारियों ने भी नमाजियों से गले मिलकर ईद की मुबारकवाद दी। इस अवसर पर हाजी राजा शम्सी, मोहम्मद ताईफ शमसी, नूमान शमसी, बसपा नेता हाजी फजल मंसूरी, फुरकान अहमद, मोहम्मद यूनुस अंसारी, डॉ.अनवार अहमद खाँ, डॉ.अहमद हुसैन खाँ, हाजी तरीक सेठ, ताहिर शेख इंजीनियर, हाजी मुजफ्फर रहमानी, हाजी मुन्ने मियां, अजहर हुसैन, बाकर अली, मो. सलीम, रईस अहमद अंसारी भूरी आदि मौजूद रहे।

इसके साथ ही कायमगंज, अमृतपुर में भी ईद का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया गया। ईदगाहों में नमाज अदा कर मुल्क की सलामती की दुआ मांगी गयी। अमृतपुर तहसील क्षेत्र के अलीगढ़, कड़क्का, कुतलूपुर, अमृतपुर, ईमादपुर, गलारपुर, राजपुर, रोशन नगला आदि में ईद के मौके पर मस्जिदों में नमाज अदा की गई और एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दीं।

ईद पर पुलिस प्रशासन रहा पूरी तरह से मुस्तैद

अमृतपुर। ईद-उल-फितर के पावन पर्व को जनपद में सकुशल, शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जिले भर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई।

जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित प्रमुख मस्जिदों, ईदगाहों एवं सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण कर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई, जहां ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई। साथ ही सादे वस्त्रों में पुलिस कर्मियों की तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया गया।इसी क्रम में थाना अमृतपुर पुलिस ने भी सराहनीय पहल करते हुए क्षेत्र की मस्जिदों और ईदगाहों पर पहुंचकर लोगों से संवाद किया। थाना प्रभारी रक्षा सिंह स्वयं पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहीं और सभी को ईद की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात सिक्योरिटी गार्ड का शव

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर को आम के बाग में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। यह बाग रेलवे स्टेशन की पूर्वी पितौरा क्रॉसिंग, कायमगंज-अचरा मार्ग के पश्चिम में स्थित संतोष गंगवार का है। युवक की आयु लगभग 30 से 32 वर्ष बताई जा रही है और पहनावे से वह निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत लग रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाग में छिड़काव के उपकरणों की जांच करने पहुंचे बागबान ने सबसे पहले शव को देखा। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। युवक ने नीले रंग की पैंट और हल्के नीले रंग की शर्ट पहन रखी थी। उसके दाहिने हाथ में दो अंगूठियां, कलाई में कलावा और एक कड़ा मिला। कमर पर एक प्राइवेट सिक्योरिटी बेल्ट भी बंधी हुई थी। पेड़ के पास से एक पानी की बोतल और एक पिट्ठू बैग भी बरामद हुआ है। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी व क्राइम इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है।

इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। फॉरेंसिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहगढ़ भेजा जाएगा।

डीएम और एसपी ने ईदगाहों का भ्रमण कर परखी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। ईद-उल-फितर के अवसर पर जनपद में कानून-व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने नगर क्षेत्र के विभिन्न नमाज स्थलों का संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति और यातायात प्रबंधन का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नमाज के दौरान और उसके बाद यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रहे तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए।

ईदगाह के बाहर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ।

उन्होंने साफ-सफाई और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।वहीं पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। प्रशासन की ओर से जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे आपसी भाईचारे और सौहार्द को बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें, ताकि ईद का पर्व शांति और सद्भाव के साथ मनाया जा सके।

मुठभेड़ में लूट के दो आरोपी दबोचे, एक के पैर में लगी गोली

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जनपद में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में लूट का एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि एक सिपाही भी फायरिंग में जख्मी हो गया। दोनों घायलों को उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से घायल बदमाश समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, हाल ही में एक ई-रिक्शा चालक से लूट की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसकी तलाश में पुलिस टीम सक्रिय थी। इसी बीच सूचना मिली कि लूट के आरोपी ऊगरपुर नलकूप और मंदिर मार्ग के पास मौजूद हैं। सूचना के आधार पर कोतवाली मोहम्मदाबाद और थाना मऊदरवाजा पुलिस ने संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध बदमाश पुलिस को दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश उपेंद्र उर्फ रॉकी के पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई। वहीं, बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में सिपाही दिग्विजय सिंह के हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गए।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घायल बदमाश उपेंद्र समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों घायलों को तत्काल लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपी घायल हुआ है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीएमओ ने किया निर्माणाधीन क्रिटिकल यूनिट का निरीक्षण

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनींद्र कुमार ने शनिवार दोपहर को जिला अस्पताल लोहिया में निर्माणाधीन क्रिटिकल यूनिट सेंटर का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित फर्म को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। यह निरीक्षण जिले के प्रभारी मंत्री और उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के हालिया दौरे के बाद हुआ है। मंत्री ने अपनी समीक्षा बैठक में अधूरी परियोजनाओं को 31 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए थे। शहर के आवास विकास स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया संयुक्त जिला चिकित्सालय में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए यह क्रिटिकल यूनिट लगभग एक वर्ष से निर्माणाधीन है।

निर्माणाधीन क्रिटिकल यूनिट सेंटर का निरीक्षण करते मुख्य चिकित्साधिकारी ।

शासन-प्रशासन का जोर है कि यह कार्य 31 मार्च तक पूर्ण हो जाए। मंत्री जयवीर सिंह ने यह भी कहा था कि 31 मार्च तक जो कार्य पूर्ण नहीं होगा, उसकी समीक्षा की जाएगी कि आखिर कहां कमी रह गई है। यदि कोई लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मामले पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवनींद्र कुमार ने बताया की क्रिटिकल यूनिट का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूर्ण होना था। लेकिन इन्होंने 31 मार्च तक की अनुपाती ली है आज 21 मार्च हो गई है, 10 दिन और उनके बच्चे हैं। किसी को मैं आकर देखा गुणवत्ता और जल्दी कार्य खत्म करने के कहां है। इसी में हम लोग भी लगे हैं जल्दी-जल्दी हैंडोवर हो और जनता को लाभ मिल सके।

दबंगों ने जमीन पर किया कब्जा

कायमगंज। कम्पिल स्थित कमरुद्दीन नगर निवासी प्रवेश कुमार ने गांव के दबंगों पर अपनी जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है।

प्रवेश कुमार ने बताया कि उनकी जमीन पर सरसों की फसल खड़ी थी। आरोप है कि गांव के दबंगों ने उस फसल को काट लिया और अपने घर ले गए। अब वे इस जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध किया तो दबंगों ने लड़ाई-झगड़ा और मारपीट शुरू कर दी। इस मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद प्रवेश कुमार ने जिलाधिकारी से जमीन की जांच कराकर दबंगों से कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई है। जिलाधिकारी दी ने पीड़ित को मामले की जांच करवाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नवरात्रि पर तीसरे दिन मंदिरों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को देवी मंदिरों में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालु माता के दर्शन और पूजन के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे, जिससे पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा।

बढ़पुर स्थित शीतला माता मंदिर, संतोषी माता मंदिर, गुरुगांव देवी मंदिर तथा मठिया देवी मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसरों में "जय माता दी" के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। कई भक्तों ने व्रत रखकर दिनभर भक्ति में लीन रहे। मंदिरों के बाहर प्रसाद, फूल-माला और पूजा सामग्री की दुकानों पर भी खासा रौनक देखने को मिली। महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह नजर आया। वहीं कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और देवी जागरण का आयोजन भी किया गया। भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग भी सतर्क नजर आया।

गुरुगांव देवी मंदिर में पूजन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रि में भक्तों की आस्था देखने लायक है।

जागरूकता | मिशन शक्ति अभियान 5 .0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

छात्राओं-महिलाओं को साइबर सुरक्षा, योजनाओं की जानकारी दी

संवाददाता अमृतपुर

अमृत विचार। जनपद में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़ के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान 5.0 लगातार प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना अमृतपुर की मिशन शक्ति टीम द्वारा क्षेत्र में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, लैंगिक अपराध, बालिकाओं के अधिकार, नवीन कानूनों, साइबर अपराध एवं डिजिटल सुरक्षा के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। टीम ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, अज्ञात कॉल/लिंक से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही महिलाओं को घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, स्टॉकिंग, दहेज उत्पीडऩ जैसे अपराधों के बारे में जागरूक करते हुए उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों, आपातकालीन सेवाओं और शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया, ताकि जरूरत पडऩे पर महिलाएं तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।

महिलाओं छात्राओं को जागरूक करती अमृतपुर पुलिस। अमृत विचार

मिशन शक्ति टीम द्वारा जागरूकता पंपलेट वितरित कर महिलाओं को जागरूक किया गया और उन्हें यह संदेश दिया गया कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीडऩ की स्थिति में चुप न रहें, बल्कि निडर होकर अपनी बात सामने रखें और पुलिस की मदद लें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और समाज में सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। उन्होंने यह भी कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार चलाए जाएंगे, जिससे जनपद की हर महिला तक सुरक्षा और अधिकारों की जानकारी पहुंच सके।

यह अभियान न केवल महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर रहा है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पुरानी पेंशन बहाली का रास्ता साफ होने से शिक्षकों में खुशी

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। प्रदेश शासन ने अमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना(ओपीएस) के विकल्प में शामिल करने की ऐतिहासिक अनुमति दे दी है।

आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष डा. आशा लता सिंह एवं उपाध्यक्ष रेखा सिंह ने जानकारी देकर बताया कि शासन के इस निर्णय से शिक्षकों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान होगी। इस फैसले से हजारों शिक्षकों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, इसी के साथ उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी, शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी एवं महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा भी इस पुरानी पेंशन बहाली योजना को आदेशित के लिए काफी लंबे समय से प्रयासरत थे। आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजीत कुमार गंगवार एवं महामंत्री विजेंद्र मथुरिया, ने संयुक्त रूप से बताया कि फर्रुखाबाद जिले में लगभग 32 आमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षक हैं और इसमें से कुछ रिटायर्ड भी हो चुके हैं। इन सभी को इस योजना का लाभ मिलेगा। इस मौके पर शिक्षक नेता संतोष कुमार दुबे, रजनीश शिवा, महाराज सिंह, सत्येंद्र सिंह, प्रधानाचार्य शिवओम दुबे, सुनील कुमार परमार, अवधेश कुमार यादव आदि ने स्वागत किया है ।

न्यूज ब्रीफ

पिकअप की टक्कर से दो लोग घायल

कुदरकोट। कुदरकोट थाना क्षेत्र के नंगला विद्दि के पास सर्विस रोड पर तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया, जिससे इलाके में आक्रोश भी देखा गया। हादसे में बाइक सवार दीपू पुत्र अभयराम और कमलेश कुमारी पत्नी जबर सिंह, निवासी रघुनाथपुर सकरावा, जनपद कन्नौज सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर कुदरकोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जहां दोनों का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही फरार चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सभासदों का किया गया स्वागत

बिधूना। नगर पंचायत बिधूना में शासन से नामित किए गए एक महिला सहित तीन सभासदों का उनके समर्थकों ने आवास पर पहुंच कर जोरदार स्वागत किया। नगर के लोगों ने कहा कि शासन ने ऐसे कार्यकर्ताओं को सभासद के पद पर नामित कर सराहनीय कार्य किया है। कहा सभासदों के सहयोग से नगर पंचायत के विकास कार्यों को गति मिलेगी और नगर की जन समस्याओं का निराकरण हो सकेगा। नामित सभासदों ने कहा कि शासन ने उन पर जो विश्वास प्रकट किया है उस पर वह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर गोरेलाल चक्रवर्ती विमल अनिल कुमार अमित कुमार रोहित कुमार अंकित कुमार गौरव शैलेंद्र कुमार , दादा,पिंटू शाक्य, आनंद गुप्ता आदि मौजूद रहे। ज्ञातव्य हो कि शासन द्वारा बीते दिवस पूर्व सभासद सतीश प्रजापति ,नीलेंद्र कुमार उर्फ नीलू चक्रवर्ती, सविता राजावत को नगर पंचायत में सभासद के पद पर नामित किया गया था। उधर सविता राजावत के आवास पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहुंच कर जोरदार स्वागत किया गया।

समाजसेवी के निधन पर शोक व्यक्त किया

बिधूना। क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी 75 वर्षीय समाजसेवी राजबहादुर सिंह राजावत का उपचार के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में ही निधन हो गया। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव लालपुर पहुंचा तो भारी संख्या में लोग श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके गांव पहुंच गये ।इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि आदर्श ठाकुर,वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह कुशवाह , रचना सिंह सेंगर पूर्व जिला पंचायत सदस्य,रविन्द्र प्रताप सिंह गौर पूर्व प्रधानाध्यापक,नीरज सिंह सेंगर प्रबंधक जनता इंटर कालेज, राव गजेंद्र सिंह सेंगर, डाक्टर घनश्याम सिंह सेंगर रामनरेश सिंह राजावत, संजय सिंह उर्फ गुड्डा सेंगर डीपी सिंह सेंगर अरविंद प्रताप देव , दिनेश सिंह सेंगर पूर्व प्रधान , धनंजय सिंह सेंगर संजय सिंह राजावत जसकरन सिंह राजावत आदि ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के कर्मियों ने भी उनके पैतृक गांव पहुंच कर शोकाकुल परिवारी जनों एवं उनके पुत्रों श्यामू राजावत आदि को ढांढस बंधाया। शुक्रवार को शोकाकुल माहौल में गांव में ही कृषि फार्म पर दाह संस्कार कर दिया गया। बिधूना के लोग उनकी अंत्येष्टि में शामिल रहे।

ईद-उल-फितर : नमाज के बाद एक-दूसरे को गले लगाकर दी बधाई

औरैया, टीम

फफूंद में नमाज अदा करते नमाजी। रूरुगंज में नमाज अदा करते समुदाय के लोग। बिधूना में एक-दूसरे को बधाई देने को मौजूद। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले भर में शनिवार को ईद का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास व अमन के साथ मनाया गया। इस दौरान नगर व ग्रामीण इलाकों के हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नगर की प्रमुख ईदगाह सहित मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की।

नगर के बाईपास स्थित मुख्य ईदगाह में मौसम को देखते हुए सुबह साढ़े आठ बजे आस्ताना आलिया समदिया के साहिबे सज्जादानशीन हुजूर सैय्यद अख्तर मियां चिश्ती की मौजूदगी में ईदगाह के पेश इमाम सैयद नवाज अख्तर (चिश्ती मियां) ने हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की नमाज अदा करायी। वहीं कस्बे की बाबा का पुरवा स्थित ईदगाह में सुबह 8:15 बजे कारी राशिद जमई, जामा मस्जिद आस्ताना आलिया समदिया में हुजूर सैयद अब्दुल्लाह मियां चिश्ती ने नमाज अदा करायी। नमाज के दौरान उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी के अलावा फफूंद थानाध्यक्ष अजय कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

बिधूना संवाददाता के अनुसार मौलाना जुबेर ने संबोधन में कहा कि ईद का त्योहार हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ मिलजुलकर रहने की प्रेरणा देता है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मस्जिद परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर एसडीएम बिधूना गरिमा सोनकिया,नायब तहसीलदार रुचि मिश्रा,क्षेत्राधिकारी पी पुनीत मिश्रा, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान थाना अध्यक्ष गंगादास गौतम,राजेश सिंह थाना प्रभारी सहार आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर आदर्श मिश्रा चेयरमैन अमित बाथम पूर्व चेयरमैन, रमेश चंद्र अग्निहोत्री प्रमोद गुप्ता एल एस पूर्व विधायक ,राव गजेंद्र सिंह सेंगर, प्रदीप कश्यप पूर्व प्रत्याशी नगर पंचायत अध्यक्ष, मोरध्वज सभासद, देवेंद्र सिंह एडवोकेट आदि ने ईंद की मुबारकबाद दी।

रूरुगंज संवाददाता के अनुसार सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग परवरदिगार का शुक्र अदा करने और सजदा करने के लिए रुरुगंज की मस्जिद की ओर उमड़ पड़े। नमाज शुरू होने से पहले ही मस्जिद में नमाजियों से खचाखच भर गया। करीब साढ़े आठ बजे मस्जिद के पेश इमाम हाफिज मुहम्मद मुजाहिद ने नमाज अदा कराई और इसके बाद खुतबा सुनाया। उपजिलाधिकारी गरिमा सोनकिया, क्षेत्राधिकारी पी पुनीत मिश्रा और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान के नेतृत्व में पुलिस बल ने मस्जिदों सहित पूरे क्षेत्र में चाक-चौबंद व्यवस्था बनाए रखी।

ट्रेन में चढ़ते समय दरोगा गिरकर घायल,इलाज के दौरान गई जान

जिला न्यायालय में तैनात थे बांदा निवासी सूरज बली, हादसे के बाद परिजनों में हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। फफूंद रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर को ट्रेन में चढ़ने के दौरान संतुलन बिगड़ने से एक दरोगा प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बांदा निवासी दरोगा सूरज बली (48) पुत्र गंगवा की तैनाती औरैया जिला न्यायालय में थी। वह औरैया में किराए के कमरे में अकेले रहते थे, जबकि उनका परिवार बांदा में रहता है। शनिवार को वह बांदा जाने के लिए निकले थे। औरैया से बांदा के लिए सीधी ट्रेन न होने के कारण उन्हें पहले कानपुर जाना था, जहां से दूसरी ट्रेन पकड़नी थी। बताया जा रहा है कि कामाख्या एक्सप्रेस का फफूंद स्टेशन पर आधिकारिक ठहराव नहीं है, लेकिन ट्रेन के धीमा होने पर लोग अक्सर उसमें चढ़ने का प्रयास करते हैं। दोपहर करीब 12:50 बजे जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर धीमी हुई, दरोगा सूरज बली उसमें चढ़ने लगे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म पर मुंह के बल गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर मौजूद एक सफाईकर्मी ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वह गिर चुके थे। गंभीर रूप से घायल दरोगा को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दिबियापुर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के दौरान उनकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें मेडिकल कॉलेज चिचौली रेफर कर दिया।

बताया गया कि सीएचसी पहुंचने तक वह होश में थे, लेकिन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर दिबियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी है। इस घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

ट्रेन में बिगड़ा स्वास्थ्य, सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

दिबियापुर (औरैया)। गोमती एक्सप्रेस से दिल्ली से लखनऊ जा रहे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल व रेलवे पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरवाया है। जानकारी के अनुसार लखनऊ के आलमबाग निवासी मानवेंद्र सिंह (50) शुक्रवार रात 10 बजे गोमती एक्सप्रेस कोच नंबर डी-1 की सीट संख्या 48 पर यात्रा कर रहे थे। सफर के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। रेलवे को सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल ने उन्हें ट्रेन से उतारकर नगर स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंच गई। चौकी प्रभारी अजीत सिंह व हेड कांस्टेबल सत्यपाल सिंह और छबिराम सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हृदय गति रुकना प्रतीत हो रहा है। बताया गया कि मृतक नोएडा की एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। अपने पीछे दो बेटियों को छोड़ गए है।

जर्जर अछल्दा-अंधियारी मार्ग पर बाइक फिसली, दो लोगों घायल

संवाददाता, अछल्दा

अमृत विचार। अंधियारी मार्ग पर शनिवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जर्जर सड़क पर बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से यह दुर्घटना हुई। डॉक्टर ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना अछल्दा- अंधियारी मार्ग पर योगीराज महाविद्यालय के पास करीब 3:40 बजे हुई। भैसोल गांव निवासी अर्पित दोहरे पुत्र अमर सिंह दोहरे और बबलू दोहरे पुत्र रामऔतार दोहरे अछल्दा बाजार से अपने गांव भैसोल लौट रहे थे। तभी गड्ढों से भरी सड़क पर उनकी पल्सर बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई।

हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय राहगीरों ने तुरंत डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने थाना प्रभारी पंकज मिश्रा, सिपाही धीरज कुमार और विनोद कुमार के साथ मिलकर घायलों को सरकारी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अछल्दा पहुंचाया। सीएचसी अछल्दा में डॉ. गौरव कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। सिर में गंभीर चोटें होने के कारण उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें तत्काल जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने सोनू बताया कि यह मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है और गड्ढों में तब्दील है, जिसके कारण आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

घायल को अस्पताल ले जाती पुलिस। अमृत विचार

- अछल्दा बाजार से लौट रहे युवकों को गंभीर चोटें आईं

नहर में कूदी युवती, बचाई जान

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र अछल्दा में एक युवती द्वारा नहर में कूदने का मामला सामने आया है। समय रहते स्थानीय लोगों की सतर्कता से युवती की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार संध्या कुमारी पुत्री शिशुपाल, निवासी सिंगपुर रुरुगंज, कोतवाली बिधूना अपनी बहन के साथ बाजार आई थी। बाजार से लौटते समय वह ई-रिक्शा से अपनी बहन के साथ अछल्दा थाना क्षेत्र के गांव गपकापुर अड्डा जा रही थी। बताया जाता है कि जैसे ही ई-रिक्शा अछल्दा नहर पुल पर पहुंचा, तभी संध्या अचानक वाहन से उतर गई और बिना कुछ कहे नहर में छलांग लगा दी। यह देखकर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना को देख रहे आरके सेंगर और किशन सेंगर ने तुरंत साहस दिखाते हुए नहर में कूदकर युवती को बाहर निकाला। उनकी तत्परता से जान बच गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवती को आवश्यक उपचार के लिए भेजा गया।

गैस एजेंसी में जबरन दे रहे थे गैस के साथ पाइप

बेला। इन दिनों एलपीजी सिलिंडर को लेकर क्षेत्र में अलग-अलग चर्चाएं है। जिसमें बेला की मीना गैस एजेंसी पर पिछले कई दिनों से गैस सिलिंडर के साथ पाइप जबरन दिया जा रहा था और उपभोक्ताओं से 1130 रुपये लिए जा रहे थे। जिससे उपभोक्ता परेशान हो रहे थे। खबर छपने पर अधिकारियों ने मामले पर संज्ञान लिया और शुक्रवार शाम जिला पूर्ति निरीक्षक बेला चौराहा पर कई लोगों से मीना गैस एजेंसी के बारे में पूछताछ की। जिसमें लोगों ने उन्हें पाइप दिखाते हुए सत्यता बताई की एजेंसी पर पाइप जबरन दिया जा रहा है और 1130 रुपये लिए जा रहे हैं। जिसके बाद शनिवार को मीना गैस एजेंसी प्रशासन ने अपने रवैया में सुधार करते हुए उपभोक्ताओं को बिना किसी शर्त के 902 रुपये में सिलेंडर दिए, लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

दो पक्षों में मारपीट, ईंट-पत्थर लाठी-डंडे चले, सात घायल

संवाददाता, कुदरकोट (औरैया)

अमृत विचार। कुदरकोट थाना क्षेत्र के गांव कठगोर में शुक्रवार रात शुरू हुआ मामूली विवाद शनिवार सुबह खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले।

गांव निवासी गौरव यादव शुक्रवार रात दूध देकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी मुलाकात शिवकुमार से हो गई, जहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर गौरव के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें थाने जाकर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। इसके बाद गौरव ने उसी रात थाने पहुंचकर तहरीर दी, लेकिन देर रात तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से दोनों पक्षों में तनाव बना रहा। शनिवार सुबह यह विवाद एक बार फिर भड़क उठा। बताया जा रहा है कि सौरभ का भाई गौरव अपने खेत की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में शिवकुमार के परिजनों से उसका सामना हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद ने उग्र रूप ले लिया। कुछ ही देर में दोनों ओर से लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर चलने लगे। इसी दौरान झगड़े में महिलाएं भी पीछे नहीं रहीं और उन्होंने भी ईंट-पत्थर फेंके। इस दौरान एक युवक को गिराकर उसके चेहरे पर ईंट से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट का यह नजारा काफी देर तक चलता रहा और मौके पर अफरा-तफरी मची रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए एरवाकटरा सीएचसी भेजा गया। घायलों में एक पक्ष से रत्नेश यादव, रेखा देवी, अजीत यादव और जयवीर यादव, जबकि दूसरे पक्ष से अर्जुन यादव, शिवम कुमार और शिवकुमार शामिल हैं। डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल शिवम कुमार को बेहतर इलाज के लिए उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई रेफर किया है। वहीं रत्नेश यादव, अर्जुन यादव और जयवीर यादव को जिला अस्पताल चिचौली भेजा गया है, जहां उनका इलाज जारी है। थानाध्यक्ष अमर बहादुर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए भेजा है।

- खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों की ओर से नहीं दी गई तहरीर

शिव मंदिर में हुआ भंडारा

संवाददाता, अछल्दा

अमृत विचार। कस्बा के सराय बाजार स्थित शिव मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। शनिवार शाम करीब 5 बजे से भक्तों को प्रसाद वितरण शुरू हुआ। इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्याम दास वर्मा, सुरेंद्र सिंह सर्राफा, अमित ठहर, सभासद मनोज, मोबाइल बिल्लू, बिहारी, गौरव, अखिलेश दीक्षित, मनी पंडित और अंकुर सहित अमरदीप जैसे कई लोगों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सभी के सामूहिक प्रयासों से भंडारे का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

जागरण

कुदरकोट थाना क्षेत्र के वैवाह गांव स्थित शिव मंदिर परिसर में हुआ कार्यक्रम

भजनों, झांकियों की प्रस्तुतियों पर झूमे श्रद्धालु

संवाददाता, कुदरकोट (औरैया)

अमृत विचार। कुदरकोट थाना क्षेत्र के गांव वैवाह स्थित शिव मंदिर पर शुक्रवार रात माता रानी का भव्य जागरण श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। जागरण में आकर्षक झांकियों और देवी भजनों ने ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु पूरी रात भक्ति में लीन होकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम का समापन शनिवार सुबह तारा रानी की कथा और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। जागरण का शुभारंभ आयोजक समिति के पदाधिकारियों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर और माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायिका रिंकू बेवफा ने गणेश वंदना गजानन आ जाओ से की, जिसके बाद उन्होंने माता के भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों में नई ऊर्जा का संचार किया। जागरण के दौरान कलाकारों द्वारा भगवान शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, लड्डू गोपाल, हनुमान, मां काली और मां दुर्गा की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। इन भव्य झांकियों को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और भक्ति रस में डूबकर झूमने लगे। पूरी रात चले इस धार्मिक आयोजन में विभिन्न कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देवी गीत प्रस्तुत किए। कानपुर से आई गायिका अर्चित ठाकुर ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके अलावा गायक शालू वर्मा, दिनेश कुमार सहित अन्य कलाकारों ने निमिया की डाल मईया, हम तेरे द्वार आए हैं मां, ए हो थावे वाली मईया, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है और मइया का चोला लाल-लाल जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण में माता रानी के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था। आसपास के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और माता रानी के दरबार में माथा टेककर अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। अलसुबह आरती के साथ जागरण का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और क्षेत्र में श्रद्धा व आस्था की अद्भुत छटा देखने को मिली। इस मौके पर कन्हैया दुबे, गौरव शुक्ला, सतीश चौबे, नितिन यादव, विशेष यादव, राम लखन (ग्राम प्रधान) सहित कई लोग उपस्थित रहे।

देवी जागरण करते कलाकार। अमृत विचार

छात्र पर हमला लाठी डंडों से पीटा, घायल

औरैया। दिबियापुर थाना क्षेत्र के दीन दयाल उपाध्याय नगर स्थित सेंट साईनाथ स्कूल के एक छात्र पर आधा दर्जन युवकों द्वारा हमला कर मारपीट करने का मामला सामने आया है।

घायल छात्र शिवा तिवारी पुत्र संजय तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह परीक्षा देने के बाद दोपहर करीब एक बजे पास की दुकान पर नाश्ता करने गया था। इसी दौरान एक अन्य छात्र अपने 4-5 साथियों के साथ वहां पहुंचा और उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज करते हुए बेल्ट और लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी। हमलावरों ने उसकी शर्ट भी फाड़ दी और सिर पर चोट पहुंचाई । घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल के अध्यापकों ने परिजनों को सूचना दी। घायल छात्र को तत्काल सीएचसी दिबियापुर ले गए। थाना प्रभारी निरीक्षक रुद्र प्रताप नारायण त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई।

मां चंद्रघंटा की चैतन्य झांकी के दर्शन को उमड़े भक्त, जमकर लगे जयकारे

संवाददाता, फफूंद

अमृत विचार। नगर के फफूंद में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर चमनगंज में भक्ति और शक्ति की बयार बही। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा नगर में आयोजित 9 दिवसीय चैतन्य नवदेवी झांकी के तीसरे दिन माता चंद्रघंटा के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कराए गए।

चैत्र मास की तृतिया पर नगर फफूंद में जैसे ही झांकी के पट खुले, पूरा वातावरण माता रानी की जय और सांचे दरबार की जय के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। झांकी स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। माता चंद्रघंटा के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र और उनकी सौम्य एवं वीर मुद्रा ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फूलों से सजे दरबार में भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए और पुष्प वर्षा कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। सेवा केंद्र की फफूंद मुख्य प्रभारी रिया ने इस अवसर पर देवी के आध्यात्मिक रहस्य को बताते हुए कहा कि चैत्र नवरात्रि का पर्व हमें अपने पुराने संस्कारों को त्याग कर नवीनता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।

इन चैतन्य झांकियों का मुख्य उद्देश्य केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी दैवीय शक्तियों को राजयोग के माध्यम से जागृत करना है। प्रमुख सहयोगियों की रही उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान की बीके कृष्णा, बीके ऊषा और राखी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान नगर के प्रमुख समाजसेवी और सहयोगी आशीष पोरवाल, कुलदीप, अश्वनी, गौरव और राजेश सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लोगों ने किया झांकी के दर्शन। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मार्च से तीन दिवसीय बौद्ध भीम कथा का आयोजन 29 से

जसवंतनगर। क्षेत्र के ग्राम जैनपुर नागर राजा का बाग में स्वर्गीय हरिकिशुन एवं स्व. रामदेवी की पुण्य स्मृति में तीन दिवसीय बौद्ध भीम कथा का आयोजन 29 मार्च से होगा। आयोजकों द्वारा जानकारी दी गयी कि तीन दिवसीय कथा का शुभारंभ 29 मार्च रविवार से होगा व समापन 31 मार्च मंगलवार को होगा। भीम कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचिका प्रेमा अंबेडकर द्वारा दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक किया जाएगा।1 अप्रैल बुधवार को दोपहर 2 बजे से मैत्री भोज का आयोजन होगा।आयोजन समिति ने अधिक से अधिक लोगों से पहुंचने की अपील की है।

डंपर अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराया

इटावा। थाना बढ़पुरा क्षेत्र के अंतर्गत यमुना पुल पर एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर 11 हजार वोल्ट के बिजली पोल से टकरा गया। इस हादसे में पास की एक दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुकान मालिक राम नरेश ने बताया कि डंपर तेज गति से आ रहा था और अचानक संतुलन खोकर खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन में ही फंस गया। स्थानीय लोगों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक को डंपर से बाहर निकाला। उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। चालक ने बताया कि वाहन चलाते समय उसे नींद आ गई जिसके कारण डंपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुईं सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत न्यू इंडिया पब्लिक स्कूल अजीतनगर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मनोरमा देवी पत्नी ओमप्रकाश व नितिन पुत्र ओमप्रकाश घायल हो गए। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत हरचंदपुर मोड़ कचौरा रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से साक्षी पुत्री रविन्द्र कुमार व कृष्णा पुत्र हरविंदर सिंह निवासी गढ़िया थाना करहल जनपद मैनपुरी घायल हो गए। थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत बलैयापुर हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मनीष कुमार पुत्र विशुन दयाल निवासी रसूलाबाद कानपुर देहात घायल हो गया।

मूक -बधिर महिला काण्ड के दोषियों को मिले कड़ी सजा

इटावा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने बयान जारी करते हुए उप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में 5 माह से भर्ती मानसिक रोगी–मूक –बधिर महिला के साथ लगातार होते आ रहे बालात्कार की घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानव सभ्यता पर कलंकपूर्ण घटना बताया। इसके लिए कुलपति के निलंबन और नैतिकता के आधार पर राज्य के स्वास्थ मंत्री के इस्तीफा, हाईकोर्ट की निगरानी में जांचकर जिम्मेदारों दोषियों को उदाहरणीय दण्ड देने और एसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर उपाय करने की मांग की है। माकपा राज्यमंत्रिपरिषद सदस्य मुकुट सिंह एवं जिलामंत्री नाथूराम यादव ने संयुक्त बयान में आगे कहा कि इस शर्मनाक और जघन्य अपराधपूर्ण घटना के लिए विश्वविद्यालय/अस्पताल प्रबंधन जिम्मेदारी से बच नहीं सकता है।

सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई ईद, गले लगकर दी मुबारकवाद

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। ईद उल फितर का पर्व शहर में खुशनुमा माहौल में मनाया गया। हजारों मुसलमानों ने ईदगाह सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कर मुल्क में आपसी भाईचारे और अमनचैन की दुआ की।

सुन्नी समाज की ईदगाह में ईद की नमाज दो शिफ्टों में हुई पहली शिफ्ट में मौलाना कमालुद्दीन अशरफी पेश इमाम ईदगाह और दूसरी शिफ्ट में मौलाना फरहान बरकाती ने ईद की नमाज अदा कराई। इस दौरान उन्होंने मुल्क, सूबे और शहर में अमनचैन की दुआ कर सभी लोगों से मिलजुल कर ईद मनाने की अपील की। ईदगाह कमेटी द्वारा तैनात वालिंटियरों ने ईदगाह भर जाने पर नमाजियों को विभिन्न मस्जिदों में भेजा। ईदगाह में नमाज की व्यवस्था में सेकेट्री डॉ. मोहम्मद अफजाल, कोषाध्यक्ष अब्दुल हन्नान चांद मंसूरी सहित समस्त कमेटी का सराहनीय योगदान रहा। शाही मस्जिद नोरंगाबाद में

ईद की मुबारकबाद देते सपा नेता। अमृत विचार

● शिया समाज ने काली पट्टी बांधकर अदा की ईद की नमाज

मुतवल्ली फुरकान अहमद की देखरेख में हाफ़िज़ एजाज़ अहमद, सिंग्नल वाली मस्जिद में मुफ़्ती अनस नूर, मस्जिद पंजाबियान कटरा शहाब खां में हाफिज मशकूर, मस्जिद पंजाबियान कब्रिस्तान में मुफ़्ती मोहम्मद उमर, शाही जामा मस्जिद में मौलाना अब्दुल्लाह असरी, मस्जिद पक्का तालाब में हाफ़िज़ फ़ैज़ान चिश्ती, मस्जिद इस्लामिया बोर्डिंग में हाफ़िज़ शकील अहमद, मस्जिद अक्सा रामगंज में मौलाना तौफीक चिश्ती, मस्जिद दरगाह वारसी में हाफिज दिलवर हुसैन ने नमाज पढ़ाई। इसके अलावा कचहरी मस्जिद, मस्जिद कुरैशियान नया शहर, मस्जिद कटरा पुर्दल खां, मस्जिद जिन्नातों वाली आदि मस्जिदों में भी ईद की नमाज हुई। अंजुमन हैदरी कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शावेज नक़वी ने बताया कि शिया समाज की ईद उल फितर की नमाज चाणक्य होटल स्थित ईदगाह में मौलाना सैयद अनवारुल हसन ज़ैदी ने अदा कराई। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली हुसैनी खामनेई सहित अन्य उलेमाओं की शहादत पर शिया समाज के लोगों ने काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की और घरों पर सादगी से ईद मनाई।

ईद के मौके पर समाजवादी पार्टी के सांसद जितेंद्र दोहरे, जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, पूर्व प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, पूर्व चेयरमैन कुलदीप गुप्ता संटू, सपा पूर्व नगर अध्यक्ष वसीम चौधरी, आलोक दीक्षित सहित कांग्रेस नेताओं और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को गले मिलकर मुबारकबाद दी। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल, एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव और सीओ सिटी अभय नारायण राय सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

जसवंतनगर प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र में ईद का त्योहार पूरे उल्लास, आस्था और भाईचारे के

जसवंत नगर में ईद की नमाज पढ़ते लोग। अमृत विचार

साथ मनाया गया। ईद की नमाज पूरे जोश, खरोश और अकीदत के साथ अदा की गई। नमाज शुरू होने से पहले ही ईदगाह का विशाल मैदान नमाजियों से भर गया। करीब साढ़े आठ बजे ईदगाह के पेशइमाम हाफिज मोहम्मद शमीउद्दीन फारुकी ने नमाज अदा कराई।नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। उपजिलाधिकारी कुमार सत्यमजीत, क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक कमल भाटी के नेतृत्व में पुलिस बल ने ईदगाह सहित पूरे नगर क्षेत्र में चाक-चौबंद व्यवस्था बनाए रखी।पालिकाध्यक्ष सत्यनारायण शंखवार ईओ श्याम वचन सरोज ने पानी और सफाई की बेहतर व्यवस्था कराई। भरथना प्रतिनिधि के अनुसार ईद का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने मस्जिद में जाकर नमाज अदा की और एक दुसरे को गले मिलकर ईद की मुवारक बाद दी। इसके अलावा जिले के बकेवर ताखा बसरेहर सहित अन्य स्थानों पर ईद का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया।

फंदे पर लटका मिला किसान का शव

इटावा। थाना क्षेत्र के हथनौली गांव में दोपहर करीब दो बजे एक किसान का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की।

गांव निवासी 48 वर्षीय श्याम सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटका मिला। बताया जाता है कि घटना के समय मृतक की पत्नी, पुत्र व अन्य परिजन खेतों में काम करने गए थे। पत्नी जब घर लौटी तो पति का शव फंदे पर लटका देख बदहवास हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी आर. डी. मौर्य व थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई सुभाष चंद ने बताया कि मृतक श्याम सिंह की पत्नी का गांव के ही एक व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसे लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था। परिजनों का कहना है कि इसी तनाव के चलते उसने फांसी लगा ली।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत पुत्र घायल

एंबुलेंस के काफी समय तक न आने से दोनों सड़क पर पड़े रहे, परिजनों में मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। चकरनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगला कढोरी गांव के पास शुक्रवार रात ट्रैक्टर ने कसोआ गांव से कार्यक्रम से लौट रहे बाइक सवार पिता पुत्र को टक्कर मार दी। हादसे में घायल पिता-पुत्र एक घंटे तक एंबुलेंस के इंतजार में सड़क पर पड़े तड़पते रहे। बाद में पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, यहां पहुंचने पर डॉक्टर ने पिता को मृत घोषित कर दिया जबकि बेटे की हालत स्थिर बनी हुई है। बाइक सवार पिता-पुत्र हेलमेट नहीं लगाए थे।

शुक्रवार को गिरधारीपुर थाना अजीतमल औरैया निवासी शिवकुमार (42), अपने मझले पुत्र अर्पित (13) के साथ कसौआ चकरनगर अपनी साली भारती के घर पर उनके लड़के की छठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। यहां से देर रात वापस वह घर

लौट रहे थे, जैसे ही दोनों बाइक से नगला कढोरी चकरनगर के पास पहुंचे सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिता-पुत्र सड़क पर गिर पड़े उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। करीब एक घंटे तक दोनों सड़क पर पड़े रहे, स्थानीय राहगीरों ने उन्हें सड़क पर पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची चकरनगर पुलिस ने बाद में एंबुलेंस बुलाई तब जाकर दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया लेकिन तब तक शिव कुमार की सांसें थम चुकी थी। इमरजेंसी डॉक्टर राघवेंद्र सिंह ने चिकित्सीय परीक्षण के बाद शिव कुमार को मृत घोषित कर शव मोर्चरी में रखवा दिया। घायल बेटे अर्पित ने रोते बिलखते हुए बताया वह दो भाई एक बहन है। शिवकुमार की मौत की खबर से पत्नी किरण देवी समेत परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वहीं, एंबुलेंस के जिला प्रभारी राहुल यादव ने बताया कि इस मामले की जानकारी नहीं है। जानकारी कर संबंधित एंबुलेंस के लेट पहुंचने के बारे में जवाब मांगा जाएगा।

बेरीखेड़ा मोड़ पर पलटी वैन, 7 लोग घायल

बकेवर इटावा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेरी खेड़ा मोड़ के पास एक वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में सात लोग लोग घायल हो गए। सभी को पचास शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल भेजा गया। वहां से उसे पीजीआई रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात्रि लखना नगर के समीपवर्ती ग्राम अड्डा ज्ञान सिंह से अमर सिंह दोहरे मिस्त्री की बेटी के लगुनोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रामीण वैन से इकदिल जा रहे थे। कार में रामनाथ पुत्र पुतई, प्रकाश पुत्र तुलसीराम, गोलू, दिव्यांशी, अंशू पुत्र प्रदीप, डुग्गू पुत्र अश्वनी तथा रामदास टेलर पुत्र जोरावर सवार थे। जैसे ही वैन बेरीखेड़ा मोड़ पर पहुंची, चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में पलट गई। हादसे में कार सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को बकेवर के 50 शैय्या अस्पताल लाया गया। यहां रामनाथ की हालत गंभीर देखते हुए इमरजेंसी चिकित्सक डॉ. रविंद्र शाहू ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां से हालत नाजुक होने पर देर रात ही मिनी पीजीआई सैफई भेज दिया गया।

उधारी के पैसे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

जसवंतनगर। क्षेत्र के ग्राम नगला कंचनिया में शनिवार दोपहर उधारी के पैसे मांगने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने से आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

शनिवार करीब एक बजे गांव निवासी रंनधोर सिंह ने अवनीश कुमार से खेती से जुड़े उधार के पैसे मांगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई। शोर-शराबा सुनकर दोनों पक्षों के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में एक पक्ष से अवनीश कुमार (35) पुत्र राम सिंह घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से रामवीर (53), रंनधौर (50), नरेंद्र सिंह (26), पुष्पा देवी (35), जितेंद्र (25) और अखिलेश (16) घायल हो गये। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शुभम वर्मा और शिव शंकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया।

महिला की हत्या में पति सहित तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। वैदपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत उदय नगर में गुरुवार की रात को एक महिला का संदिग्ध अवस्था में शव फंदे पर लटका मिला था। इस सम्बंध में मृतका के भाई ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया था।

इस सम्बंध में पुलिस ने महिला के पति सहित परिवार को हत्या का आरोपी मानते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर मृतका का मोबाइल गमछा व टूटी चूडियां बरामद की है। एसओ वैदपुरा ने बताया कि विनोद कुमार पुत्र पृथ्वीपाल निवासी ग्राम कधिया थाना असोधर जनपद फतेहपुर द्वारा थाना वैदपुरा पर मामला दर्ज कराया गया कि उसने अपनी बहन सोमवती की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व मनोज के साथ की थी। मनोज एवं उसके परिवारीजनों द्वारा शराब के नशे मे घर के बंटवारे को लेकर उकसावे मे आकर उसकी बहन की हत्या कर साक्ष्य छिपाने व गुमराह करने के उद्देश्य से शव को लटका दिया गया तथा उसके भांजे पंकज को धमकी दी पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन की। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गए। शनिवार कोपुलिस ने आरोपी रेलवे लाइन अंडरपास के पास नगला झम्मन नहर पटरी पर है वह कहीं जाने की फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पकडे गए लोगों ने अपने नाम मनोज पुत्र फूल सिंह ,शिवेन्द्र उर्फ सिंकू पुत्र रनवीर तथा पवनेश पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम उदयनगर थाना वैदपुरा बताया।

चंबल नदी में कूदी महिला का नहीं लग सका सुराग

चकरनगर। शादी के महज दूसरे दिन चंबल नदी में छलांग लगाने वाली नवविवाहिता का शनिवार को सातवें दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। घटना के बाद शुरुआती दो दिनों तक एसडीआरएफ टीम ने लगातार सर्च अभियान चलाया, लेकिन सफलता न मिलने पर टीम वापस लौट गई। इसके बाद परिजनों ने सेंचुअरी मोटरबोट की मदद से बछेड़ी, भरेह और पचनद क्षेत्र में नदी किनारे तलाश जारी रखी, मगर अभी तक महिला का कोई पता नहीं चल पाया है।

गंदे पानी से मोहल्ले हुए जलमग्न

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। ईद के दिन उर्दू मोहल्ला और अरविंद पुल नाला चोक होने से इलाके में गंदा पानी घरों में घुसने से कई मकानों में पानी भर गया। सैकड़ों लोग घरों में कैद हो गए और बड़ी संख्या में लोग ईद की नमाज़ अदा नहीं कर सके।

मुस्लिम समाज के लोग ईद की नमाज़ के लिए तैयार हो रहे थे लेकिन घरों से बाहर निकलते ही चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दिया। गलियां पूरी तरह जलमग्न हो गईं और घरों के अंदर तक गंदा पानी भर गया। कई परिवारों को मजबूरी में घरों के अंदर ही रहना पड़ा जबकि कुछ लोग छतों के सहारे बाहर निकलकर नमाज़ पढ़ने पहुंचे।

महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घंटों तक घरों में फंसे रहे। स्टेशन रोड पर अरविंद पुल के नीचे से गुजर रहा नाला चोक हो गया जिसके चलते मेवाती मोहल्ला और उर्दू मोहल्ला की कई गलियों में पानी भर गया। नाले का गंदा पानी तेजी से घरों में घुस गया और देखते ही देखते पूरा इलाका जलमग्न हो गया। लोगों को अपने घरों से पानी निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी और घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा। जलभराव के बीच एक मकान की दीवार भी गिर गई जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नगर पालिका परिषद के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने आरोप लगाया कि नाले की सफाई को लेकर कई बार शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। लोगों का कहना है कि अगर पहले ध्यान दिया जाता तो ईद जैसे बड़े त्योहार पर यह परेशानी नहीं झेलनी पड़ती।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम बसैयाहार में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ पर भव्य कलश एवं शोभा यात्रा का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और भक्ति गीतों पर झूमते श्रद्धालुओं ने पूरे गांव में भ्रमण किया।

शोभा यात्रा में महिलायें पीताम्बर वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रख गांव की प्रमुख गलियों से होकर निकली। जहां जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा के समापन पर कथा पंडाल में विधिवत मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा के प्रथम दिवस पर कथा व्यास पंडित सियाशरण शास्त्री (सरस), दंदरौआ आश्रम वृंदावन धाम ने मार्गदर्शक प्रसंग की भावपूर्ण कथा सुनाई। इस आयोजन के यजमान रामगोविंद तिवारी व धर्मपत्नी कुसुमलता तिवारी व परीक्षित स्वाति तिवारी अजीत तिवारी रहे। इसके साथ ही सुरेंद्र तिवारी, ममता-राघवेंद्र तिवारी, काजल-अमित तिवारी, बीना-गिरजेश मिश्रा, मिथलेश-भानु प्रकाश तिवारी, संतोषी-अमित तिवारी, डॉ. नेहा-डॉ. सौरभ तिवारी, पूजा-इंजी. अंकित तिवारी, प्रद्युम्न, अभय तिवारी, राहुल तिवारी, अतुल तिवारी, अंकुर तिवारी, अंश, कृष्णा, शुभ, शिवाय, ओम, मंगल, राम कनिष्क, रिद्धि, सिद्धि, गौरी, आस्था, अभ्यान, प्रवीन तिवारी पत्रकार, सत्यम, विनीत तिवारी (पत्रकार), रितेश आदि रहे।

कलश यात्रा में शामिल भक्तगण। अमृत विचार

नवरात्रि | मां चन्द्रघंटा के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

भक्तों ने चंद्रघंटा की पूजा कर लिया आशीर्वाद

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। शनिवार को चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन ऐतिहासिक कालिका देवी मंदिर पर सुबह घने कोहरे के बीच हजारों श्रद्धालु पैदल पहुंचकर मां चन्द्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान बच्चों के मुंडन संस्कार और नवविवाहित जोड़ों द्वारा विशेष पूजन कराया गया। नवरात्र में इस बार केवल एक ही शनिवार पड़ने के कारण भक्तों की संख्या में विशेष वृद्धि देखने को मिली और दिनभर मंदिर परिसर व मार्गों पर भारी भीड़ बनी रही।

शनिवार को सूर्य की पहली किरण फूटते ही बकेवर से लखना तक देवी भक्तों का तांता लग गया। श्रद्धालुओं ने घने कोहरे के बीच पैदल यात्रा कर मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और बच्चों के मुंडन संस्कार संपन्न कराए। नवविवाहित जोड़ों ने भी परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ मां का आशीर्वाद लिया। सुबह 10 बजे के बाद तेज धूप निकलते ही भक्तों का जनसैलाब और बढ़ गया। कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, मैनपुरी व इटावा जनपद के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे, जिससे लखना-बकेवर मार्ग पर पूरे दिन चार पहिया वाहनों का लंबा जाम लगा रहा। जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बकेवर थानाध्यक्ष विपिन मलिक स्वयं वाहन में लाउडस्पीकर के माध्यम से यातायात व्यवस्था संभालते नजर आए। भीड़ को देखते हुए सीओ भरथना रामदबन मौर्य ने सुबह लखना की ओर से चकरनगर जाने वाले भारी वाहनों को बकेवर में ही रोक दिया था। एसडीएम काव्या सी, तहसीलदार भरथना दिलीप सिंह, लखना चौकी इंचार्ज अंकित पटेल तथा लेखपाल राहुल चौबे भी मंदिर परिसर में मौजूद रहकर भीड़ को नियंत्रित करते रहे।

कालिका मां के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़। अमृत विचार

अमर शहीदों की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा कल

इटावा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 23 मार्च दिन सोमवार को अपरान्ह 3 बजे स्थान डीबीए हॉल कचहरी में युवा अधिवक्ता एवं समाज सेवियों द्वारा अमर शहीदों की 95 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक अपर जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष तिवारी ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा के मुख्य अतिथि यशवीर विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ इटावा, विशिष्ठ अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष शांति स्वरूप पाठक पूर्व अध्यक्ष डीबीए, राजेश त्रिपाठी अध्यक्ष डीबीए, शिव कुमार शुक्ला डीजीसी क्राइम, बृजानन्द शर्मा सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज इटावा, नितिन तिवारी महामंत्री डीबीए होंगे। कार्यक्रम संयोजक अपर जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष तिवारी, विवेक राजपूत एड., लव बाबू, अमित चौरसिया, पवन माथुर, राहुल चौधरी, आशीष मिश्रा, अनिल कश्यप, कुश राजपूत ने अधिवक्ताओं सहित आम लोगों से अमर शहीदों की 95 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने की अपील की है।

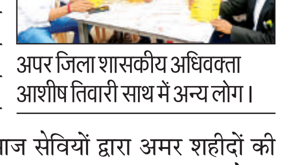

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष तिवारी साथ में अन्य लोग।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY

STAFF REQUIRED

Pharmacy Supervisor
Qualification:- Graduate & Exp. in Relevant Field

Floor Supervisor
Qualification:- Graduate & Exp. in Hospital

Junior Accountant
Qualification:- Min. B.Com. & Good Excel Knowledge

Computer Operator
Qualification: Min. Intermediate & Good MS Office Knowledge & Good Typing Speed

Pharmacist
Qualification: Min. D. Pharma & Good Computer Knowledge

PRO
Qualification: Graduation

Salary No Bar for Deserving Candidates

How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.

HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624286

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 22 मार्च 2026

हमीरपुर

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसों में दो लोग गंभीर घायल

मौदहा। क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में घायल एक महिला समेत युवक को लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों घायलों की हालत नाजुक देख उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परछा निवासी नावेद खान (24) पुत्र इकबाल खान शुक्रवार की देर शाम कस्बे से बाइक द्वारा अपने गांव जा रहा था। तभी परछा के बीच संतुलन बिगड़ने से वह बाइक समेत सड़क पर गिर घायल हो गया। जिस पर राहगीरों की मदद से उसे लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने उसकी हालत नाजुक देख उसका प्राथमिक उपचार कर उसे मुख्यालय रेफर कर दिया। इसी प्रकार थाना क्षेत्र बिवांर के ग्राम सायर निवासी निर्मला देवी (65) पत्नी हरेंद्र सिंह भी शुक्रवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई। जिसकी हालत गंभीर होने के चलते उसका प्राथमिक उपचार कर उसे भी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मधुमक्खियों के हमले में दो लोग घायल

मौदहा। क्षेत्र के ग्राम बिगहना में खेत पर काम कर रहे वृद्ध समेत एक महिला पर मधुमक्खियों ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया। जिस पर उनके परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। तहसील क्षेत्र के ग्राम बिगहना निवासी शाहरुख खान (65) पुत्र रमजानी सुबह अपने खेत पर मौजूद था। तभी पेड़ पर लगे छत्ते में मौजूद मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। उसने किसी तरह वहां से दूर भाग कर अपनी जान बचाई। उसके परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसी प्रकार नगर के उपरौस निवासी शिप्रा (32) पत्नी संदीप पर भी मधुमक्खियों ने हमला कर उसे घायल कर दिया। जिस पर उसके पति ने उसे गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां ईलाज के बाद दोनों की हालत में सुधार है।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

मौदहा (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नायक पुरवा स्थित राधा कृष्ण मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन शनिवार को कथा व्यास पंडित मनीष शुक्ला ने कथा का रसपान कराया। व्यासपीठ से कहा कि सर्वेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज में अनेकानेक बाल लीलाएं कीं। जो वात्सल्य भाव के उपासकों के चित्त को अनायास ही आकर्षित करती हैं। जो भक्तों के पापों का हरण कर लेते हैं, वही हरि हैं। कथा व्यास ने कहा कि नंदालय में गोपियों का तांता लगा रहता है। गोपी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी न किसी बहाने कन्हैया मेरे घर पधारें। भगवान के चरणों में प्रगाढ़ प्रीति है, वही जीवन्मुक्त है। एक बार माखन चोरी करते समय मैया यशोदा आ गईं तो कन्हैया ने कहा कि इतने मणिमय आभूषण पहना दिए हैं जिससे हाथ गर्म हो गए हैं। माखन की हांडी में हाथ डालकर शीतलता प्रदान कर रहा हूं। यहां कमला देवी शिवहरे आचार्य राज शुक्ल, कमलेश कुमार शुक्ला, रामजी शिवहरे, सचिन त्रिवेदी आर्गन, मयंक शुक्ला तबला वादक आदिरहे।

गाजियाबाद से सुमेरपुर तक गूंजीं चीखें

विवाद के बाद साथी ने युवक को दूसरी मंजिल से फेंका, इलाज के दौरान अस्पताल में थमीं सांसें

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। गाजियाबाद में साथी ने विवाद के बाद युवक को दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। तीन दिन तक अस्पताल में मौत से लड़ने के बाद वह जिंदगी की जंग हार गया। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार देर रात शव घर आने पर परिवार में कोहराम मच गया। शनिवार को कस्बे के मोक्ष धाम में शव का अंतिम संस्कार किया गया। युवक चार भाइयों में दूसरे नंबर का था और मजदूरी कर परिवार के भरण-पोषण में सहयोग करता था।

बाबी सोनकर।

कस्बे के वार्ड संख्या 9 इमिलिया थोक निवासी धर्मेंद्र सोनकर का पुत्र बाबी सोनकर (25) गाजियाबाद के सेक्टर A4 ट्रॉनिका सिटी में रहकर फैक्ट्री में कार्य करता था। 15 मार्च की रात किसी बात को लेकर विवाद होने पर साथी मजदूर रवि ने उसे दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन तक जीवन-मौत के बीच संघर्ष करने के बाद वह जिंदगी की जंग हार गया और उसकी सांसें थम गईं।

युवक का शव पहुंचने पर घर के बाहर लगी भीड़। अमृत विचार

15 मार्च की रात से गाजियाबाद में चल रहा था इलाज

- शनिवार को शव घर पहुंचते ही परिवार में मचा कोहराम

पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार की देर रात युवक का शव कस्बे लाया गया। शव के घर आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शनिवार को सुबह से ही उसके घर के बाहर खासी भीड़ जुट गई। दोपहर में कस्बे के मोक्ष धाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया। बाबी चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसकी मौत पर पिता धर्मेंद्र सोनकर, मां कुसुमा, भाई अंकित सोनकर, वीरेंद्र, गोविंद सोनकर रोते-बिलखते रहे।

युवक के परिजनों से मिलते सपाई। अमृत विचार

सपाइयों ने परिवार को ढांढस बंधाया, मदद का आश्वासन

सुमेरपुर। गाजियाबाद में दूसरी मंजिल से फेंकने के बाद हुई युवक की मौत के बाद सपाइयों ने उसके घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शनिवार को सपाइयों ने पिता धर्मेंद्र सोनकर से मिलकर घटना के बारे में पूरी जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, पूर्व प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति, ओपी सोनकर, घनश्याम साहू, अजय उर्फ कल्लू यादव, जगमोहन यादव, परशुराम प्रजापति आदि सपाई मौजूद रहे।

युवक ने महिला को बीच सड़क पर घसीट कर पीटा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- वीडियो हुआ वायरल, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को किया गिरफ्तार

अमृत विचार। कस्बे के सिकंदरपुरा-चरखारी रोड पर शनिवार को दबंग युवक के द्वारा बीच सड़क पर एक महिला को घसीट कर बेरहमी से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि दबंग युवा के किस बेरहमी से महिला की पिटाई कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कस्बे के सिकंदरपुरा चरखारी रोड इलाके की निवासी महिला कपूरी पत्नी रामपाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे का ही दबंग चंदू पुत्र सीताराम ने बीच सड़क पर घसीट कर उसे बेरहमी से मारा पीटा है। बताया कि उसने कोतवाली में घटना की लिखित तहरीर देकर आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। मामले में कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कार्रवाई कराई जा रही है।

दबंगों ने घर में धावा बोलकर किया तांडव

मौदहा। दबंगों ने ईद के दिन घर में हमला कर महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट की, मारपीट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है, जबकि पुलिस कार्यवाही करने की बात कह रही है। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी दो महिलाओं ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि ईद के दिन दोपहर में अचानक मोहल्ले के अफसर, असलम, शाहरुख़ पुत्रगण मिस्टर जिन्ना, जमशेद पुत्र हबीब, अर्जुन पुत्र अज्ञात सहित लगभग एक दर्जन अज्ञात लोगों ने लाठी डंडा और देशी कट्टा लेकर घर में हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट और अश्लीलता की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग महिलाओं सहित बच्चों को दौड़ाकर पीट रहे हैं।

मां चंद्रघंटा की पूजा और आराधना

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- नवरात्र के तीसरे दिन देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़
- सुबह से देर शाम तक मंदिरों में गूंजते रहे मां भगवती के जयकारे

अमृत विचार। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप माता चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की गई। भोर से ही जिले भर के देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ पहुंचने लगी।

मुख्यालय स्थित मां चौरा देवी, गौरा देवी एवं दुर्गा देवी मंदिर परिसर में शनिवार को श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। गुरुवार को चैत्र नवरात्र का तीसरा दिन है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। आज मां चंद्रघंटा की पूजा रवि योग में किया जाएगा।

रवि योग में सूर्य का प्रभाव अधिक होता है। मंदिरों के अलावा घरों में कलश स्थापित कर महिलाएं पूजा अर्चना कर रही है। भक्त जगह-जगह दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा, आरती पाठ करने में व्यस्त रहे। नौ दिन चलने वाले नवरात्र से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। मंदिर परिसर में पूजा सामग्री और माला फूल की दुकाने श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। श्रद्धालु नारियल, चुनरी व अड़हुल की माला अर्पित कर हाजिरी लगा रहे हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मंदिर परिसरों में महिला पुलिस सहित सादा वर्दी पुलिस को भी तैनात किया है।

सुभाष बाजार के महावीर मंदिर में सजा देवी मां का दरबार। अमृत विचार

दहेज न मिलने पर घर से निकाला

सुमेरपुर। कस्बे के वार्ड संख्या 6 चांद थोक की निवासी नवविवाहिता ने दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर घर से निकाल देने का मुकदमा पति सहित अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ दर्ज कराया है।

वार्ड संख्या 6 चांद थोक निवासी पारुल सोनकर ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी शादी जुलाई 2024 में इंगोहटा निवासी ओमप्रकाश उर्फ वीरू के साथ हुई थी। मेरे पिता ने हैसियत के अनुसार दान दहेज देकर विदा किया था। शादी के बाद से ही पति ओमप्रकाश, जेठ दीपक, सोनू, ससुर नत्थू, सास अजय कुमारी दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। गत 15 मार्च को पति ने अन्य ससुरालीजनों के साथ मिलकर एक लाख रुपये व मोटरसाइकिल की अतिरिक्त मांग करते हुए जमकर मारपीट की और घर से निकाल दिया।

साइबर सुरक्षा पर केंद्रित रहा शिविर

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर केंद्रित रहा। यह शिविर राजकीय हाईस्कूल कुछेछा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.घनश्याम दास के मार्गदर्शन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.मनीष कुमार एवं डॉ. शिल्पी राय के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कोतवाली थाना से आए इंस्पेक्टर देवेंद्र मिश्रा एवं उनकी टीम ने स्वयंसेवकों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे, उनसे बचाव के उपाय तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फेक कॉल्स, सोशल मीडिया के दुरुपयोग एवं साइबर फ्रॉड से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए और विद्यार्थियों को जागरूक रहने का संदेश दिया। विशिष्ट वक्ता के रूप में महिला डिग्री कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार ने डिजिटल साक्षरता पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल युग में सही जानकारी की पहचान, फेक न्यूज से बचाव तथा जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने एक स्वर में एनएसएस का प्रेरणादायक गीत स्वयं सजे वसुंधरा संवार दे गाकर वातावरण को उत्साह एवं देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। यह शिविर स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक जागरूकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एनएसएस शिविर में जानकारी देते मुख्य वक्ता। अमृत विचार

जहर के असर से संदिग्ध हालात में युवक की मौत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के दीवानपुरा में भाई के साथ रह रहे युवक की संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खाने से हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

चिकासी थाना क्षेत्र के चंदवारी डांडा गांव निवासी मूलचंद कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ले में रहता था। तीन दिन पहले उसका भाई गणेश प्रसाद (40) पुत्र आशाराम आया हुआ था। जहां उसने संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खा लिया। युवक की हालत खराब होने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि गणेश प्रसाद की शादी नहीं हुई थी। वह मजदूरी कर भरण पोषण करता था। परिजनों ने यह भी बताया कि वह बीमारी से परेशान था। वह अपने पीछे बड़े भाई परशुराम और मूलचंद सहित अन्य परिजनों को छोड़ गया है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बारिश से कटी फसलों को खासा नुकसान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। बीती रात गरज चमक के साथ शुरू हुई तेज बारिश ने कटी फसलों को बुरी तरह से तहस-नहस किया है। इनमें सर्वाधिक नुकसान की आशंका से किसान परेशान हो उठा है।

शुक्रवार को सुबह से शुरू हुआ बूंदाबांदी और रिमझिम बरसात का सिलसिला रात 8:00 बजे गरज चमक के साथ तेज बारिश के रूप में तब्दील हो गया। आसमान से बरसी आफत को देख किसान सहम गया। रात में हुई बारिश ने कटी पड़ी मटर, मसूर, गेहूं, सरसों, चना आदि की फसलों को बुरी तरह से तहस नहस किया है। किसान मानसिंह, राजकुमार, उदयभान, अतर सिंह, शिवनाथ सविता, सुरेश यादव, प्रदीप गुप्ता, धीरेंद्र यादव, भूपेंद्र कुमार, फरीद खान आदि ने बताया कि बारिश का सर्वाधिक असर खेतों में कटी पड़ी फसलों में पड़ा है। भीगने से दीमक का खतरा है।

खेतों पर कटी पड़ी गेहूं की फसल। अमृत विचार

मधुमक्खियों के हमले से अमीन की हालत गंभीर

पौथिया। खेत जा रहे संग्रह अमीन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने कानपुर रेफर कर दिया।

ललपुरा गांव निवासी संग्रह अमीन संजीव कुमार शिवहरे शनिवार को सुबह करीब दस बजे अपने खेत देखने गया था तभी वहां अचानक बड़ी मधुमक्खियों झुंड उड़ता हुआ दिखाई दिया। जब तक अमीन भागने की कोशिश की तब तक पूरे चेहरे शरीर पर लिपट कर घायल कर दिया। किसी तरह भागते हुए गांव पहुंचा। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। उपचार के दौरान हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया। चाचा श्याम बाबू ने बताया कानपुर में इलाज चल रहा है अब स्वास्थ्य में सुधार हैं।

हर तरफ उल्लास | कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई ईद-उल फितर की नमाज, अकीदतमंदों ने नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन की दुआ

ईद की खुशियों में घुली सेवइयों की मिठास, गले मिल मुबारकबाद

कुरारा में ईद की मुबारकबाद देतीं पूर्व चेयरमैन माया वाल्मीकि। अमृत विचार

मौदहा कस्बे की ईदगाह में नमाज पढ़ते लोग। अमृत विचार

मौदहा में एक-दूसरे को ईद की बधाई देते लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। जिले में ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस त्योहार के साथ ही रोजे और रमजान माह संपन्न हो गए हैं। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोग ईद के जश्न में डूब गए।

शनिवार की सुबह 7:45 बजे ईदगाह में पेश इमामकारी हाफिज इसरार ने हजारों के मजमे को ईद की नमाज अदा कराई। बाद नमाज खुतबा पढ़ा गया और फिर लोगों ने अमन और भाईचारे के लिए दुआएं मांगी। लोगों ने नमाज अदा करने के बाद कब्रिस्तानों में जाकर अपने बुजुर्गों की कब्रों पर फातिहा पढ़ी। ईदगाह में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। नमाज के दौरान एसडीएम, सीओ सदर राजेश कमल और कोतवाल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे।

कुरारा प्रतिनिधि के अनुसार क़स्बे की ईदगाह में ईद की नमाज़ पेश इमाम मौलाना हबीब चिस्ती द्वारा अदा कराई गई। पूर्व चेयरमैन एवं सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य माया बाल्मीकि ने स्टाल लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर तारिक खान, नत्थू खान, राजा खान, हसरत और बफाती, इक़बाल, नफीस अहमद, रहिस इत्यादि लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी। बेरी, लहरा, खरौज और शिवनी में भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले मिलकर शुभकामनाएं दीं।

सुमेरपुर कस्बे की ईदगाह, आयशा मस्जिद, इंगोहटा की ईदगाह के साथ बिदोखर, छानी, नदेहरा, पलरा, कलौलीजार, चंद्रपुरवा, मुंडेरा, टेढा, पत्योरा आदि गांवों में ईद की नमाज में देश प्रदेश की खुशहाली के लिए दुआ की गई। कस्बे में पेश इमाम हाजी सैफुल्लाह ने नमाज अदा कराई। यहां पर सपा नेता शुभकरण सिंह परिहार, रामप्रकाश प्रजापति, अजय उर्फ कल्लू यादव, कुलदीप शुक्ला, बसपा नेता डा.जीतेन्द्र सागर, भाजपा के दृगपाल चंदेल आदि ने ईद की मुबारकबाद दी। मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मुनीर खान, ठेकेदार सगीर खान, डॉक्टर इमामुद्दीन, हबीब खान, रफीक खान, वसीम सिद्दीकी, सिद्दीक अहमद, सभासद हबीब खान, राफिस सिद्दीकी आदि सैकड़ों लोगों ने मौजूद रहकर नमाज अदा की।

मौदहा प्रतिनिधि के अनुसार कस्बा सहित क्षेत्र में धूमधाम से ईद मनाई गई। कस्बे की ईदगाह सहित दो दर्जन मस्जिदों में ईद की नमाज़ अदा की गई। ईदगाह में शहर इमाम करामत उल्लाह ने नमाज़ पढाई। उपरौस की निजामियां जामा मस्जिद में कारी जमील, मस्जिद चौधराना में कारी अताउर्रहमान और मस्जिद रहमानियां में कारी सना उल्लाह ने ईद की नमाज़ पढ़ाई। ईद में प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी हिस्सेदारी निभाई। उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय, नगरपालिका अध्यक्ष रजा मोहम्मद ने ईदगाह में लोगों से मिलकर ईद की बधाइयां दी। वहीं पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, सपा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति ने भी ईदगाह के मैदान में स्टॉल लगाकर लोगों का मुंह मीठा कराया। समाजसेवी मोहनबाबू, सभासद शिवकुमार सोनी, सभासद इस्लाम ने भी ईद की बधाइयां दीं। गुसियारी, परछा, मांचा, कम्हरिया, नरायच, भमौरा, मदारपुर में भी ईद की नमाज़ अदा

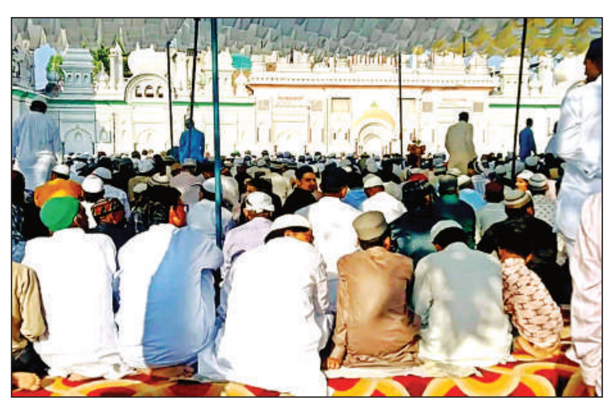

कुर्रा स्थित ईदगाह में नमाज अदा करते मुस्लिम भाई। अमृत विचार

राठ में इमाम ने दिया भाईचारे का संदेश

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे में ईद उल फितर का त्योहार शांति के साथ मनाया गया। ईदगाह में पेश इमाम मौलाना शाकिर अली ने ईद की नमाज अदा कराई। पेश इमाम ने आपसी भाईचारे और देश की तरक्की में सहयोग करने का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, सपा नेता दानिश खान और गोविंद अहिरवार, राजपूत चंद्रवती वर्मा आदि ने ईदगाह पहुंचकर ईद की शुभकामनाएं दीं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

एक-दूसरे को ईद की बधाई देते लोग। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सीओ अरविन्द कुमार वर्मा पदोन्नति पाकर बने एएसपी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने पुलिस उपाधीक्षक के कंधों पर अशोक स्तंभ की रैंक लगाकर उन्हें एएसपी रैंक से अलंकृत किया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेत में चना उखाड़ने का विरोध करने पर मारपीट

मऊ (चित्रकूट)। मऊ थाना क्षेत्र में खेत की रखवाली कर रहे एक किसान ने अपने साथ गांव के ही कुछ लोगों पर मारपीट और जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत कोटरा खांभा निवासी मणिशंकर पुत्र भोण्डा ने मऊ थाना में दी गई तहरीर में बताया कि टीटहरिया के पुरवा निवासी बच्ची लाल का पुत्र अपने सात-आठ अज्ञात साथियों के साथ उसके खेत में घुसकर चना उखाड़ रहा था।जब मणिशंकर ने इसका विरोध किया, तो आरोप है कि सभी लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने जातिसूचक गालियां देते हुए उसे धमकाया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

भरत दास ने खुद पर हमले का लगाया आरोप, जांच जारी

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के लालापुर मंदिर परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बाबा भरत दास ने स्वयं पर चाकू से हमला होने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दी। घटना के समय मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और रैपुरा पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ दिनों पूर्व लालापुर के श्रद्धालुओं ने जिलाधिकारी चित्रकूट को प्रार्थना पत्र देकर भरत दास पर नवरात्रि के दौरान मंदिर बंद कराने और पूजा-पाठ में बाधा डालने के आरोप लगाए थे। इस मामले को लेकर पहले से ही तनाव का माहौल बना हुआ था। बताया जा रहा है कि बाबा भरत दास और मंदिर के पूर्व पुजारी के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। आज हुए विवाद में पूर्व पुजारी पक्ष के कुछ लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जबकि भरत दास पक्ष के लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।सीओ राजापुर राजकमल ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

करंट लगने से मजदूर झुलसा,भर्ती

इटावा। थाना फ्रेंडस कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत विकास कालोनी में सटरिंग का काम करते समय एक मजदूर हाईटेंशन विद्युत करंट लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार आशुतोष पुत्र गुलाब सिंह निवासी जोधपुरा इकदिल थाना फ्रेंडस कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत विकास कालोनी भाग दो आश्रम वाली गली में एक मकान में शटरिंग का कार्य कर रहा था तभी छत के पास से निकली 11 हजार की हाईटेंशन विद्युत लाइन से लोहे की सरिया तार से छू गई और मजदूर आशुतोष करंट लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आये।

पंचतत्व हरिहर महायज्ञ का कल होगा भूमि पूजन

इटावा। मोढ़ी स्थित ॐ श्री पागल बाबा गंगासागर धाम में भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। यहां 17 मई से 15 जून तक पंचतत्व हरिहर महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसे लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मंदिर के मुख्य न्यासी श्याम सुंदर चौरसिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ 23 मार्च, सोमवार को सुबह 10 बजे भूमि पूजन के साथ होगा। भूमि पूजन इटावा पिलुआ महावीर मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्री 108 हरभजन दास महाराज द्वारा संपन्न कराया जाएगा। आयोजन को लेकर व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। आयोजन समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम भव्य और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। महायज्ञ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश देगा।

भारी बारिश से फसलों को नुकसान, किसान चिंतित

शुक्रवार की रात गरज-चमक के साथ कई घंटे हुई भारी बारिश

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार । पहाड़ी क्षेत्र में शुक्रवार की रात्रि लगभग 10 बजे हुई बारिश ने किसानों की मुसीबत खड़ी कर दिया है। तैयार फसलों में जल भराव हो गया। इससे किसानों की कटी फसल व खड़ी फसल दोनों को भारी नुकसान हुआ है।

पहाड़ी क्षेत्र नांदी के शिवपुरी के किसान नरेंद्र कुमार , रामस्वरूप जगदीश, लवकुश व उदयभान ने बताया कि रात में हुई भारी बारिश की वजह से कटाई किए गए चना,मसूर, सरसों की फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं गेहूं की कटी फसल में जल जल भराव से फसल सड़ गई है। बताते चलें कि शुक्रवार की रात्रि को तेज हवाओं के बीच गरज चमक के साथ रात्रि 10 बजे से कई घंटे तक तेज बारिश हुई। इस बीच बीच-बीच में ओले भी पड़े। वहीं इस बारिश के चलते मौसम का मिजाज भी बदल गया। वही हवा के चलते नांदी के मजरा शिवपुरी के कृषक रामस्वरूप एवं नरेंद्र कुमार के गेहूं बेर्रा की फसल गिर गई है। तथा चना, मटर, सरसों, मसूर की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों ने जिलाधिकारी से नुकसान हुई फसलों की मुआवजा दिलाने की मांग की है। किसानों का कहना है हमारी पूरी की पूरी फसल बर्बाद हो गई है।

गिरी हुई फसल देखता किसान। अमृत विचार

सांची मिश्रा ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में मारी बाजी

चित्रकूट। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में जगमोहन सिंह बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा सांची मिश्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अव्वल स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे परिवार में खुशी का माहौल है।

कक्षा सात की छात्रा सांची मिश्रा, जो सनद कुमार मिश्रा की पुत्री हैं, ने प्रतियोगिता में भाग लेकर भारतीय संस्कृति से जुड़े विभिन्न प्रश्नों का सटीक उत्तर दिया। उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए संस्थान की ओर से उन्हें प्रवीण्य प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सांची की इस सफलता ने न केवल उनके माता-पिता को गौरवान्वित किया है, बल्कि विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नौ वर्षों में हुए विकास कार्यों पर डाला प्रकाश

लाभार्थी को प्रमाणपत्र देते अतिथि। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार । प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर 'नवनिर्माण के नौ वर्ष' के अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीपुरभट्ट में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां मौजूद वक्ताओं प्रदेश सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में जानकारी दी।

'नवनिर्माण के नौ वर्ष' के अंतर्गत जनपद के विभिन्न ब्लॉकों एवं तहसीलों में तमाम कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में विकास खंड कर्वी में आयोजित एक कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी महिमा विद्यार्थी भी मौजूद रहीं। यहां पर आयोजित किसान गोष्ठी में कृषि एवं कृषक कल्याण पर चर्चा हुई। इस गोष्ठी में उपस्थित किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों और सरकार की लाभकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को उनके आवास की स्वीकृति एवं अधिकार पत्र प्रदान किए गए।

व्यापार मंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने फर्रुखाबाद में व्यापारियों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों को लेकर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मुकदमों को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सोनी "जीतू" के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री योगेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष लखनऊ अमरनाथ अग्रवाल तथा संजय सिंह सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे। इस दौरान व्यापार मंडल ने जिले में व्यापारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को अन्यायपूर्ण बताते हुए उन्हें निरस्त करने की मांग उठाई। प्रदेश अध्यक्ष जीतू सोनी ने कहा कि जब प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन की बात करती है।

फेंके जा रहे लाखों टन आलू पर रोक की मांग

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार । उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर हो रहे आलू उत्पादन और उसके बाद सड़कों पर फेंके जा रहे खराब आलू के मुद्दे को लेकर अब आवाज उठने लगी है। आलू विकास एवं विपणन सहकारी संघ लिमिटेड के निदेशक अशोक कटियार 'एडवोकेट' ने इस गंभीर समस्या को लेकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

ज्ञापन में बताया गया है कि प्रदेश के 2207 शीतगृहों में लगभग 195 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण किया जाता है। जब यह आलू मंडियों में बिक्री के लिए भेजा जाता है, तो छंटाई और पैकेजिंग के दौरान बड़ी मात्रा में सड़ा-गला और कटा-फटा आलू निकलता है। इस बेकार आलू को कोल्ड स्टोरेज मालिक अक्सर सड़कों के किनारे फेंक देते हैं। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों को दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ता है, बल्कि संक्रमण फैलने का भी खतरा बना रहता है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि इस खराब आलू का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर जैविक खाद या अन्य उत्पादों में उपयोग किया जाए, तो इससे किसानों और व्यापारियों को अतिरिक्त आय भी हो सकती है।

अशोक कटियार ने सुझाव दिया है कि सरकार इस दिशा में एक ठोस नीति बनाए, जिससे खराब आलू का उपयोग शराब, स्टार्च, चिप्स, कार्बोहाइड्रेट उत्पाद, पाउडर, दवाइयों और अन्य खाद्य उत्पादों में किया जा सके।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान कृषि व्यवस्था में अधिक उत्पादन, अधिक नुकसान जैसी स्थिति बनती जा रही है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि इस समस्या से निजात दिलायें।

नाबालिग को बहलाकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी पुलिस ने नाबालिग को बहलाफुसलाकर ले जाने, नशीली दवा खिलाकर दुष्कर्म करने और फर्जी आधार कार्ड का प्रयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली कर्वी क्षेत्र के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री को विद्यासागर बहलाफुसलाकर अपने साथ ले गया। इस पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामले में गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं, जिनमें दुष्कर्म से संबंधित प्रावधान, पॉक्सो एक्ट की धाराएं तथा फर्जी आधार कार्ड के उपयोग से संबंधित धाराएं शामिल की गईं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी विद्यासागर शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया।

गड्ढों में डूबा हाईवे, चोटहिल हो रहे राहगीर, प्रशासन बना अनजान

संवाददाता शिवरामपुर चित्रकूट

अमृत विचार । झांसी-मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित शिवरामपुर कस्बे में हालात बद से बदतर हैं। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरा होने के कारण आये दिन लोग गिरकर चोटहिल हो रहे हैं।

बरसात के बाद से लगातार जलभराव के कारण सड़कें पूरी तरह से टूट चुकी हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गये हैं, जिनमें भरा पानी उन्हें और भी खतरनाक बना रहा है। दोपहिया वाहन चालक अक्सर गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। वहीं चार पहिया वाहन भी इन रास्तों से हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदारों से इसकी शिकायतें सालों से की जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। जनप्रतिनिधि भी इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन जनता की जान पर मंडरा रहे खतरे को नजरअंदाज कर करते हुए निकल जाते हैं। सभी लोग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

एलआईसी चौक पर गड्ढे से बचकर निकलते राहगीर। अमृत विचार

- **जिम्मेदारों की दी गई जानकारी पर नहीं हुआ समाधान**

उधर, शहर के सबसे व्यस्त और वीवीआईपी कहे जाने वाले सोनेपुर कलेक्ट्रेट मार्ग के एलआईसी शहीद चौराहे पर हालात और भी शर्मनाक हैं। यहां करीब 15 मीटर लंबा गड्ढा महीनों से मौत का जाल' बना हुआ है। स्थानीय नागरिक पवन साहू, प्रखर पटेल, मुकेश पटेल, आनंद यादव और रोहित सिंह पटेल ने सीधे तौर पर प्रशासन और सरकार पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब कोई बड़ा नेता आने वाला होता है, तो रातों-रात सड़कें चमक उठती हैं, लेकिन आम जनता की सुरक्षा किसी की प्राथमिकता नहीं है।

एक-दूसरे को गले लगाकर दी ईद की मुबारकबाद

कार्यालय संवाददाता, जालौन

अमृत विचार। नगर की मस्जिदों में शांति व भाइचारे के साथ ईद की नमाज पढ़कर मुल्क में अमन, शांति व भाइचारे की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद राजनेताओं एवं समाजसेवियों ने लोगों से गले मिलकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी।

ईद के मुबारक मौके पर नगर की मस्जिदों व ईदगाह में शांति व भाइचारे के साथ ईद की नमाज अदा की गई। सुबह आठ बजे से 10 बजे के बीच नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मुल्क में अमन व शांति एवं गुनाहों से माफी की दुआएं मांगी गईं। दुआ के बाद सभी एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देते हुए गले मिलते नजर आए। ईद के नमाज सबसे पहले मुहल्ला तोपखाना स्थित ईदगाह में कारी उवैश ने अदा कराई। मौलाना सुल्तान अहमद जामई ने दुआ कराई। तकिया वाली मस्जिद में शहर काजी मौलाना साबिर, मदरसा वाली मस्जिद में कारी उजैर, हुसैनी मस्जिद में हाफिज सईद, सुब्हानी जामा मस्जिद में मौलाना शहाबुद्दीन, वाले वाली मस्जिद में कारी सम्से आलम ने ईद की नमाज अदा कराई। इसके अलावा बड़ी ईदगाह, मोती मस्जिद, इमाम चौक आदि मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। मौलाना सुल्तान अहमद ने बताया कि रमजानुल मुबारक के 30 रोजे पूरे होने के बाद अल्लाह ने खुशी के इजहार के लिए ईद जैसा तोहफा अता किया। जो कि इस्लाम में सबसे बड़े पर्व के रूप में मनाया जाता हैं। जिसमें आपसी सौहार्द, भाईचारा और दिल के मैल को खत्म करके धर्मनिरपेक्षता के साथ गले व हाथ मिलाकर मुबारकबाद दी जाती है। ईद के पर्व पर कहीं कोई अराजकतत्व नगर की शांति भंग करने की कोशिश न करें, इसके लिए सभी मस्जिदों के आसपास पुलिस फोर्स तैनात रहा। एसडीएम हेमंत कुमार पटेल, सीओ शैलेन्द्र कुमार वाजपेयी आदि रहे।

ईद के मौके पर गले मिलते बच्चे। अमृत विचार

भक्तों के सभी कष्टों को हरती हैं माता वनखंडी

रोहिणी शर्मा, कालपी

अमृत विचार । कालपी नगर के दक्षिण दिशा में स्थित मां वनखंडी देवी में नवरात्रि के अवसर पर हजारों श्रद्धालु पूजा अर्चना कर पुण्य प्राप्त करते हैं ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त यहां सच्चे मन से कुछ भी मांगता है उसकी मन्नत अवश्य पूर्ण होती है मनोकामना पूर्ण होने पर परिवार के सदस्यों व रिश्तेदारों के साथ देवी मंदिर पहुंचकर डाली चढ़ाने की परंपरा है। डाली में पूड़ी सब्जी आटे का मीठा हलुवा मां वनखंडी देवी में चढ़ाने की परंपरा है। बड़ी संख्या में भक्त कुलदेवी के रूप में वखंडी माता को पूजते हैं जनपद का कालपी यूं तो धार्मिक स्थल है यहां अलग अलग स्थानों पर नौ देवियां विराजमान है। नवरात्रि के समय भक्तों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के लिए सुबह 6 बजे से देर रात्रि तक पुलिस का पहरा रहता है इसके अलावा बुंदेलखंड में वनखंडी देवी की अलग ही मान्यता है हमीरपुर, महोबा, झांसी, मध्य प्रदेश के भिंड, कानपुर देहात, आगरा इटावा, जनपद के और जालौन जनपद के कोने-कोने से मां वनखंडी देवी के भक्त अपनी मनोकामना लेकर देवी दरबार में हाजिरी लगाते हैं। वखण्डी देवी के महंत जमुना दास महाराज ने वनखंडी देवी का इतिहास बताते हुए कहा की किदवंतियों के अनुसार प्राचीन काल में सुधांशु नाम के राजा के कोई संतान नहीं थी एक बार देवर्षि नारद मृत्यु लोक में घूमते हुए राजा के घर के सामने से निकले। उन्होंने सुधांशु जी को दुखी देख कर दुखी होने का कारण पूछा। राजा ने संतान सुख न होने की अपनी व्यथा कही। नारद जी ने ईश्वर से प्रार्थना करने का आश्वासन दिया। नारद जी ने भगवान विष्णु, ब्रह्मा एवं भगवान शंकर से राजा की व्यथा बताई सभी ने राजा के भाग्य में संतान न होने की बात कही कुछ वर्षों बाद एक दिन सप्त वर्ष की एक कन्या राजा के द्वार पर आ गई और उसने कहा कि जो कोई मुझे हलवा पूड़ी का भोजन कराएगा उसे मनवांछित फल मिलेगा। ऐसा कहते हुए राजा के सामने से निकली कन्या की बात सुनकर राजा की पत्नी ने उस कन्या को आदर से बैठाकर पूर्ण श्रद्धा से हलवापूरी खिलाया। चलते समय कन्या ने अपना नाम जगदम्बिका और निवास अंबिकावन बताया। कुछ समय बाद राजा को पुत्र की प्राप्ति हुई। नारद जी ने जब राजा से पुत्र होने के बात त्रिदेवों को बताई। उन्हें विश्वास नहीं हुआ वे स्वयं राजा के घर आ गए और राजा के पुत्र को देख त्रिदेवों को आभास हुआ की कोई दैवीय शक्ति है ।

मां चंद्रघंटा की पूजा कर मांगा सौभाग्य

■ **जालौन।** चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन नगर में मां के तीसरे रूप मां चन्द्रघंटा की पूजा-अर्चना की गयी। इस मौके पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में मां के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही है। मंदिर में बज रहे मनमोहक देवी गीतों तथा घंटे की आवाज सुनाई देती रही। शनिवार को चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन मां के तीसरे स्वरूप मां चन्द्रघंटा की पूजा-अर्चना की गयी। नगर के प्राचीन देवी माता मंदिर छोटी व बड़ी माता मंदिर के साथ, संतोष माता मंदिर उरई मार्ग, पहाड़पुरा कामाक्षी माता, हुल्की, छटी माता मंदिर समेत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित माता के मंदिरों में भक्तों की सुबह से ही भीड़ लगी रही। मां के मंदिरों में महिलाओं की भीड़ रही जो हाथ में जल का लोटा, रोली, फूल, फल व मिष्ठान लेकर पहुंची थी। अपरान्ह बाद मंदिर खुलते ही भक्त दीपक लेकर मां की आरती उतारने पहुंची। सुबह सांय मंदिरों में आरती के समय बज रही शंख, झालर, ढोल, नगाड़े की आवाज से आसपास का माहौल मां की भक्तिमय हो गया तथा जयकारे सुनाई देते रहे। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के मंदिर में लग रहे जयकारों व बज रहे गीतों से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया है

क्रिकेट टूर्नामेंट | जालौन के बराहीं देवी खेल मैदान में होंगे मैच, झांसी, ग्लालियर, भिंड की टीमें खेलेंगी

रात्रिकालीन टी-10 स्पर्धा की हुई शुरुआत

कार्यालय संवाददाता जालौन

अमृत विचार । नगर में खेल प्रेमियों के लिए दूसरी बार रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार रात से हुआ। आयोजन से पूर्व सुबह ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस दौरान खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

नगर में दूसरी बार टी-10 फॉर्मेट में रात्रिकालीन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में समथर, झांसी, ग्वालियर, भिंड, कानपुर देहात, महोबा और औरैया आदि स्थानों की टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट से पूर्व बराहीं देवी मैदान स्थित आयोजन स्थन पर ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल ने कहा कि क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देगा और अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा। सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, और वह भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों का समर्थन करते रहेंगे। आयोजक सोनू चौहान ने कहा कि खेल प्रेमियों को बेहतरीन क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे। यह आयोजन युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगा और जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करेगा।

बताया कि सभी मैच सायं साढ़े छह बजे से खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मंच साबित होगा। उन्होंने कहा, आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारियां कर ली हैं। खिलाड़ियों को मैदान में सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट नगर के खेल इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम में रामेंद्र सिंह सेंगर, यश पटेल, कुंवर सिंह यादव, धर्मेंद्र चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, अभय सिंह राजावत आदि मौजूद रहे।

जालौन ट्रॉफी सीजन-2 के ट्रॉफी का अनावरण करते अतिथि।

पेट्रोलपंप मैनेजर पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी ऋषि सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी मां के नाम से लौना रोड पर पेट्रोल पंप स्थापित है। इस पेट्रोल पंप पर करीब ढाई वर्ष से कैंथ गांव निवासी प्रमोद कुमार मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। पंप के आय व्यय का पूरा ब्यौरा मैनेजर के पास ही रहता था। बीती 13 जनवरी को वह पेट्रोल पंप पहुंचे और वहां हिसाब किताब किया। हिसाब किताब में 2,07,788 रुपये का हिसाब कम मिला। जब इसके बारे में मैनेजर से जानकरी की तो उसने उधारी की बात कही। उन्होंने उधारी की लिस्ट तैयार कराई और मैनेजर के सामने ही उनसे फोन पर संपर्क किया। जिस पर सभी लोगों द्वारा बताया गया कि उनकी कोई उधारी नहीं है और उन्होंने पूरा पेमेंट कर दिया है। इसको लेकर जब मैनेजर से बात की तो उसने स्वीकार किया कि रुपये उसने ले लिए हैं।

बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल॥

रहीम कहते हैं कि जिन लोगों में बड़प्पन होता है, वो अपनी बड़ाई कभी नहीं करते। जिस तरह से हीरा कितना भी अमूल्य क्यों न हो, लेकिन कभी अपने मुंह से अपना मोल नहीं बताता।

प्रकृति की शक्तियों को आदर देने की प्राचीन परंपरा

देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं।

सत्य प्रत्येक परिस्थिति में उपयोगी होता है, लेकिन जीवन संघर्ष में सत्य के साथ शक्ति भी चाहिए। श्रीराम और रावण के बीच हुआ युद्ध काफी लंबा चला था, लेकिन प्रारंभिक चरण में श्रीराम की विजय सुनिश्चित नहीं थी। इसको लेकर काफी चिंता थी। प्रख्यात कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने 'राम की शक्ति पूजा' में युद्ध का भावुक वर्णन किया है। एक सायं सभी योद्धा शिविर में लौटे। निराला जी लिखते हैं, "आए तब शिविर, सुग्रीव, विभीषण जामवंत, अंगद/हनुमान बैठे रघुकुल मणि श्वेत शिला पर।" निराला जी ने श्रीराम के संशय का उल्लेख किया है,"बोले रघुमन विजय न होगी न समर ये नहीं रहा नर वानर का राक्षस से रण। उतरी पा महाशक्ति रावण से आमंत्रण।" श्रीराम बेचैन हैं। अन्याय जिधर है उधर शक्ति। श्रीराम को आश्चर्य था कि महाशक्ति रावण के पक्ष में क्यों हैं? जामवंत ने कहा, "रघुवर विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण। हे पुरुष सिंह तुम भी यह शक्ति करो धारण। आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर। शक्ति की करो मौलिक कल्पना। करो पूजन।"

रावण ने अपने तप बल से तमाम शक्तियां अर्जित की थीं। शक्ति उपासना का उत्तर शक्ति उपासना में ही संभव है। राम ने भी शक्ति पूजा का आश्रय लिया। राम आसन जमाकर बैठे। आठवें दिन ध्यान ऊर्ध्व शिखर पर पहुंचा। वे प्रत्येक पुरश्चरण के बाद देवी के चरणों में नीलकमल चढ़ाते थे। अंतिम आराधन में श्रीराम ने जैसे ही नीलकमल के लिए अपना हाथ बढ़ाया, नीलकमल गायब था। श्रीराम चिंतित हो गए। हमारा लाया हुआ नीलकमल कहां गया। उन्होंने तत्काल विकल्प बनाया। माताजी मुझको राजीव नयन कहती थीं। मैं वहीं अपने नयन अर्पित करूंगा। निराला जी कहते हैं ब्रह्मांड कांपा। देवी का उदय हुआ। देवी ने राम का हाथ पकड़ा, "देखा राम ने सामने श्री दुर्गा भास्वर।" निराला ने लिखा है,"होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन कहे महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन।"

शक्ति का अर्जन, उपासन पुरश्चरण और जागरण लोक को प्रकाश और आनंद से भर देता है। दुर्गा सप्तशती देवी उपासना के पांचवें अध्याय में देवी को प्रत्येक रूप और भाव में भरा पूरा बताया गया है। यहां देवी लज्जा हैं। विद्या हैं। माता हैं। कण-कण में व्याप्त हैं। 11 वें अध्याय के अंतिम श्लोक में देवी सबको आश्वासन देती हैं कि जब-जब बाधाएं आएंगी। दानवी शक्तियां कष्ट देंगी। तब-तब मैं प्रकट होऊंगी और दानवी शक्तियों का नाश करूंगी। यहां गीता की ध्वनि है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि "जब-जब धर्म का पराभव होगा, तब-तब सज्जनों की रक्षा और धर्म के अभ्युदय के लिए मैं आऊंगा।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं। ईसा पूर्व (छठी शताब्दी) यूनानी दार्शनिक थेल्स ने सृष्टि का उद्भव जल से बताया। इसके पहले ऋग्वेद में जल को जल माताएं 'आपः मातरम्' कहा गया है। इडा, सरस्वती और मही नाम की तीन देवियों का उल्लेख ऋग्वेद (5.5.8) में है। यहां रात्रि भी मां है। ऋग्वेद (10.127) में रात्रि भी उपास्य देवी हैं। कहते हैं, "रात्रि मां के आंचल में पैरों से चलने वाले, पंखों से उड़ने वाले कीट पतिंग और पथिक सुखपूर्वक सोते हैं।" अथर्ववेद में रात्रि देवी को संवत्सर की प्रतिमा कहा गया है। भारतीय देवतंत्र में देवी माँ की अनुभूति गहरी है।

ऋग्वेद में वाणी देवी हैं। वे कहती हैं, "मैं रूद्र, वसु, आदित्य और विश्व देवों के रूप में विचरण करती हूं। मैं मित्र वरुण इंद्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मैं सृष्टि के सभी प्रपंचों रूपों भावों में स्थित हूं। मेरी सहायता से ही प्राणी अन्न खाते हैं। देखते हैं। सांस लेते हैं। सुनते हैं। मैं जिसे चाहती हूं, उसे शक्तिशाली स्तोता, ऋषि और बुद्धिमान बनती हूं। मेरा निवास जल में है। वहीं से मैं सारे संसार में विस्तृत होती हूं।" सही बात है। जल सृष्टि का आदि तत्व है। दिव्यता का आदिकेन्द्र है। देवी वहीं हैं। वे अव्यक्त से व्यक्त होकर सृष्टि बनती हैं और बनाती हैं। ऋग्वेद का यही पूरा सूक्त अथर्ववेद में भी है। अथर्ववेद में अमावस्या और पूर्णिमा भी देवी हैं।

देवी दिव्यता हैं। दिव्यता अनंत रूपों आयामों में प्रकट होती है। दिव्यता के रूप नाम अनेक हैं। कहीं दुर्गा हैं, तो कहीं वाराही। खड्गधारिणी, शूलधारिणी और वैष्णवी। शाश्वत सत्य एक है। उसका कथन और आस्वशित एक है। हड़प्पा की खोदाई में देवी पूजा के तमाम साक्ष्य मिले थे। पत्थर की मोहरों पर देवी का अंकन अनुमानित किया गया। मौर्य काल के पुरातात्विक साक्ष्यों में देवी अभयदान की मुद्रा में हैं। महाभारत के भीष्म पर्व में अर्जुन की दुर्गा स्तुति का उल्लेख है। विराट पर्व में युधिष्ठिर भी देवी की पूजा करते हैं।

दुर्गा सप्तशती सर्वाधिक लोकप्रिय है। नवरात्र उत्सवों में इसका पाठ होता है। इसकी कथा मजेदार है। यहां एक राजा हैं सुरथ। वे मेधा ऋषि के आश्रम में पहुंचे। समाधि नाम का वैश्य है। उसने परिश्रमपूर्वक धन जुटाया था। घर वालों ने उसे घर से निकाल दिया। वह भी ऋषि आश्रम पहुंचा। सुरथ नाम में रथ गति का प्रतीक है और सु सुंदरता का, लेकिन सुरथ सुगति नहीं पा सके। समाधि का अर्थ मन से मुक्ति होता है, लेकिन यहां समाधि नाम के वैश्य धन की चिंता में पीड़ित और परेशान हैं। मेधा ऋषि हैं। मेधा ऋषि ही बनाती है। मेघा दोनों को देवी रहस्य बताते हैं। ऋषि के प्रबोधन से सुरथ सुरथी बनते हैं और समाधि नाम के वैश्य समाधि का वास्तविक अर्थ जान जाते हैं। सप्तशती के पाठ की परंपरा है। पाठ अध्ययन नहीं होता। अध्ययन में बुद्धि साझी होती है। सोच विचार भी चलता है, लेकिन पाठ में हृदय लगता है। तब शब्द अपना मूल अर्थ खो देते हैं। शब्दों के गर्भ में छिपी अक्षर शक्ति प्रकट होती है। यही बात देवी मंदिरों के दर्शन में भी है। देव प्रतीति प्राचीन परंपरा है। इस अनुभूति को दुर्गा, लक्ष्मी, वाराही, काली सहित कोई नाम दीजिए। नाम से फर्क नहीं पड़ता। सर्वत्र एक ही ऊर्जा है। भीतर, बाहर। ऊपर, नीचे, आगे, पीछे।

कांग्रेसी विधायकों के बाजार में एक विधायक ऐसा भी

अभी हाल ही हुए राज्यसभा सदस्यों के चुनाव में लगभग सभी चुनावी प्रदेशों में कांग्रेस विधायकों के खरीद फरोख्त का पर्दाफाश हुआ है। कांग्रेस ने कुछ को पार्टी से निकाला है, तो कुछ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। ऐसे चुनावों में कांग्रेस को अपने विधायक छुपाने पड़ते हैं और अंततः दो-चार दस बिक ही जाते हैं। साफ है कि यह कांग्रेस नेतृत्व के चाहे केंद्र का हो या प्रदेश का कहीं न कहीं उसके कमजोर होने का संदेश है। हालांकि हम इसे नैतिकता, सिद्धांत और ईमानदार होने के ढोंग से भी जोड़कर आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। थोक के भाव कांग्रेस विधायकों के खरीद-फरोख्त के बीच कुछ साल पहले यूपी में हुए राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस के विधायक विरेंद्र चौधरी की चर्चा होना स्वाभाविक है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था। चुनाव के ठीक पहले 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन हो चुका था। ऐसे में राज्यसभा चुनाव में सपा को कांग्रेस के दोनों विधायकों के वोट की दरकार थी। इन विधायकों के लिए कांग्रेस का कोई ह्विप भी नहीं था। विधायकों की खरीद-फरोख्त जोरों पर थी। करोड़ों करोड़ की बोली लग रही थी, साथ में लखनऊ में एक वेलफर्निस्ड फ्लैट भी। अब जब ऑफर इतना आकर्षक हो,तो किसका मन नहीं लपलपा जाएगा। इस पर कंट्रोल तो कोई कलेजे वाला, वाकई ईमानदार व सिद्धांतवादी विधायक ही कर सकता है।

यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था।

निःसंदेह यूपी के महराजगंज जिले के फरेंदा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने ऐसा कर दिखाया। बिना किसी लोभ-लालच में उन्होंने सपा के उम्मीदवार को वोट दिया। इस बात का खुलासा किसी और ने नहीं, स्वयं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने महराजगंज में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र चौधरी के प्रचार हेतु आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। विरेंद्र चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव सिंहपुर के निवासी हैं। बेशक वे एक जमींदार परिवार के सदस्य हैं, लेकिन धन-दौलत की लालच किसको नहीं डिगा दी है। विरेंद्र चौधरी पांच चुनाव हारने के बाद पांचवी बार जीतने में कामयाब हुए हैं। हार वाली इन पांच चुनावों में अच्छे-अच्छे लोग आर्थिक रूप से टूट जाते हैं, जाहिर वीरेंद्र चौधरी के साथ भी ऐसा हुआ हो, बावजूद इसके सिर्फ एक वोट की खातिर करोड़ों रुपये का आफर ठुकरा देना विरेंद्र चौधरी की न केवल पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा का सबूत है, आज की काजल की कोठरी की राजनीति में ईमानदार और सिद्धांतवादी होने का जीता-जागता उदाहरण भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नवरात्रः आत्मबल, संयम और सकारात्मकता

सनातन संस्कृति में विभिन्न पर्वों के पीछे सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा छिपी है। वासंतिक नवरात्र के अवसर पर भी यही भाव है कि मां दुर्गा की आराधना कर उनसे शक्ति प्राप्त करने की कामना की जाए। मां दुर्गा का जब विविध रूपों में दर्शन करते हैं, तो 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' की प्रार्थना करते है। दरअसल मानव जीवन में मनुष्य पर नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए नकारात्मकता से लड़ने के लिए पूजा-पाठ, व्रत-उपवास किए जाते हैं। साथ ही धर्मग्रंथों के अध्ययन भी इस अवधि में किए जाते हैं। ज्यादातर आस्थावान लोग श्रीदुर्गासप्तशती तो बहुत से लोग रामचरितमानस का नवाह्न विधि से पाठ करते हैं। श्रीदुर्गासप्तशती की शुरुआत ही 'मधु' और 'कैटभ' नामक राक्षसों के वध से है। मधु का एक अर्थ शराब है। यानी नशा। नशा किसी प्रकार का हो वह कोलाविध्वंस है और कैटभ का अर्थ नकारात्मकता से है। यानी जब इन प्रवृत्तियों का प्रभाव जीवन पर पड़ने लगे, तो मां दुर्गा की शरण में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। वैसे भी कोई शिशु संकट में पड़ता है और उसे कष्ट या दुःख होता है, तो अपनी मां के आंचल में जाकर सुख पाता है।

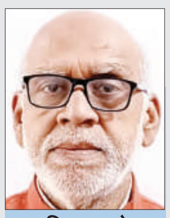

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

सांसारिक जगत में कब कौन सी विपत्ति आ जाएगी कहा नहीं जा सकता। श्रीदुर्गासप्तशती में ही 'सुरथ' नाम के राजा पर कोलाविध्वंस नामक के राक्षस ने आक्रमण कर पराजित कर दिया। सुरथ का अर्थ ही 'सु-रथ' यानी शरीर रूपी रथ को सुचारू रूप से संचालित करने वाला तथा कोलाविध्वंस का अर्थ कुल का विध्वंश करने से निकलता है। राजा सुरथ पर तो राक्षस ने प्रहार किया, जबकि समाधि नामक वैश्य को उसके ही परिवार ने घर से निकाल दिया।

'सुरथ' और 'समाधि' दोनों मेधा ऋषि के आश्रम पर गए और 'मेधा' ऋषि की सेवा करने लगे। निहितार्थ यही है कि अपना मन ही जब नकारात्मक हो जाए या अपनी पंच ज्ञानेंद्रिय रूपी परिवार साथ न दे, तो मेधा-शक्ति यानी सुचिंतन और विवेक का सहारा लेना चाहिए। इसके लिए ऋषियों ने वसंत ऋतु के मादक मौसम में मां दुर्गा की शक्ति पाने के लिए नवरात्र-अनुष्ठान का रास्ता बताया है। नौ द्वार वाला शरीर स्वस्थ रहेगा तभी मेधा शक्ति भी काम आती है। वरना अस्वस्थ शरीर में मन भी कमजोर हो जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जल की उपलब्धता और शुद्धता का संकट

राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है।

भारत में जल का वितरण सर्वत्र एक समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों में यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, तो अन्य क्षेत्रों में इसकी कमी है। आज जरूरत इस बात की है कि जल संबंधी ऐसी वितरण व्यवस्था हो ताकि जल हानि न हो और जल प्रदूषित होने से भी बच जाए। इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई, तो मानव जीवन का संकट में पड़ना तय है। ध्यान देना होगा कि भूजल जल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसका उचित संरक्षण और उपयोग बेहद आवश्यक है। भारत के जल संसाधन पर नजर दौड़ाएं, तो भारत में विश्व के जल संसाधनों का 4 प्रतिशत भाग पाया जाता है। इसका लगभग एक तिहाई भाग वाष्पीकृत हो जाता है तथा 45 प्रतिशत भाग ढाल के अनुरूप बहकर तालाबों, झीलों और नदियों में चला जाता है। वर्षा से जल की जो थोड़ी-सी मात्रा यानी तकरीबन 22 प्रतिशत मृदा में प्रवेश कर भूमिगत हो जाती है, उसे भौम जल या भू-जल कहा जाता है। भारतीय उपमहाद्वीप में भूजल का व्यवहार अत्यधिक जटिल है।

जीईसी 1997 के दिशा-निर्देशों एवं संस्तुतियों के आधार पर देश में स्वच्छ जल के लिए भूजल संसाधनों का आकलन किया गया, जिसके मुताबिक देश में कुल वार्षिक पुनः पूर्णयोग्य भूजल संसाधनों का मान 433 घन किमी है। प्राकृतिक निस्सरण के लिए 34 बीसीएम जल स्वीकार करते हुए नेट वार्षिक भूजल उपलब्धता का मान संपूर्ण देश के लिए 399 बीसीएम है। वार्षिक भूजल का मान 231 बीसीएम है, जिसमें सिंचाई उपयोग के लिए 213 बीसीएम तथा घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग के लिए जल का मान 18 बीसीएम है। धरातलीय जल तथा पुनर्भरण योग्य भूमिगत जल से 1,869 घन किमी जल उपलब्ध है और इनमें से केवल 60 प्रतिशत यानी 1,121 घन किमी जल का लाभदायक उपयोग किया जाता है। भूजल पीने के पानी के अलावा पृथ्वी में नमी बनाए रखने में भी मददगार साबित होता है। पृथ्वी पर उगने वाली वनस्पति तथा फसलों का पोषण भी इसी जल से होता है। यहां यह भी जानना जरूरी है कि अन्य देशों की तुलना में भारत में सालाना मीठे व स्वच्छ पानी की खपत अधिक होती है। विश्व बैंक के विगत चार साल के आंकड़ों के अनुसार घरेलू, कृषि एवं औद्योगिक उपयोग के लिए प्रतिवर्ष 761 बिलियन घन मीटर जल का इस्तेमाल होता है। विडंबना यह है कि भूजल के स्तर में लगातार गिरावट भी हो रही है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

भौगोलिक परिदृश्य पर नजर दौड़ाएं, तो भारत के पठारी भाग भूजल की उपलब्धता के मामले में कमजोर हैं। यहां भूजल कुछ खास भूगर्भिक संरचनाओं में पाया जाता है जैसे भ्रंश घाटियों और दरारों के सहारे। वहीं दूसरी ओर उत्तरी भारत के जलोढ़ मैदान हमेशा से भूजल में संपन्न रहे हैं, लेकिन अब उत्तरी और पश्चिमी भागों में भूजल के तेजी से दोहन से अभूतपूर्व कमी देखने को मिल रही है। गिरता भूजल सिर्फ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड या बिहार के सीतामढ़ी तक ही सीमित नहीं है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर 70 प्रतिशत तक नीचे पहुंच चुका है। आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान समय में भारत के 29 प्रतिशत विकास खंड भूजल के दयनीय स्तर पर हैं। ऐसा माना जा रहा है कि 2030 तक लगभग 60 प्रतिशत विकास खंड चिंतनीय स्थिति में आ जाएंगे। हालांकि देश में जल संरक्षण तथा प्रबंधन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समय-समय पर अनेक उपाय किए गए हैं। मसलन 1945 में केंद्रीय जल आयोग का गठन किया गया, जो राज्यों के सहयोग से देश भर में जल संसाधनों के विकास, नियंत्रण, संरक्षण तथा समन्वय को आगे बढ़ाता है। 1970 में केंद्रीय भू-जल बोर्ड का गठन किया गया। बोर्ड का मुख्य कार्य भू-जल संसाधनों के प्रबंधन, स्थायी एवं वैज्ञानिक विकास के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करना तथा राष्ट्रीय नीति की निगरानी में उन्हें वितरित करना है। घटते भूजल संसाधनों के संवर्धन के लिए समुद्र में प्रवाहित होने वाले अतिरिक्त वर्षा अपवाह का संरक्षण करे और फिर उसकी सहायता से पुनः पूर्ण द्वारा भूजल संसाधनों में वृद्धि करें। जलाशयों के जल का समय-समय पर परीक्षण करा नियमित सफाई सुनिश्चित करें। जनसाधारण में जल प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाएं। तटवर्ती भागों में समुद्री जल का निर्लवणीकरण करके जल का विभिन्न कार्यों में प्रयोग करें। राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है। सिर्फ कागजों पर योजनाओं को उकेरने मात्र से नतीजे अनुकूल नहीं होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

अनियोजित विकासः शहरों की बढ़ती बेबसी

विकास देश के एक कोने से दूसरे कोने में घूम-घूम कर इसे सजाने और स्मार्ट बनने की जिद में है, पर जहां भी यह पहुंच रहा है, उस जगह का बाजा बज रहा है। कहां से शुरू किया जाए? हर शहर-गांव की एक ही कहानी है। जहां गांव खाली हो रहे हैं, वहीं शहरों की आफत आ रही है।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

कुमाऊं का द्वारा कहलाने वाला हल्द्वानी शहर, जिसकी काठगोदाम को शामिल कर अनुमानित जनसंख्या लगभग चार लाख होने को है। यह शहर इंसानों और वाहनों के भार से दबता चला जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुविधा की तलाश में पहाड़ के गावों से यहां पर लोगों का आना लगातार जारी है। इसे उनकी मजबूरी भी कहा जा सकता है, क्योंकि बेहतर जीवन की चाहत और तलाश का अधिकार हर किसी को है। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों से भी लोग जीवन स्तर के सुधार की चाह में और अन्य कई सुविधाओं के कारण उत्तराखंड के इस सबसे बड़े दूसरे शहर में बसना चाहते हैं। महानगर की शक्ल लेता हुआ यह शहर अन्य अनेक शहरों की ही तरह अनियंत्रित विकास की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। शहरों को नियोजित ढंग से बसाने के मास्टर प्लान हमारे नक्शे से गायब हैं। तंग गलियों नुमा सड़कें हैं, बड़े-बड़े घर हैं, बड़ी गाड़ियां भी हैं, पर अंदर पार्किंग की व्यवस्था नहीं।

ऐसे में वाहन आ जाते हैं सड़कों पर, जो आने-जाने वालों के लिए बड़ी ही मुसीबत पैदा करते हैं। 14-15 फीट की सड़क जहां पर पहले से ही सैकड़ों जीआई पाइप उलझे हुए टेढ़े-मेढ़े जंक लगी अवस्था में दफन है, वहां पर कभी ट्यूबवेल का पाइप, कभी नई पेय जल योजना, सीवर, सड़क के दोनों तरफ गैस के पाइप एक दूसरे से टकराते-उलझते टूटे पड़ रहे हैं। घरों से चैंबर तक पहुंचने वाला सीवर पाइप कहीं-कहीं पर एक डेढ़ फीट ही जमीन से नीचे है। कोई इंसान अगर काम करने वाले मजदूरों के साथ खड़ा होकर उसे गहरा करा लेता है, तो थोड़ा गहरा हो जाता है अन्यथा सब कुछ बड़ा हॉच-पॉच है। काम करने वाले मजदूरों को नहीं इतनी जानकारी होती है और न ही इतनी जरूरत। निर्माण कार्य और गुणवत्ता पर बात करना एक अलग मुद्दा हो जाएगा। यूं भी हमारी आधी व्यवस्था अर्थव्यवस्था तो जुगाड़ पर ही टिकी हुई है। पाइपलाइन बिछाने वाली विभिन्न संस्थानों में आपस में ही सामंजस्य नहीं होने की कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। नगर निगम की तरफ से कूड़ा गाड़ी एक दिन छोड़कर हर क्षेत्र में आती है, लेकिन गलियां खुदी होने के कारण लोगों को कूड़े की बाल्टियां उठाकर मुख्य मार्ग तक जाना पड़ता है। ऐसे में स्मार्ट सिटी का सपना कभी-कभी कोरी कल्पना लगता है। एक सुनियोजित प्लानिंग हो, भले ही दो-चार साल और लग जाएं। अनियोजित विकास कार्य कई बार परेशानी का सबब बन जाता है। यहां पूरा खुदा हुआ शहर स्मार्ट सिटी की ओर कदम बढ़ा रहा है, लेकिन मेरे विचार में इस तरह की व्यवस्था गली-मोहल्ले की छोटी-छोटी गलीनुमा सड़कों के लिए उपयोगी नहीं है। मात्र जनता के पैसों की बर्बादी है। 30-35 लाख की आबादी वाला एक मेट्रोपॉलिटन सिटी इंदौर जो अपनी स्वच्छता के लिए हमेशा चर्चा में बना रहता था, लेकिन अचानक दूसरी वजह से चर्चा में आ गया। पानी और सीवर के पाइपों का आपस में एक-दूसरे से लिपटते देखकर मुझे डर लगता है कि कहीं हल्द्वानी भी इंदौर तो नहीं बन जाएगा आने वाले समय में?

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

वैश्विक संघर्ष एवं वसुधैव कुटुंबकम्

पूरी पृथ्वी ही परिवार के समान है। यह भावना वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समसामयिक तथा और अधिक आवश्यकीय प्रतीत होती है। वैदिक ऋषि ने यजुर्वेद में द्युलोक, अंतरिक्ष लोक, पृथ्वीलोक, जल, औषधियों, वनस्पतियों सहित समस्त चराचर जगत की शांति की कामना की है, लेकिन वैदिक कालीन मूल्यपरक शिक्षा पद्धति के अभाव में एवं भौतिकवादी शिक्षा के प्रभाव तथा समाज/राष्ट्रों के मध्य विस्तारवादी नीतियों के कारण वैदिक शिक्षा के विपरीत वैश्विक अशांति की ओर चराचर जगत पहुंच रहा है, जो मानव जगत के लिए दुःखद एवं चिंताजनक है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। जहां एक ओर कुछ दिन पूर्व भारत में परिवर्तित यूजीसी नियमों के कारण समाज में आंतरिक जातिगत असंतोष एवं असमानता फैली है। भविष्य में जिसके जातिगत विभाजक घातक दुष्परिणामों की ओर संकेत हो रहे हैं। वही दूसरी ओर इरान, इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हो रहे संघर्ष युद्ध से भी देश में अशांति बढ़ी है, जिसकी निवृत्ति के लिए वर्तमान सरकारें प्रयासरत हैं।

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
नैनीताल

वैश्विक संदर्भ में विश्व के मध्य-पूर्व का क्षेत्र लंबे समय से विश्व राजनीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के राजनैतिक संघर्ष, धार्मिक मतभेद और रणनैतिक हित अक्सर वैश्विक तनाव का कारण बनते रहे हैं। वर्तमान समय में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस तनाव में कई बार अमेरिका भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल दिखाई देता है। इजरायल की स्थापना और प्रारंभिक स्थिति 1948 में इजरायल की स्थापना के साथ ही मध्य-पूर्व की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। कई अरब और मुस्लिम देशों ने इजरायल के गठन का विरोध किया। हालांकि उस समय ईरान में शाह का शासन था और ईरान ने इजरायल के साथ पूर्ण विरोध की नीति नहीं अपनाई थी। दोनों देशों के बीच कुछ सीमित आर्थिक और कूटनीतिक संबंध भी बने रहे। मध्य-पूर्व में प्रभाव की प्रतिस्पर्धा ईरान और इजरायल दोनों ही मध्य-पूर्व में अपना राजनीतिक और सामरिक प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इस कारण कई बार दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की बजाय परोक्ष संघर्ष देखने को मिलता है। सीरिया और लेबनान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के हित टकराते रहे हैं। कई बार इजरायल ने सीरिया में उन ठिकानों पर हमले किए हैं, जिन्हें ईरान समर्थित मानता है।

मध्य-पूर्व की राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का प्रमुख सहयोगी रहा है और कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसका समर्थन करता रहा है। दूसरी ओर ईरान और अमेरिका के बीच भी कई राजनीतिक और आर्थिक विवाद रहे हैं। इस कारण जब भी ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता है, तब अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी चर्चा में आ जाती है। ईरान-इजरायल संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, राजनीतिक, धार्मिक और रणनीतिक कारणों से जुड़ा हुआ एक जटिल अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है। फिलिस्तीन का प्रश्न, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन इस संघर्ष को और अधिक जटिल बनाते हैं। यही कारण है कि मध्य-पूर्व में उत्पन्न होने वाला कोई भी तनाव केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है, क्योंकि प्राकृतिक तेल, गैस आदि दैनिक मूलभूत आवश्यकताओं से युक्त देश के संकट में आने से पूरे विश्व में अशांति एवं संकट बढ़ा सकती है। आज के परिप्रेक्ष्य में परिवार-समाज से लेकर राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक वसुधैव कुटुंबकम् की भावना ही शांति-सुकून प्रदान कर सकती है, जिसको राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के साथ ही वैश्विक मंचों में प्रमुखता से स्थान मिलना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

न्यूज ब्रीफ

लाभार्थियों को बांटे गए स्वीकृति पत्र

महोबा। प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्राइवेट बस स्टैंड के पास उद्योग विभाग, सेवायोजन और खादी विभाग के अलावा बैंक से संबंधित योजनाओं की प्रदर्शनी लगाकर लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा टूलकिट वितरित किए गए। सेवायोजन और खादी ग्रामोद्योग विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर जिला सेवायोजन अधिकारी आकांक्षा बाजपेई उपयुक्त उद्योग महेश चंद्र सहित अधिकारी मौजूद रहे।

बाइक फिसलने से युवक गंभीर घायल

महोबा। कानपुर-सागर हाईवे में कैमाहा के पास एक बाइक सवार असंतुलित होकर गिर गया। ग्रामीणों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उपचार के बाद उसकी छुट्टी कर दी गई। मुजरा गांव निवासी स्वरूप 26 बाइक से महोबा की तरफ आ रहा था तभी के वहां गांव के पास हाईवे में असंतुलित होकर बाइक गिर गई जिससे वह घायल हो गया आसपास के लोगों ने दौड़कर उसे उठाया। प्राइवेट अस्पताल में इलाज के बाद उसकी छुट्टी कर दी गई।

नवाचार महोत्सव एवं कला प्रदर्शनी लगी

महोबा। चरखारी डायट में प्राचार्य राहुल मिश्रा की देखरेख में नवाचार महोत्सव एवं कला प्रदर्शनी का समापन हुआ। प्रदर्शनी में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की लगभग 70 कृतियां, पेंटिंग लगाई गई। कार्यक्रम में परिषदीय विद्यालयों के 105 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के अलावा 200 प्रशिक्षुओं ने पेंटिंग, पोस्टर, मूर्तिशिल्प का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम प्रभारी जयराम कुटार ने उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी ने कहा कि कला का जीवन में अत्यंत महत्व है, इससे मनुष्य का मानसिक एवं शारीरिक संतुलन उत्तम रहता है। निर्णायक समिति में जिला सेवायोजन अधिकारी आकांक्षा बाजपेई, प्रवक्ता दिव्या श्रीवास्तव ने टीएलएम का अवलोकन किया। समिति ने प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं डायट आदि से बेहतर टीएलएम, नवाचार का चयन किया साथ ही सभी टीएलएम, पेंटिंग्स की अति सराहना करते हुए दो पेंटिंग्स और क्राफ्ट लेकर तीन प्रशिक्षुओं ज्योति कुशवाहा, अंजलि, अंवेषा वर्मा को पुरस्कृत किया।

चंद्रिका धाम में महिला हेल्पडेस्क बनी

संवाददाता कार्यालय, महोबा

बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में महिलाओं को जागरूक करती टीम। अमृत विचार

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह के नेतृत्व में चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला थाना और सदर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को चैत्र नवरात्र पर्व के दृष्टिगत बडी चन्द्रिका धाम माता मंदिर परिसर में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सहायता के लिए एक अस्थायी महिला हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है।

टीम ने हेल्पडेस्क के माध्यम से मंदिर में दर्शन के लिए आने वाली माताओं एवं बहनों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों और आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जा रही है। टीम ने महिलाओं बालिकाओं को हेल्पलाइन इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसर में महिला पुलिस की विशेष तैनाती कर सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

हेल्पडेस्क के माध्यम से टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन जैसे नंबरों का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई साथ ही पंपलेट वितरित करके योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

मां चंद्रघंटा की आराधना कर मांगी सुख-शांति

संवाददाता कार्यालय, महोबा

- चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन देवी मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़
- सुबह पांच बजे से मंदिरों में गूंजने लगे मां भगवती के जयकारे

मंदिर में लगी भक्तों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार को सुबह पांच बजे से ही देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना करने के लिए मां के भक्त पहुंच गए। सुबह शाम मंदिरों में मां दुर्गा के जयकारे सुनाई देते रहे और महिला भक्तों द्वारा गाए जाने वाले मां के भजनों ने शहर का माहौल भक्ति मय बना दिया। नवरात्र के तीसरे दिन मंदिरों व घरों में मां चंद्रघंटा से संबंधित कथा का भी बखान किया। महिलाओं ने कथा का श्रवण करने के साथ साथ पूजा अर्चना कर अपने परिवार की सुख शांति के लिए प्रार्थनाएं भी की।

नवरात्र पर्व के तीसरे दिन भक्तों ने देवी चंद्रघंटा की साधना की गई। देवी भक्तों ने सबसे पहले स्नान किया और इसके बाद श्रद्धा पूर्वक देवी मंदिरों की तरफ रवाना हुई और देवी प्रतिमा के समक्ष घी के दीपक जलाए। इसके बाद कलश में गंगा जल मिला कर कलश में दूर्वा, सुपारी, सिक्का केसर चावल बेलपत्र डालें और मां को पीले फूल चढ़ाएं। दूध, दही, शहद, गुड़ घी का पंचामृत भी चढ़ाया। देवी भक्तों ने लाल अनार, गुड़ या गुलाब जामुन का भोग लगाए साथ ही दक्षिणा चढ़ाई। पूजा अर्चना करने के लिए महिलाएं झुंड बनाकर शहर के देवी मंदिरों में पहुंची, जिसके चलते मंदिरों में खासी भीड़ नजर आई।

श्री उमगेश्वर ज्योतिर्लिंग शिवालय के मुख्य पुजारी शिव किशोर पांडेय ने बताया कि चैत्र नवरात्र पर्व में शनिवार को मां पार्वती के तृतीय रूप देवी चंद्रघंटा की श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा अर्चना की गई। शास्त्रों के अनुसार मां चंद्रघंटा का हिंदू धर्म में अधिक महत्व प्राप्त है। इनकी साधना से जहां एक तरफ मन को शांति प्राप्त होती है, तो वहीं दूसरी ओर इस खास अवसर पर इनकी साधना से भक्त का मन मणिपुर चक्र में प्रविष्ट होता है।

मां चंद्रघंटा का रूप की बात करें तो मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है, इसीलिए इस देवी को चंद्रघंटा कहा गया है। मां चन्द्रघंटा अपने प्रिय वाहन सिंह पर सवार रहती हैं और अपने दस हाथों में ढाल, गदा, पाश, त्रिशूल, खड्ग, तलवार, चक्र, धनुष के साथ तरकश लिए हैं। मां चंद्रघंटा की पूजा करने से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और जन्म जन्मी का डर खत्म हो जाता है और वह निर्भय बन जाता है।

मां को बचाने के लिए चीखती और मदद की गुहार लगाती रही सयानी बेटी, हत्यारोपी रॉड से ताबड़तोड़ करते रहे हमला

बेटे और नाती के साथ मिलकर विधवा बहू को रॉड से मार डाला

संवाददाता कार्यालय, महोबा

- चरखारी थाना क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में सनसनीखेज वारदात
- पिता ने दी तहरीर, हत्यारोपियों की तलाश में छापे मार रही पुलिस

वारदात के बाद घर के बाहर मौजूद गांव वाले। अमृत विचार

सुखदेवी पाल।

अमृत विचार। चरखारी कोतवाली क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में ससुर ने अपने बड़े बेटे और नाती के साथ मिलकर अपनी विधवा बहू की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मां को बचाने के लिए बेटी चीखती और गुहार लगाती रही, लेकिन हत्यारोपी रॉड से पीटते रहे। शोरशराबा होने के बाद आरोपी भाग निकले। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ अभियुक्तों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

चरखारी कोतवाली क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में दयाराम पाल के नाम सरकारी राशन का कोटा है। परिवार में छोटे बेटे आशाराम की विधवा पत्नी सुखदेवी (36) और उसके दो बच्चों के अलावा बड़े बेटे कीरत का परिवार रहता है। सुखदेवी के पति आशाराम की 2025 के प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भगदड़ के दौरान मौत हो गई थी। बताते हैं कि शुक्रवार की रात दयाराम पाल ने विधवा बहू सुखदेवी से झगड़ा शुरू कर दिया। झगड़ा शांत होने के बजाय बढ़ गया। इसी बीच दयाराम ने बड़े बेटे कीरत और नाती योगेंद्र के साथ मिलकर सुखदेवी पर लोहे की रॉड से हमला बोल दिया।

घटना के समय घर में मौजूद सुखदेवी की 16 साल की बेटी प्रतिज्ञा ने मां को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे धक्का देकर गिरा दिया। बेटी मां को बचाने के लिए चीखती-चिल्लाती रही। मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन हत्यारोपियों ने एक नहीं सुनी और सुखदेवी की बेरहमी से हत्या करने के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। इस हत्याकांड से गांव में सनसनी फैल गई। वारदात की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और प्रारंभिक छानबीन के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुखदेवी के पिता लखन लाल पाल ने तीनों के खिलाफ हत्या की नामजद तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर हत्या

- सुखदेवी के पिता लखन लाल पाल ने पुलिस को बताया कि दामाद आशाराम की मौत के बाद से ससुर की नीयत खराब थी। वह अवैध संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। सुखदेवी ने इसका विरोध किया और मायके में मां से पूरी बात बताई थी। इसके बाद वे लोग बेटी के पास पहुंचे थे और उसे समझाकर लौट गए थे, लेकिन ससुर की हरकतें कम नहीं हुई। इस बात को लेकर कई बार रिश्तेदारों की पंचायत भी कराई थी, लेकिन दयाराम नहीं सुधरा। शुक्रवार की शाम फिर दयाराम ने सुखदेवी को दबोचने की कोशिश की। विरोध करने पर बड़े बेटे कीरत और नाती योगेंद्र के साथ मिलकर रॉड से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

सीओ बोले, भाई से खुन्नस में हुआ विवाद

- चरखारी पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे ने बताया कि घटना के मुख्य आरोपी ससुर दयाराम पाल का अपने सगे भाई से विवाद चल रहा है। उसकी बहू सुखदेवी उसी भाई के खेत में मजदूरी करने जाती थी, जिस पर दयाराम आपत्ति जताता था। शुक्रवार को भी उसने नाराजगी जताते हुए विरोध किया था। इसी को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और मारपीट की नौबत आई। इसी दौरान सुखदेवी की मौत हो गई। उनका कहना है कि घटना के बावत रिश्तेदारों और गांव वालों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस दबिशें दे रही है। जल्द हमलावरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बाइक से गिरा ससुर घायल, अस्पताल से फरार

बताते हैं कि वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी कोटेदार दयाराम पाल बाइक लेकर भाग निकला। साथ में बेटा और नाती भी था। पुलिस से बचने के लिए जल्दबाजी में भागते समय राठ थाना क्षेत्र के नौरंगा गांव के पास वह हादसे में घायल हो गया। प्राथमिक उपचार कराने के लिए एक अस्पताल पहुंचा। इधर, पुलिस उसका पीछा कर रही थी। पुलिस के आने की भनक लगते ही वह अस्पताल से भी भाग निकला। पुलिस ने अस्पताल से उसके बारे में जानकारी जुटाने के बाद संभावित स्थानों पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला।

झटका लगने पर ट्रेन से गिरे युवक की मौत

महोबा। शहर के भटीपुरा निवासी एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोका। पुलिस घायल को पनवाड़ी सीएचसी ले गई, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

भटीपुरा निवासी चंद्रप्रकाश (32) अपने पिता जयपाल और मां सरोज का ट्रेन से झांसी इलाज कराने जा रहा था। मां-बाप को सीट पर बैठाकर स्वयं गेट के पास खड़ा हो गया। जैसे ही ट्रेन घुटई स्टेशन से आगे निकली, अचानक झटका लगा, जिससे वह नीचे गिर गया। यात्रियों ने शोर मचाया और चेन खींचकर ट्रेन रोकी, लेकिन तब तक ट्रेन काफी आगे पहुंच चुकी थी। मां-बाप ट्रेन से उतरे और पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पनवाड़ी ले गए, जहां डाक्टर ने परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत से माता पिता को गहरा सदमा लगा और वह गुमसुम हो गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि चंद्रप्रकाश की शादी चार वर्ष पहले हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी, चार वर्षीय पुत्र को छोड़ गया है।

स्वदेश की अलख जगाने का आह्वान

संवाददाता कार्यालय, महोबा

बैठक में भाग लेते प्रांत संयोजक सुदीप खरे। अमृत विचार

अमृत विचार। स्वदेशी जागरण मंच की प्रांतीय बैठक नगर पालिका सभागार में हुई, जिसमें स्वदेशी की अलख जगाने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया गया। युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया गया। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।

बैठक की शुरुआत में प्रांत संयोजक सुदीप खरे का धर्मेंद्र दीक्षित, अमित सोनी ने स्वागत किया। प्रांत संयोजक ने कहा कि स्वदेशी अभियान तभी सफल होगा, जब हर घर तक स्वदेशी उत्पादों की महत्ता पहुंचाएंगे। उन्होंने संगठन विस्तार करते हुए अमित सोनी को जिला समन्वयक बनाने की घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक प्रवीण अग्निहोत्री ने युवाओं को उद्यमिता का मंत्र देते हुए कहा कि युवाओं को केवल नौकरी के पीछे भागने के बजाय स्वरोजगार अपनाकर जॉब क्रिएटर बनना चाहिए। वरिष्ठ नागरिक आयाम के प्रांत प्रमुख राजेंद्र ददरया ने स्वावलंबी भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई। बैठक में रायकोट मंदिर के महंत देवीचरण शुक्ल, व्यापार मंडल अध्यक्ष भागीरथ नगायच, सेवानिवृत्त शिक्षक कालका प्रसाद गुप्त 'जलज' और भूपेंद्र साहू सहित स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ऑटो चालकों की मनमानी से जाम

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के बेरी तिराहा में सवारी भरने व उतरने के दौरान ऑटो चालक मुख्य सड़क में खड़ी करके जाम की स्थित बना रहे है। इनके सड़क में खड़े होने के कारण वाहन निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कस्बे के बेरी तिराहा में मुख्यालय जाने के लिए ऑटो चालक सड़क पर वाहन खड़े कर सवारी भरते है। मुख्यालय से सवारी लेकर आने वाले ऑटो चालक सड़क में अपने वाहन खड़े करके सवारी उतरने का कार्य करते है। जिससे तिराहा में दिन भर जाम की स्थित बनी रहती है। इससे हाईवे से निकलने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन वाहन चालकों के साथ कोई कार्यवाही थाना पुलिस द्वारा भी नहीं की जाती है।

बारिश से खेतों पर कटी पड़ी फसल बर्बाद

कार्यालय संवाददाता महोबा

- कटाई के समय बारिश की भेंट चढ़ गईं किसानों की उम्मीदें
- मटर, चना, गेहूं और राई की फसल सड़ने की नौबत आई

खेतों पर बारिश से भीगी कटी पड़ी गेहूं की फसल। अमृत विचार

अमृत विचार। शुक्रवार की रात को जिले में हुई झमाझम बारिश के चलते किसान की मटर, चना, गेहूं और राई की फसल बर्बाद हो गई। बेमौसम हुई है बारिश से किसानों का भारी नुकसान हुआ है। जिससे एक बार फिर से किसान कर्ज लेने के लिए मजबूर हो गया है।

तेज बारिश के चलते खेतों में कटी पड़ी फसल के चारों तरफ पानी भर जाने से फसल सड़ने के आसार बढ़ गए हैं। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई है। पूर्व में जुताई बुवाई के लिए लिया गया कर्ज की अदायगी को लेकर अब किसान परेशान हो गया है।

गौरतलब है कि रबी की फसल के लिए अधिकांश किसानों ने साहूकारों और बैंकों से कर्ज लेकर जुताई बुवाई की थी। कि फसल आने पर किसानों का कर्ज अदा कर दिया जाएगा। इस साल फसल भी बेहतर थी। किसानों ने मजदूर लगाकर फसल की कटाई करा ली थी। खेतों में फसल थ्रेसिंग के लिए पड़ी हुई थी लेकिन अचानक शनिवार की रात को हुई तेज बारिश से खेतों में पड़ी फसल जलमग्न हो गई। खेतों में पानी भर गया जिससे अब फसल सड़ने के आधार बढ़ गए हैं। इससे किसानों को एक बार फिर से कर्ज चुकाने की चिंता सताने लगी है।

बेलाताल प्रतिनिधि के अनुसार विकासखंड जैतपुर में खेतों में कटी पड़ी फसल बारिश की भेंट चढ़ गई। जोरदार बारिश से फसल बर्बाद हो गई है। इससे किसानों के घर में गमगीन माहौल पैदा हो गया है। साल भर तक फसल आने का इंतजार करने वाले किसानों को आखिरी समय में बारिश से जोरों का झटका लगा है। इससे उनका बेटियों की शादी करने वह अन्य खर्च के लिए पैसा रखने का सपना टूट गया है उल्टा उन्हें अब कर्ज आएगी की चिंता सताने लगी है। इससे किसान का परिवार मायूस है। चारों तरफ खेतों में कटी पड़ी फसल देखकर किसान के आंसू निकल रहे हैं।

ईद का उल्लास

जिले भर में पाकीजगी के साथ अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज, सुरक्षा के लिहाज से तैनात रहा पुलिस बल

नमाज पढ़ी, गले मिले और सेवइयां खिलाकर बांटीं खुशियां

संवाददाता कार्यालय, महोबा

ईदगाह में नमाज अदा करते लोग। अमृत विचार

ईदगाह में मौजूद डीएम, एसपी और एएसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले में ईद का त्योहार हर्षोल्लास और खुशी के माहौल में मनाया गया। शहर की ईदगाह सहित अलग अलग मस्जिदों में निर्धारित समय पर पाकीजगी के साथ ईदुल फितर की नमाज अदा की गई। ईद की नमाज के लिए सुबह से ही नमाजी नए लिबास पहनकर तैयारियों में जुटे रहे और ईदगाह पहुंचकर नमाज अदा की। नमाज के बाद आपसी भाईचारा, देश में अमन चैन और मुल्क की तरक्की की दुआ मांगी गई।

सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों के आसपास में पुलिस बल तैनात किया गया। ईदगाह के चारो तरफ सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मचारी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते दिखाई दिए। नमाज के बाद डीएम, एसपी व अन्य अधिकारियों ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

ईदुल फितर की नमाज में जुटने वाली भीड़ को देखते हुए लोग सुबह सात बजे से ही ईदगाह पहुंचने लगे थे, वहीं बुजुर्ग और लाचार लोग मस्जिद दाखिल हो गए। ईद के चलते ईदगाह सहित मस्जिदों में भारी हुजूम उमड़ पड़ा। शहर की ईदगाह में काजी-ए-शहर सैयद आफाक हुसैन ने आठ बजे, शहर की जामा मस्जिद में हाफिज खालिक साहब ने सबा आठ बजे और शहर की मगरियापुरा की नूरानी मस्जिद में हाफिज कारी सलीम साहब ने साढ़े आठ बजे ईदुल फितर की नमाज पढ़ाई। नमाज के बाद एक साथ हजारो हाथ मुल्क की सलामती और आपसी भाईचारा कायम रखने के लिए दुआ में उठे। दुआ के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद त्योहार की मुबारकबाद दी। वाट्सएप और फेसबुक और मोबाइल पर सारा दिन ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला चलता रहा।

ईदुल फितर की नमाज के बाद एक दूसरे के घरों में जाकर लोगों ने सिवई खाई और गले मिलकर एक दूसरे को ईद त्योहार की मुबारकबाद दी। ईद पर्व पर हिन्दू भाईयों ने मुस्लिमों के घर पर जाकर सिवई खाने के बाद उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं देकर हिन्दू मुस्लिम आपसी भाईचारे का संदेश दिया। मुस्लिमों के यहां लोगों का आने जाने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। लोग अपने मित्रों के यहां जाकर त्योहार की मुबारकबाद देने में जुटे रहे, जिसके चलते मुस्लिम बाहुल इलाकों में देर रात तक खासी चहल पहल नजर आई।

समाजसेवियों ने पंडाल लगाकर किया स्वागत: ईदगाह मार्ग में स्वयं सेवी संस्थाओं और राजनैतिक दलों ने जगह जगह पंडाल लगाकर ईदगाह से लौटने वाले मुस्लिम भाईयों को शर्बत, ठंडा पानी, चाय व नाश्ते का इंतजाम कर स्वागत किया और गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। समाजवादी पार्टी, आल्हा परिषद के अध्यक्ष अध्यक्ष मनोज तिवारी सहित तमाम लोगों ने जगह जगह पंडाल लगाकर ईद त्योहार की शुभकामनाएं दी और एक दूसरे के गले मिलकर मुंह मीठा कराया। दाऊ तिवारी ने नमाजियों को इतर लगाकर ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

प्रशासन ने ईदगाह में ड्रोन से की निगरानी

महोबा। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने ईद की नमाज के अवसर पर शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल के साथ ईदगाह में अधिकारियों के साथ मौजूद रहीं। इसी प्रकार जिले की समस्त ईदगाहों व मस्जिदों में भी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने भ्रमण दौरान ईदगाहों का निरीक्षण करते हुए वहां के धर्मगुरुओं, मस्जिदों के इमाम एवं मौलाना से मुलाकात कर वार्ता की गई। ड्रोन के माध्यम से भी अधिकारियों ने ईदगाह के चारो तरफ निगरानी रखी। इस दौरान शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिल जुलकर त्यौहार मनाने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद देकर आपसी भाईचारा एवं आत्मीयता का परिचय दिया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह, उपजिलाधिकारी, सीओ सदर सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

नमाज के बाद अमन-चैन की मांगी दुआ

- कुलपहाड़/जैतपुर। ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस की सुरक्षा के बीच नमाज सम्पन्न कराई गई। सुबह से ही ईदगाह परिसर में नगर पंचायत द्वारा सफाई कर पेयजल की व्यवस्था की गई थी। नगर पंचायत अध्यक्ष वैभव अरजरिया ने ईदगाह पहुंचकर ईद की बधाई दी। हाफिज हसन साहब ने पढ़ाई, जामा मस्जिद में 8:30 बजे हाफिज दायिम ने नमाज अदा कराई। यहां एसडीएम डॉ प्रदीप कुमार, तहसीलदार प्रमित सवान, प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह, पूर्व बार अध्यक्ष शिवराम राजपूत, रवीन्द्र उपाध्याय, मनोज चौबे, मृदुल चौबे आदि रहे। जैतपुर में सुबह 8:30 बजे ईदगाह में हाफिज नाजिम राजा ने नमाज अदा कराई। इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रभारी एसआई सुजीत कुमार, नायब तहसीलदार पंकज गौतम सहित पुलिस बल मौजूद रहा। यहां गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी देखने को मिली।

अमृत विचार
कानपुर, रविवार, 22 मार्च 2026
www.amritvichar.com
कारोबार

हैरियर.ईवी का नया मॉडल पेश

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली इकाई टाटा.ईवी ने शनिवार को हैरियर.ईवी का नया मॉडल फीयरलेस प्लस क्वॉड75 पेश करने की घोषणा की। इसकी एक्स शोरूम कीमत 26.49 लाख रुपये है। इसमें चार्जर की लागत शामिल नहीं है। एसी फास्ट चार्जर के लिए 49 हजार रुपये अलग से देने होंगे।

बिजनेस ब्रीफ

वेदांता ने 8.5 करोड़ घन मीटर पानी का पुन: उपयोग किया

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख धातु और खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक अपने विभिन्न परिचालनों में 8.5 करोड़ घन मीटर से अधिक पानी का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब वर्ष 2030 तक पानी की 40 प्रतिशत कमी की वैश्विक चेतावनी दी जा रही है। कंपनी ने यह जानकारी 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस से एक दिन पहले दी। कंपनी ने कहा कि वह जल संकट से जूझती दुनिया में जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत का दूध उत्पादन 24.7 करोड़ टन हुआ

चंडीगढ़। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम एल जाट ने कहा कि देश में दूध उत्पादन बढ़कर 2025 में 24.7 करोड़ टन हो गया है। बता दें कि 1950 में 1.7 करोड़ टन था। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक जाट ने कहा कि 17.25 लाख करोड़ रुपये के पशुधन क्षेत्र में डेयरी का वर्चस्व है। यह क्षेत्र कुल उत्पादन में 65 प्रतिशत योगदान देता है और देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, जिससे 46.1 प्रतिशत आबादी को आजीविका मिलती है।

दूसरे साल भी एक अरब टन कोयला उत्पादन

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोयला क्षेत्र में सभी हितधारकों के अमूल्य योगदान के साथ, देश ने लगातार दूसरे साल 20 मार्च, 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

स्कोडा ने जारी की नयी कुशक की कीमत

नयी दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नये लुक में अपग्रेड के साथ नयी कुशक की कीमतों और ग्राहकों को डिलिवरी की घोषणा की है। कंपनी ने इस साल जनवरी में नयी कुशक लॉन्च की थी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने शनिवार को बताया कि इसकी कीमत 10.69 लाख रुपये से 18.99 लाख रुपये तक है।

अवलोकन

मुंबई के लोक भवन स्थित स्वर्गीय जयंत सहस्रबुद्धे हॉल में आयोजित एक प्रदर्शनी में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। फोटो-एजेंसी

महंगी होगी हवाई यात्रा, किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस

सीट के खेल पर छिड़ी जंग: सरकार के 60% फ्री सीट नियम के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली, कारोबार डेस्क

देश में हवाई यात्रा को सस्ता और सुविधाजनक बनाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नए निर्देशों ने एविएशन सेक्टर में हलचल मचा दी है। इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी दिग्गज एयरलाइंस ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें हर फ्लाइट की 60% सीटों को अतिरिक्त शुल्क से मुक्त रखने का आदेश दिया गया है। इस आदेश से सरकार यात्रियों को 'वेब चेक-इन' के नाम पर होने वाली वसूली से बचाना चाहती है, वहीं एयरलाइंस इसे अपने बिजनेस मॉडल पर हमला मान रही हैं।

तीनों प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' ने मंत्रालय को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की गुहार लगाई है। एयरलाइंस का तर्क है कि सीट चयन से होने वाली कमाई उनके राजस्व का एक बड़ा हिस्सा है। अगर इस पर अंकुश लगाया गया, तो उन्हें अपने घाटे की भरपाई के लिए बेस फेयर (मूल किराए) में बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। इसका सीधा असर उन यात्रियों की जेब पर भी पड़ेगा जो सीट का चुनाव नहीं करते।

एफआईए ने उठाए चार सवाल:

राजस्व का वैध स्रोत: एयरलाइंस का कहना है कि वे बहुत कम मुनाफे पर काम करती हैं। सीट सिलेक्शन जैसे आय के स्रोत उनके अस्तित्व के लिए जरूरी हैं।

लागत में वृद्धि: ईंधन (ATF), रखरखाव और एयरपोर्ट शुल्क लगातार बढ़ रहे हैं, ऐसे में कमाई के रास्ते बंद करना तर्कसंगत नहीं है।

बाजार की आजादी: इस फैसले से एयरलाइंस की अपनी सेवाओं की कीमत तय करने की व्यावसायिक स्वतंत्रता प्रभावित होगी।

संवाद की कमी: मंत्रालय ने इतना बड़ा फैसला लेने से पहले एयरलाइंस या अन्य हितधारकों से कोई मशविरा नहीं किया।

विवाद की मुख्य वजह: वर्तमान नियमों के तहत एयरलाइंस केवल 20% सीटें ही बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराती हैं। बाकी 80% सीटों को 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर अतिरिक्त 500 से 3000 रुपये तक वसूले जाते हैं। सरकार ने अब बिना अतिरिक्त शुल्क वाली सीटों के कोटे को बढ़ाकर 60% करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय और डीजीसीए के नए नियमों का उद्देश्य यात्रियों को 'हिडन चार्जेस' से बचाना है। यहाँ कुछ प्रमुख बदलाव दिए गए हैं: अब एक ही PNR पर टिकट बुक करने वाले परिवार या समूह के सदस्यों को साथ-साथ या आसपास की सीटें देना अनिवार्य होगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन

23 मार्च से नई व्यवस्था लागू होगी, पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- ढाबों और होटलों को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इस आदेश के बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट (प्री-क्राइसिस लेवल) से पहले के स्तर के 50% तक पहुंच जाएगी।

यह नई व्यवस्था 23 मार्च से शुरू होकर अगली अधिसूचना तक लागू रहेगी। फिलहाल देश एलपीजी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में 50% तक की बहाली को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है ताकि आने वाले समय में इसे संकट से पहले वाले सामान्य स्तर (100%) तक ले जाया जा सके।

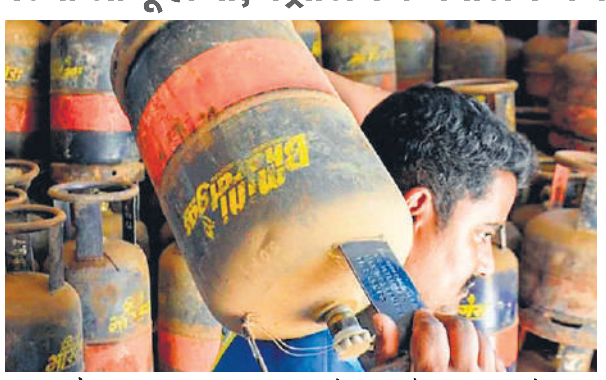

क्या है प्री-क्राइसिस लेवल: 'प्री-क्राइसिस लेवल' का अर्थ है कि जब देश में एलपीजी संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम यानी पुरानी मांग का 30 फीसदी ही सप्लाई मिल रही है। इसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा यानी 50% किया गया है। बता दें कि अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है।

क्यों पैदा हुआ एलपीजी संकट: अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला कर दिया था। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों, मिसाइल साइटों, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व पर सैकड़ों हवाई हमले किए। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई समेत कई उच्च अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ गया और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति बाधित हुई। बता दें कि भारत का 80-85% एलपीजी आयात इसी रास्ते से होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है।

ढाबों, होटलों और कैंटीन को प्राथमिकता

डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के अनुसार, यह जो अतिरिक्त 20% गैस दी जाएगी, उसका उपयोग चुनिंदा सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। मुख्य रूप से रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को यह आपूर्ति की जाएगी। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट के असर को न्यूनतम करना है।

इन्हें भी मिलेगा फायदा

कामर्शियल गैस की इस अतिरिक्त खेप का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई को भी प्राथमिकता सूची में रखा गया है ताकि आम लोगों तक भोजन की पहुंच बनी रहे।

प्रवासी मजदूरों को करें 5 किलो वाला सिलेंडर

मंत्रालय ने पत्र में प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी ख्याल रखा है। कहा गया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराया जाए। सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

पश्चिम एशिया संकट से चावल निर्यात प्रभावित निर्यातकों ने जताई चिंता

भोपाल, एजेंसी

पश्चिम एशिया में लगातार बिगड़ते हालात का मध्यप्रदेश से विदेशों में बासमती और उष्ण गैर-बासमती जैसे उच्च गुणवत्ता वाले चावल के निर्यात पर गंभीर असर दिख रहा है। इस पर राज्य के प्रमुख चावल निर्यातकों और उद्योग संचालकों ने चिंता जताई है।

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के बासमती चावल और बालाघाट जिले के उष्ण गैर-बासमती चावल की विशेष पहचान है और इनका खाड़ी देशों सहित कई विदेशी मुल्कों में निर्यात होता है।

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर एसोसिएशन के महामंत्री अजय भालोटिया ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण रायसेन जिले से विदेश में भेजे जाने वाला बासमती चावल बंदरगाहों, फैक्टरियों एवं वेयरहाउस में अटका हुआ है। माल भाड़ा भी 30 प्रतिशत महंगा हो गया है जबकि कंटेनर की किल्लत भी हो गई है।

भालोटिया ने कहा कि इन सबके चलते निर्यातकों को न केवल ज्यादा भाड़ा चुकाना पड़ रहा है बल्कि बंदरगाहों पर माल लटकने से आर्डर समय पर पूरा करना भी मुश्किल हो गया है।

रायसेन जिले के मंडीदीप, सतलापुर, औबेदुल्लागंज, रायसेन, बरेली, उदयपुरा, उमरावगंज क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक चावल फैक्टरियां संचालित हैं, जिसमें उच्च कोटि का बासमती चावल निकालकर खाड़ी के देशों को निर्यात किया जाता है।

भालोटिया ने कहा कि इन चावलों का ईरान, इराक, सऊदी अरब, जॉर्डन और दुबई सहित खाड़ी के कई अन्य देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल के युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह बंद होने से जिले की धान मिल बंद पड़ी हैं, जिसने उत्पादकों एवं निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है।

बात काम की

31 मार्च तक निपटा लें ये 5 काम

PPF, सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट: ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ

वित्तीय वर्ष 2025-26 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। टैक्सपेयर्स के पास टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट और जरूरी कामों को पूरा करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का ही समय है। अगर आप पुरानी टैक्स रिजीम में हैं और टैक्स बचाना चाहते हैं, तो समय रहते PPF, सुकन्या समृद्धि और NPS जैसी स्कीम्स में निवेश करना होगा।

31 मार्च से पहले ये 5 जरूरी काम निपटा लें

1. **PPF-सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट:** अगर आपका पब्लिक प्रॉविडेंट फंड और सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट है, लेकिन इस वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2026 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं।
2. **टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट:** अगर आपने अब तक टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट नहीं किया है तो 31 मार्च तक कर सकते हैं। पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट और सुकन्या सहित ऐसी कई योजनाएं हैं जिनमें निवेश करके आप टैक्स बचा सकते हैं...

- सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम
- सुकन्या समृद्धि योजना
- पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)
- नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट
- टाइम डिपॉजिट स्कीम
- इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम

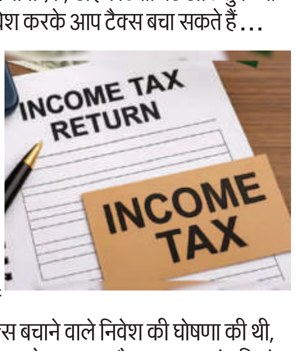

3. **ऑफिस में जमा करने होंगे इन्वेस्टमेंट प्रूफ:** अगर आपने वित्त वर्ष की शुरुआत में अपने ऑफिस को टैक्स बचाने वाले निवेश की घोषणा की थी, तो अब उनके सबूत या दस्तावेज जमा करने का समय है। ज्यादातर कंपनियां फरवरी या मार्च के महीने में निवेश के प्रूफ मांगती हैं।

अगर आप समय पर रसीदें या सर्टिफिकेट जमा नहीं करते हैं, तो कंपनी आपकी सैलरी से ज्यादा टीडीएस (टीडीएस) काट सकती है। इससे मार्च महीने की आपकी इन-हैंड सैलरी काफी कम हो सकती है।

4. **हेल्थ इंश्योरेंस** प्रीमियम पर 75 हजार तक की छूट धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर भी टैक्स बेनिफिट मिलता है। खुद के, पत्नी और बच्चों के इंश्योरेंस पर आप 25,000 रुपए तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। अगर आपकी उम्र 60 साल से ज्यादा है तो यह लिमिट 50,000 रुपए है।

इसके अलावा, माता-पिता के लिए प्रीमियम भरने पर अलग से 50,000 रुपए तक की छूट मिलती है। यानी कुल मिलाकर आप 75,000 रुपए तक का टैक्स बचा सकते हैं। इसका फायदा लेने के लिए प्रीमियम का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले करना होगा।

5. **अपडेटेड रिटर्न** फाइल करने की आखिरी तारीख 31 मार्च जो टैक्सपेयर्स अपने पिछले दो साल के इनकम टैक्स रिटर्न को अपडेट करना चाहते हैं, वे 31 मार्च से पहले अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

सोना इस हफ्ते 11 हजार रुपये सस्ता, चांदी 28 हजार गिरी

नई दिल्ली,एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में भारी गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.60 लाख प्रति किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 28 हजार रुपए कम हुई।

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से निवेशक अपनी 'गोल्ड होल्डिंग्स' बेचकर कैश (डॉलर) इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि बाजार की अस्थिरता से निपट सकें। इससे डॉलर मांग बढ़ रही है

और सोने-चांदी के दाम गिर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 28,903 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंची। तब से 50 दिन में चांदी 1.53 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

एमएसएमई के लिए साझा ऋण गारंटी योजना में संशोधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि एमएसएमई के लिए साझा ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस- एमएसएमई) में विनिर्माताओं और निर्यातकों को सहायता देने के लिए बदलाव किए गए हैं। इसके तहत चौथे साल के बाद किस्तों में पांच प्रतिशत अग्रिम योगदान की अनुमति दी गई है।

संशोधित योजना के अनुसार, अब इसमें सेवा क्षेत्र को भी शामिल कर लिया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उपकरण/मशीनरी की लागत को परियोजना लागत के पिछले 75 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

भारतीय कंपनियों ने सेमाग्लूटाइड दवाओं के जेनेरिक संस्करण पेश किए

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी दवाओं के मूल घटक का पेटेंट समाप्त होने के बाद उठाया कदम**

सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ग्लेनमार्क, टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स, एल्केम लैबोरेटरीज और यूएसवी लिमिटेड ने शनिवार को सेमाग्लूटाइड आधारित मधुमेह उपचार की जेनेरिक दवाएं और इंजेक्शन बाजार में उतारने की घोषणा की। यह कदम ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी दवाओं के मूल घटक के भारत में पेटेंट समाप्त होने के बाद उठाया गया है। कंपनियों ने कहा कि इन दवाओं की कीमतें मूल दवा बनाने वाली कंपनी नोवो नॉर्डिस्क की तुलना में काफी कम हैं।

सन फार्मा ने अपने सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन को 'नोवेलट्रीट' और 'सेमाट्रिनिटी' नाम से सभी मात्रा में पेश किया है। नोवेलट्रीट का उपयोग वयस्कों में लंबे समय तक वजन नियंत्रण के लिए कम कैलोरी वाले आहार और शारीरिक गतिविधि के साथ किया जाता है। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गणोरकर ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य अधिक से अधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार उपलब्ध कराना है।

डॉ. रेड्डीज ने 'ओबेडा' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है, जो सप्ताह में एक बार लगाया जाता है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एरेज इजराइली ने कहा कि कंपनी इसे अन्य देशों में भी उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

ग्लेनमार्क ने 'ग्लिपिक' नाम से अपना जेनेरिक सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है। ग्लेनमार्क के अधिकारी आलोक मलिक ने कहा कि भारत में उन्नत मधुमेह उपचार की शुरुआत में अधिक लागत एक बड़ी बाधा है, जिसे यह दवा कम करने में मदद करेगी। जायडस लाइफसाइंसेज ने भी 'सेमाग्लिन', 'मैशेमा' और 'अल्टरमेट' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन के अपने जेनेरिक संस्करण पेश करने की घोषणा की है।

सर्वे रिपोर्ट का दावा

लोकलसर्किल्स का दावा-68% घरों में समय पर नहीं पहुंच रही गैस

ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे 20% लोग, देने पड़ रहे 4,000 तक रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

एलपीजी संकट के चलते देश में सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है। गैस की कमी और डिलीवरी में देरी के कारण करीब 20% परिवारों को सिलेंडर ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। कई मामलों में लोगों को एक घरेलू सिलेंडर के लिए 500 से 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। इंडियन सर्वे और रिसर्च फर्म लोकलसर्किल्स की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक में सिलेंडर लेने वालों की संख्या पिछले हफ्ते के मुकाबले 6% बढ़ गई है। इस हफ्ते 68% भारतीय घरों को गैस डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा, जबकि पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 57% था।

बता दें कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन हालात चिंता वाले बने हुए हैं।

देने पड़ रहे 4,000 रुपये तक ज्यादा: सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि गैस की कमी के कारण बीते सप्ताह की अपेक्षा इस सप्ताह ब्लैक में सिलेंडर खरीदने वालों की संख्या 14% से बढ़कर 20% हो गयी है। लोग तय रेट से आवश्यकता के अनुसार 300 से 4,000 रुपये तक ज्यादा दे रहे हैं।

केवल 28% परिवारों को ही समय पर सिलेंडर: देश के 328 जिलों के 57,000 लोगों पर हुए सर्वे में सामने आया कि केवल 28% परिवारों को ही समय पर गैस मिल पा रही है। इस सर्वे में शहर और गांव के 61% पुरुष और 39% महिलाएं शामिल थीं, जिनमें

से अधिकतर लोगों ने गैस आपूर्ति में परेशानी की बात कही। पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है। इसका आवंटन 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया है।

सख्त कार्रवाई करे सरकार

लोकलसर्किल्स अब इस सर्वे की रिपोर्ट केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालयों को सौंपने की तैयारी में है। संस्था ने मांग की है कि गैस की जमाखोरी करने वाले डीलरों और धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, डिजिटल सिस्टम में आ रही खामियों को दूर करने की भी अपील की गई है।

शहरों में पीएनजी पर शिफ्ट हो रहे लोग

गैस आपूर्ति में कमी को देखते हुए शहरी उपभोक्ता अब पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। सर्वे के अनुसार, ग्रामीण भारत के हालात और भी खराब हैं। गांवों में गैस सप्लाई न होने के कारण 40% से ज्यादा ग्रामीण आबादी अब भी पारंपरिक बायोमास (लकड़ी और उपले) पर निर्भर हो गयी है।

सिलेंडर नहीं, आ रहा डिलीवरी मैसेज

सर्वे के अनुसार करीब 12% उपभोक्ताओं ने धोखाधड़ी वाले SMS मिलने की शिकायत की है। इन मैसेज में दावा किया जा रहा है कि उनका सिलेंडर डिलीवर हो गया है, जबकि उनके घर गैस पहुंची ही नहीं। इस 'फैंटम डिलीवरी' यानी कागजी डिलीवरी ने ऑफिशियल बुकिंग प्लेटफॉर्म्स पर लोगों का भरोसा कम कर दिया है।

कालाबाजारी रोकने को मारे 4500 छापे

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 औचक निरीक्षण भी किए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

प्रतिक्रिया जानने को सड़कों पर लगाए क्यूआर कोड बोर्ड

नई दिल्ली। नागरिकों की सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पीडब्ल्यूडी ने सुदृढ़ीकरण के दौर से गुजर रही सड़कों पर क्यूआर कोड-सक्षम डिस्प्ले बोर्ड लगाए हैं। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण जानकारी तक आसान पहुंच प्रदान करके और प्रतिक्रिया के लिए एक सीधा माध्यम बनाकर सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के साथ लोगों के जुड़ने के तरीके को बदलना है। पीडब्ल्यूडी के मंत्री ने कहा, पारदर्शिता का अर्थ केवल सूचना साझा करना नहीं है; इसका अर्थ है लोगों की बात सुनना। इस पहल से नागरिकों को न केवल सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी मिलेगी, बल्कि वे सीधे अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकेंगे।

कर्नाटक में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में शिवमोगा स्थित त्यावरेकोप्पा चिड़ियाघर में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक डॉ. समीक्षा रेड्डी की दर्दनाक मौत के बाद राज्य में वन्यजीव संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बीच सरकार ने उनके परिवार के लिए 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में पशु चिकित्सा अधिकारी नियुक्त हुई 27 वर्षीय डॉ. समीक्षा रेड्डी प्रशिक्षण पर थीं। वह गुरुवार देर रात नियमित ड्यूटी के दौरान हमले का शिकार हो गईं। बताया गया कि रात करीब 10:30 बजे एक पक्षी का इलाज करने के बाद वह एक गर्भवती दरियाई घोड़ी के बाड़े में उसकी शारीरिक स्थिति की निगरानी के लिए थर्मल कैमरा लेकर गईं। इसी दौरान जानवर आक्रामक हो गया और उसने उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें आईं।

अभिनेता निकोलस ब्रेंडन का निधन

लॉस एंजिल्स। मशहूर अमेरिकी टीवी सीरीज 'बफी द वैम्पायर स्लेयर' में 'जैंडर हैरिस' की भूमिका निभाकर दुनिया भर में लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता निकोलस ब्रेंडन (54) का कई गंभीर बीमारियों के कारण निधन हो गया है। उनके परिवार ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए इस दुखद खबर की पुष्टि की। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमें अपने भाई और बेटे निकोलस ब्रेंडन के निधन की खबर साझा करते हुए गहरा दुख हो रहा है।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया भेजीं बड़ी संख्या में पैट्रियट

- रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा की उत्पन्न हुई चिंता

लंदन, एजेंसी

ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है।

संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधकारिक आवास व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया है।

अंधेरे की आहट समाधान की राह

वर्तमान में पूरी दुनिया एक अभूतपूर्व ऊर्जा संकट का सामना कर रही है, जो न केवल आर्थिक विकास को बाधित कर रहा है बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा बना हुआ है। पिछले कुछ समय में, ऊर्जा की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है जिससे विकसित और विकासशील दोनों तरह की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। संकट की जड़ें केवल संसाधनों की कमी में नहीं, बल्कि जटिल भू-राजनीतिक समीकरणों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान में निहित हैं। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद स्थितियां बेहद खराब हुई हैं। तेल अवसंरचनाओं पर हमलों के चलते कच्चे तेल की निकासी और परिवहन प्रभावित हुआ है। होर्मुज जलडमरुमध्य पर टैंकरों की आवाजाही पर ईरान की रोक ने संकट को और बढ़ा दिया है। वैकल्पिक ऊर्जा का इस्तेमाल ही इसका बेहतर समाधान हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट

संकट का कारण

- भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष : मार्च 2026 में मध्य पूर्व विशेष रूप से ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध और तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है।
- हॉर्मुज जलडमरूमध्य की बंदी : यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है। इसके बंद होने या असुरक्षित होने से वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20% हिस्सा रुक गया है। भारत अपनी एलएनजी जरूरतों का लगभग 60% इसी मार्ग से आयात करता है, जिससे आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा है।
- आपूर्ति श्रृंखला में बाधा : कतर जैसे प्रमुख उत्पादकों से एलएनजी और एलपीजी के शिपमेंट में देरी हुई है। इसके कारण वैश्विक बाजार में स्पॉट कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं।
- भारी आयात निर्भरता : भारत एलपीजी जरूरतों का 85-90% और कच्चे तेल का लगभग 85% आयात करता है। आपूर्ति कम होने और कीमतें बढ़ने का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा है।

प्रमुख देशों में मांग और आपूर्ति

● अमेरिका : यहां कच्चे तेल की मांग लगभग 20.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन है, जबकि आपूर्ति लगभग 13 मिलियन है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 880-900 बिलियन क्यूबिक मीटर है। ● चीन : कच्चे तेल की चीन में मांग लगभग 15-16 मिलियन प्रतिदिन है, लेकिन इसका घरेलू उत्पादन केवल 4 मिलियन के करीब है। चीन अपनी 70% से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। यहां प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 400 बीसीएम है। चीन तेजी से कोयले से गैस की ओर बढ़ रहा है, जिससे इसकी मांग और आयात दोनों बढ़ रहे हैं। ● रूस : कच्चे तेल की रूस की घरेलू मांग लगभग 3.5 मिलियन बैरल रोज है, जबकि इसका उत्पादन 9-10 मिलियन है। रूस की घरेलू गैस मांग लगभग 470 बीसीएम है। ● भारत : कच्चे तेल की भारत की मांग लगभग 5.2 - 5.5 मिलियन रोजाना है। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन काफी कम है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 65-70 बीसीएम है। भारत लगभग 50% एलएनजी आयात करता है।

भारत के पास विकल्प

- नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य : 2030 तक 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करना।
- इथेनॉल सम्मिश्रण : पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाकर आयात बिल को कम किया जा सकता है। सौर ऊर्जा का भी इस्तेमाल

ईवी का इस्तेमाल : इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम की जा सकती है।

- सामरिक तेल भंडार : आपात स्थिति के लिए देश के भीतर तेल का बड़ा स्टॉक जमा करना (जैसे विशाखापत्तनम और पादुर में)।

छीनने नहीं देंगे मताधिकार, अंत तक लड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर लगाया पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बहाने मताधिकार छीनने का आरोप

- ईद पर रैली में बोलीं, विधानसभा चुनाव बंगाल की रक्षा की लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के मतदान अधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाला करार दिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों को लोकतांत्रिक अधिकारों और बंगाल के बहुल सामाजिक ताने-बाने की रक्षा की लड़ाई करार दिया।

ममता ने कहा कि हम मोदी जी और भाजपा को आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम अंत तक लड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए उन्होंने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक की अदालतों का रुख किया है। उनकी ये टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर के कारण वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, खासकर अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से। उन्होंने कहा कि जब आप विदेश जाते हैं, तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और मित्रता की बातें करते हैं। यह आपकी पसंद है, और मैं सभी देशों का सम्मान करती हूं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं, तो अचानक हिंदू-मुस्लिम विवाद शुरू हो जाता है, और लोगों को घुसपैठिया कहा जाने लगता है। ममता ने मोदी और भाजपा द्वारा सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, आप फिर नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया करार देने की बात करते हैं। मैं कहूंगी कि आप और आपकी सरकार सबसे बड़ी घुसपैठ करने वाले हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। ममता बनर्जी ने इस मौके का उपयोग पार्टी के उस चुनावी विमर्श को मजबूत करने के लिए किया कि भाजपा संस्थागत तंत्र और ध्रुवीकरण करने वाली बयानबाजी के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

समाज को बांटने वालों को नरक में भेज दिया जाएगा

ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें नरक में भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सांप्रदायिक सौहार्द की पश्चिम बंगाल की पुरानी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज का ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने वाली ताकतों को राज्य सफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि बंगाल एकता में विश्वास करता है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई यहां सभी साथ रहते हैं। हम किसी को भी इस सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने नहीं देंगे। तृणमूल सुप्रीमो ने भाजपा पर निशाना साधते हुए नारा दिया, भाजपा हटाओ, देश बचाओ। इस वर्ष ईद का यह उत्सव विशेष राजनीतिक महत्व रखता है, क्योंकि यह विधानसभा चुनावों से कुछ सप्ताह पहले हो रहा है। तृणमूल लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने नमाजियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के संदेश को दोहराया कि बंगाल की सामाजिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी। डायमंड हार्बर के सांसद ने कहा कि बंगाल की सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी।

केरल में भाजपा ने जारी की अपने 11 उम्मीदवारों की नई सूची

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 11 उम्मीदवारों की एक नई सूची जारी करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष करमना जयन को तिरुवनंतपुरम से मैदान में उतारा है। नवीनतम सूची के साथ, भाजपा ने नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अब तक 97 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जयन का मुकाबला एलडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे अभिनेता सुधीर करमना और कम्युनिस्ट मार्क्सवादी पार्टी एवं संयुक्त लोकतांत्रिक मार्चा नेता सी पी जॉन से होगा। भाजपा की नई सूची में एक और महत्वपूर्ण नाम व्यवसायी एस राजशेखरन नायर का है, जो नेय्याट्टिनकारा से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला मौजूदा विधायक अनसलान और कांग्रेस उम्मीदवार एन सक्तन से होगा। भाजपा ने एससी आरक्षित चिरायिनकीझू निर्वाचन क्षेत्र से बीएस अनूप और चदयामंगलम से आरएस अरुण राज को भी उतारा है, जो कांग्रेस द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद पार्टी में शामिल हुए थे। राजद छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए टीएन सुरेश कोवलम से चुनाव लड़ेंगे। अभिनेता विवेक गोपन अरुविक्कारा से चुनाव लड़ेंगे। रवींद्रनाथ वकत्थानम पुथुप्पल्ली से चुनाव लड़ेंगे। पीरुमाडे में वी रथीश, एससी-आरक्षित मवेलिककारा में अजिमोन, एससी-आरक्षित अडूर में पंडालम प्रतापन और चवारा में केआर राजेश को मैदान में उतारा है। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 23 मार्च है।

भाजपा की बी टीम हैं कांग्रेस और राहुल गांधी : विजयन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर शनिवार को निशाना साधते हुए उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम होने का आरोप लगाया। विजयन ने यह आरोप एक साक्षात्कार के दौरान लगाया। राहुल गांधी ने हाल में टिप्पणी की थी कि देश में केंद्रीय एजेंसियों ने केरल के मुख्यमंत्री को छोड़कर अन्य विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया है या पूछताछ के लिए बुलाया है।

गांधी की इस टिप्पणी के बारे में सवाल किए जाने पर विजयन ने कांग्रेस नेता एवं उनकी पार्टी पर भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अनुभवों से नहीं सीखते। वे सामान्य लोग नहीं होते। वे एक दुर्लभ उदाहरण हैं। ऐसा उन लोगों के साथ होता है जो आमतौर पर चीजों को समझने में असमर्थ होते हैं। राहुल गांधी इसी श्रेणी में आते हैं। विजयन ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन अदालत ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को क्लीन चिट दे दी।

पंजाब: आप के मंत्री की प्रताड़ना से तंग अफसर ने की आत्महत्या

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री की प्रताड़ता से आकर एक विभागीय अफसर ने आत्महत्या कर ली। अपने ऊपर आरोप लगने के बाद कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सीएम भगवंत मान ने अमृतसर में राज्य भंडारण निगम के अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने के बाद भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। भुल्लर पर अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शुक्रवार को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। सोशल मीडिया पर शनिवार को एक असत्यापित वीडियो सामने आया, जिसमें पट्टी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे रंधावा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्होंने जहर खा लिया है और परिवहन मंत्री पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

डॉ. वंदना दास हत्या मामले में दोषी शिक्षक को उम्रकैद

- अभियोजन ने कहा-आरोपी के लिए मृत्युदंड की करेंगे अपील

कोल्लम (केरल), एजेंसी

केरल में कोल्लम के एक अस्पताल में डॉ. वंदना दास की सनसनीखेज हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए शिक्षक को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह आरोपी के लिए मृत्युदंड दिए जाने का अनुरोध करते हुए अपील दायर करेगा। चिकित्सक के परिवार ने भी फांसी देने की मांग की है। डॉ. दास की मई 2023 में एक तालुक अस्पताल के अंदर जी संदीप ने बेरहमी से हत्या कर दी थी।

विशेष लोक अभियोजक प्रताप जी पडिकल ने बताया कि कोल्लम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने संदीप को भादंसं के तहत विभिन्न अपराधों के लिए कुल 30 वर्ष की कारावास की सजा सुनाई और कहा कि इस सजा को पूरा करने के बाद चिकित्सक की हत्या के लिए उसकी आजीवन कारावास की सजा शुरू हो जाएगी। विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष को यह सिफारिश करेंगे कि आजीवन कारावास की सजा को मृत्युदंड में बदलने के लिए अपील दायर की जाए। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने संदीप के लिए अधिकतम सजा की मांग की थी, लेकिन अदालत ने शायद इसे दुर्लभतम मामला नहीं माना और इसीलिए मृत्युदंड नहीं दिया गया। डॉ. दास के पिता ने कहा कि यह फैसला परिवार के लिए राहत की बात है, लेकिन वह निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि उनकी बेटी को न्याय मिला है या नहीं। उन्होंने सजा पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सजा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ब्रिटेन में दिमागी बुखार का प्रकोप हाई अलर्ट जारी

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सुरक्षा निकाय ने देश के कई हिस्सों में मेनिंजाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) के मामलों में अचानक हुई वृद्धि के बाद हाई अलर्ट जारी किया है। पिछले दो हफ्तों में लंदन और दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के कुछ इलाकों में संक्रमण के मामलों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ गयी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रकोप विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं को प्रभावित कर रहा है। यूकेएचएसए के मुख्य चिकित्सा सलाहकार ने चेतावनी दी है कि मेनिंजाइटिस बी और डब्ल्यू स्ट्रेन के मामले अधिक देखे जा रहे हैं। अधिकारियों ने छात्रों और अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे टीकाकरण की स्थिति की तुरंत जांच करें। ब्रिटिश सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है।

कर्नाटक : सामाज कल्याण अधिकारी ने की आत्महत्या

- मोबाइल पर बनाया वीडियो वरिष्ठों को दोषी ठहराया

तुमकुर, एजेंसी

तुमकुर जिले में सामाजिक कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद अपने कार्यालय में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सहायक निदेशक मल्लिकार्जुन का शव शुक्रवार को पावागड़ा कस्बे में समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में पंखे से लटका मिला। विभाग के तालुक-स्तरीय अधिकारी ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल फोन पर एक सेल्फी वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त निदेशक कृष्णप्पा द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मल्लिकार्जुन पावागड़ा के गुंडरलाहल्ली का मूल निवासी था। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां, पत्नी और बच्चों ने उसका अच्छे से ख्याल रखा है। पीड़ित ने दावा किया कि ईश्वर और कानून वरिष्ठ सहयोगी को उनके कृत्यों के लिए दंडित करेंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मल्लिकार्जुन के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और सेल्फी वीडियो के आधार पर संयुक्त निदेशक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि संयुक्त निदेशक ने हाल में मल्लिकार्जुन के खिलाफ जांच शुरू की थी।

नौका पर अमेरिका के हमले में दो नशा तस्करों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान के बीच पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौका पर सेना के हमले में दो लोगों की मौत हो गयी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने शुक्रवार को 'एक्स' पर बताया कि हमले के तुरंत बाद अमेरिकी तटरक्षक को हमले में जीवित बचे तीन लोगों की तलाश के लिए सक्रिय किया गया है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि उसके एक जहाज ने दो शव और एक जीवित व्यक्ति को बरामद कर उन्हें कोस्टा रिका के तटरक्षक बल को सौंप दिया। इस ताजा हमले के साथ सितंबर की शुरुआत से ट्रंप प्रशासन द्वारा मादक पदार्थ आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद नावों पर हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 159 हो गई है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे।

तुला – आज व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको बड़ा पद सौंपा जा सकता है। कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं।

वृष – आज व्यापार से धन लाभ के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं।

वृश्चिक – आज अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके मस्तिष्क में कुछ आइडियाज आएंगे।

मिथुन – आज पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सफल होंगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

धनु – आज विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आप लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे।

कर्क – आज का दिन नए कार्य की योजना बनाने के लिए शुभ है। कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में साझेदारी करने के अवसर मिलेंगे।

मकर – आज पुरानी उलझनों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

सिंह – आज नई तकनीक के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। आप समाज में लोकप्रिय रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा।

कुंभ – आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनाएंगे। बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान रखें।

कन्या – आज नए प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। इसके कारण आपको अपने खर्चों में कटौती भी करनी पड़ेगी।

मीन – आज धन से जुड़े मामलों में देरी हो सकती है। लोन संबंधी मामले उलझने की आशंका है। अपने मन की बातें साझा करने से बचें।

पंजाब में तस्करी के 6.5 किलो हेरोइन बरामद

फिरोजपुर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ समन्वय करते हुए तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित तस्करों ने जीरो लाइन पार की और सीमा बाड़ के बहुत करीब आ गए। वे अंधेरे का फायदा उठाकर नशीले पदार्थों की खेप को भारतीय सीमा के भीतर धकेलने की कोशिश कर रहे थे।

संगोष्ठी

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने किया आह्वान

लंबित मुकदमों के निस्तारण को बने न्यायिक सुधार आयोग

बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने शनिवार को अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों को कम करने के लिए एक न्यायिक सुधार आयोग के गठन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों में प्रणालीगत खामी की वजह से न्याय वितरण में देरी हो रही है।

वह यहां सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। यहां 'लंबित मामलों से त्वरित न्याय की ओर: भारतीय न्यायालयों में न्याय वितरण पर पुनर्विचार' विषय पर आयोजित परिसंवाद का हिस्सा रहीं न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस सुधार आयोग में न केवल उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और जिला न्यायपालिका के सदस्य होने चाहिए, बल्कि बार एसोसिएशन, अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर

जनरल और संस्थागत स्तर पर बार का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ सदस्य, जैसे कि बार अध्यक्ष, और सरकार की ओर से भी सदस्य होने चाहिए ताकि लंबित मामलों को कम करने पर अंतर-संस्थागत संवाद स्थापित किया जा सके।

सरकार की भूमिका मुकदमेबाजी का बड़ा स्रोत

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सरकार की भूमिका को मुकदमेबाजी का सबसे बड़ा स्रोत बताते हुए कहा कि अधिकारी जांच से बचने के लिए अपील दायर करते हैं, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां विवादों का निपटारा पहले किया जा सकता था। इसके परिणामस्वरूप मामले अनावश्यक रूप से कई न्यायिक स्तरों से गुजरते हैं। सरकार सार्वजनिक रूप से लंबित मामलों के बारे में चिंता जताती है।

उन्होंने रेखांकित किया कि विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण, मुकदमे की यथास्थिति से पक्षकार के लाभ जैसे कारणों से कार्यवाही को लंबा खींचने की कोशिश होती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि एक वकील या अधिवक्ता को स्थगन और सुनवाई में देरी पसंद होती है क्योंकि इससे उसे प्रति उपस्थिति और विस्तारित समयसीमा का लाभ मिलता है। सरकारी विभाग हार स्वीकार करने के बजाय अपील करके नौकरशाही संबंधी जोखिम को कम करता है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 22 मार्च, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.16 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 20.42 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

सुडोकू - 95 का हल

3	8	4	1	9	2	7	5	6
5	9	7	3	6	8	4	2	1
2	6	1	7	4	5	3	9	8
6	7	2	4	8	1	9	3	5
9	4	5	2	3	6	8	1	7
1	3	8	5	7	9	6	4	2
8	5	9	6	2	3	1	7	4
7	1	3	8	5	4	2	6	9
4	2	6	9	1	7	5	8	3

सुडोकू -96

9			6		8	5		
	2		9			4		
				3				
6		7	8				3	
		2				7		9
	5				7			
		8		5	2			
		1					6	
		9	4		6			7

हमने पिछले दो से तीन सीजन में जो हासिल किया, उसे हासिल करने के लिए हमने बहुत मेहनत की है, और यह और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि दूसरी टीमें हमें कड़ी टक्कर देंगी। हम एक मिनट भी बर्बाद न करें और अपना 120 परसेंट देना होगा।

–विराट कोहली

स्टेडियम

कानपुर, रविवार, 22 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पोलैंड के टोरून में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप की हेप्टाथलॉन 60 मीटर हर्डल्स में हिस्सा लेते जमैका के जेरोम कैंपबेल। एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी-20 खेलेगा भारत

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों मैच बेलफास्ट में होंगे जहां भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने एक बयान में कहा टीम इंडिया दो मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये जून 2026 में आयरलैंड जायेगी। उन्होंने कहा पिछले आठ साल में भारतीय टीम ने तीन बार (2018, 2022 और 2023) आयरलैंड का दौरा किया है। बेलफास्ट में भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। इससे दो दिन पहले आयरलैंड के हाई परफार्मेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की थी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के बाद इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी।

कैमरन ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन (चीन)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20 .88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0 .03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20 .91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

ओलंपिक में पदार्पण को सौरव घोषाल ने ऐतिहासिक बताया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किये गए घोषाल ने कहा मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैने भारत के लिये 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।

केकेआर को बड़ा झटका, चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर

पीठ के निचले हिस्से में फिर उभरा दर्द, स्वस्थ्य होने में लग सकते 12 हफ्ते

कोलकाता, एजेंसी

चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को शनिवार को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए। आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उभर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया।

सूत्र ने कहा पूरी तरह से फिट होकर वापसी करने में काफी समय लगेगा। इस तरह की चोट में फिट होने के लिए लगभग 10 सप्ताह का समय लगता है। लेकिन इस मामले में इससे भी अधिक समय लग सकता है। आकाशदीप तीन बार के चैंपियन केकेआर की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में नया नाम हैं। इस सूची में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंकाई खिलाड़ी मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिससे टीम का तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर पड़ गया है। आकाशदीप और राणा की अनुपस्थिति में केकेआर को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और फिट होकर वापसी करने वाले उमरान मलिक पर निर्भर रहना पड़ेगा। राणा पहले ही आईपीएल से बाहर हो गए थे। बीसीसीआई के निर्देश के बाद इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करना पड़ा, जिसके बाद केकेआर ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को टीम में शामिल किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी आक्रमण में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा और उनके 'मिस्ट्री' स्पिनरों में 'नवीनता का तत्व' भी फीका पड़ गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले केकेआर की ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करते हुए अश्विन ने कहा कि भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अब काफी जिम्मेदारी होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मुझे नहीं लगता कि केकेआर की गेंदबाजी देखकर विरोधी टीम डरेंगी। 'मिस्ट्री फैक्टर', 'नवीनता' और खौफ, ये सब अब खत्म हो चुके हैं। पहले बल्लेबाज विश्लेषक के कमरे में जाकर गेंदबाज के हाथ को देखते थे या फिर एक रन लेने की बात सोचते थे। उन्होंने कहा वरुण अपने करियर के ऐसे दौर में हैं जहां उन्हें जवाब ढूंढने होंगे। यह हर क्रिकेटर के विकास का हिस्सा होता है। मुझे लगता है कि नवीनता का तत्व अब खत्म हो गया है। अश्विन ने यह भी कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण की प्रभावशीलता भी कम हो गई है। उन्होंने कहा सुनील नारायण अब अपने एक्शन की वजह से अपनी तेज गेंद नहीं डाल सकते। ईडन गार्डन्स छोटा मैदान है इसलिए विरोधी टीमों के लिए आक्रामक होना आसान हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केकेआर के गेंदबाजों के लिए आक्रामक बल्लेबाजी लाइन-अप को रोकना मुश्किल हो सकता है, खासकर छोटे मैदानों पर। उन्होंने यह भी कहा कि चोटों और खिलाड़ियों में बदलाव के कारण गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा नीलामी के बाद मैंने कहा था कि केकेआर की गेंदबाजी मजबूत है। लेकिन अब मुस्तफिजुर रहमान टीम में नहीं हैं। माथिशा पाथिराना चोटिल हैं और हर्षित राणा भी बाहर हो चुके हैं। अश्विन ने कहा केकेआर के पास ब्लेसिंग मुजारबानी हैं जिन्होंने मेहनत की है और मैं उन्हें देखने के लिए उत्साहित हूं। लेकिन इतनी चोटों के बीच किसी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी और वो कौन होगा, मुझे नहीं दिखता। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप भी केकेआर के पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं। अश्विन ने श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया जिन्होंने 2024 में केकेआर को तीसरा खिताब जिताया था लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। उन्होंने कहाकोरबो है, लोरबो है, लेकिन जीतबो नहीं है। केकेआर ने तीन बार खिताब जीता, दो बार गौतम गंभीर के नेतृत्व में और एक बार श्रेयस अय्यर की अगुआई में। अश्विन ने कहा श्रेयस अय्यर की कप्तानी प्रभावशाली रही है। केकेआर का नुकसान पंजाब किंग्स का फायदा बन गया। अय्यर पंजाब किंग्स में शामिल हुए और पिछले साल टीम को एक दशक में पहली बार आईपीएल फाइनल तक पहुंचाया।

अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्र-छात्राओं के साथ सेल्फी लेते गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ी कुमार कुशाग्र, मानव सुथार व अरशद खान।

किसी सत्र का एक भी मिनट बर्बाद नहीं करना : कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी

- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के करिश्माई बल्लेबाज विराट ने साथी खिलाड़ियों को दी सलाह

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी। आरसीबी को 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। कोहली ने कहा हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा। उन्होंने यह भी कहा इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं।

तन्वी का शानदार अभियान सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त

ओरलियंस। भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा को शनिवार को यहां ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में अपनी गलतियों पर नियंत्रण नहीं कर पाने के कारण पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

भारत की सत्रह वर्षीय खिलाड़ी पूरे मैच के दौरान अपनी लेंथ और नियंत्रण को लेकर जूझती रहीं। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता को 35 मिनट में 31 वर्षीय ओकुहारा (2016 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2017 की विश्व चैंपियन) के हाथों 9-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

तन्वी ने पिछले साल सैयद मोदी इंटरनेशनल में ओकुहारा के खिलाफ तीन गेम के एक रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की थी। लंबी रैलियों के लिए मशहूर ओकुहारा ने पहले गेम में 3-0 की बढ़त बना ली और फिर तन्वी की गलतियों के कारण 6-3 पर पहुंच गईं। तन्वी लगातार लाइन से चूकती रहीं और ब्रेक तक जापानी खिलाड़ी से 6-11 से पिछड़ रही थीं।

महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं फैनी

अबुजा, एजेंसी

- नाइजीरिया इनविटेशनल के एक मुकाबले में 65 गेंदों पर खेली 111 रनों की नाबाद पारी

रवांडा की फैनी उतागुशीमानिंदे महिला टी20 डेब्यू में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज़ बनीं। उन्होंने घाना के खिलाफ नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट के एक मुकाबले में 65 गेंदों में 111 रनों की नाबाद पारी खेली।

15 साल और 223 दिन की उम्र में उतागुशीमानिंदे महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा बल्लेबाज भी बनीं। इससे पहले महिला टी20 डेब्यू में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की कैरेन रॉलटन के नाम था जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टांटन में 96 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वह मैच महिला टी20 इतिहास का सिर्फ दूसरा ही अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबला था। दूसरी तरफ इससे पहले महिला टी 20I में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड यूगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था जिन्होंने 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के ख़िलाफ़ किगाली में 2019 में 116 रनों की पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में अभी तक चार बल्लेबाज़ों ने टी20 डेब्यू में शतक लगाया है, लेकिन उसमें से

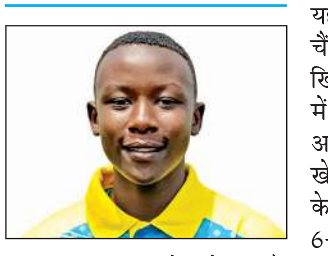

एक भी पूर्ण सदस्य देश से नहीं हैं। कनाडा के मैथ्यू स्पूर्स ने 2022 में फ़िलीपींस के ख़िलाफ़ 108 रनों की नाबाद पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में फ्रांस के गुस्ताव मैकियोन टी20 में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने यह रिकॉर्ड 18 साल और 280 दिन की उम्र में बनाया था। उतागुशीमानिंदे के शतक की मदद से रवांडा ने 210 पर 3 का बड़ा स्कोर बनाया और उनके बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ स्कोरर मेर्विल उवासे रहीं जिन्होंने 19 गेंदों में 32 रनों की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा 28 रन अतिरिक्त से आए जिसमें 25 वाइड थे। घाना की टीम 20 ओवर में 88 पर 8 का स्कोर ही बना सकी और उन्हें 122 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

मानव व यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

इंदौर। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की।

इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी और सुहाना सैनी ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया।

जापान ने जीता महिला एशियाई कप

जापान की माइका हमानो के खिलाफ फुटबॉल पर नियंत्रण करने की कोशिश करतीं ऑस्ट्रेलिया की एली कारपेंटर। एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

- मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया, माइका हमानो ने किया एकमात्र गोल

माइका हमानो के पहले हॉफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया।

हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा। जापान ने 2014 और 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगातार महिला एशियाई कप जीते थे। इस तरह उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार खिताब जीता है। एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए छह मैचों में सिर्फ एक गोल खाया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2010 के बाद से यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप नहीं जीती है, जब सैम केर (तब 16 वर्ष की थीं) ने फाइनल में गोल किया था। एशियाई कप से छह टीमें अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। मध्य पूर्व युद्ध से प्रभावित ईरानी टीम की भागीदारी के कारण 12 टीमों के इस टूर्नामेंट ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

मियामी ओपन

एरीना सबालेंका ने एन ली और एलेना रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को हराया

सबालेंका और रिबाकिना तीसरे दौर में पहुंचीं

मियामी, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका और वर्ल्ड नंबर दो एलेना रिबाकिना ने शुक्रवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में अपने मियामी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत की। सबालेंका ने अमेरिकन एन ली पर 7-6(5), 6-4 से दूसरे राउंड में 1 घंटे, 42 मिनट की जीत हासिल की जबकि रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को एक घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से हराया।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद माना कि हालांकि वह अपने ओवरऑल खेल के लेवल से खुश नहीं थीं, लेकिन वह मुश्किल हालात में अपने रिस्पॉन्स से खुश थीं। शुरुआत में वह 4-1 से आगे थीं, लेकिन ली ने लगातार तीन गेम जीतकर बराबरी कर ली। जिसमें 4-4 के लिए

एक होल्ड भी शामिल था जिसमें उन्होंने सात ब्रेक पॉइंट बचाए। सेट में बने रहने के लिए दो बार सर्व बचाने के बाद, ली ने बाद में टाईब्रेक के बीच में सबालेंका को लीड किया, लेकिन टॉप सीड ने आखिरी पांच में से चार पॉइंट जीतकर अपनी लीड वापस पा ली। दूसरे सेट की शुरुआत में लगातार तीन ब्रेक के बाद, सबालेंका ने ली को चौथे सेट के दो मौके देने से मना कर दिया। और बाकी रास्ते में सर्विस पर चार पॉइंट गंवाकर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपना लगातार नौवां ओपनिंग मैच जीत लिया। सबालेंका का अगला मैच कैटी मैकनेली से होगा। मियामी में पहले दो पहले राउंड से बाहर होने के बाद, मैकनेली ने रेबेका मासरोवा पर शुरुआती जीत के साथ नंबर 29 सीड वांग शिन्यु को 6-4, 1-6, 6-0 से हराया। रविवार को इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में वर्ल्ड नंबर ए आर्यना सबालेंका से हारने के बाद डब्ल्यूटीए टूर पर अपना पहला मैच खेलते हुए, रायबाकिना ने शुरुआत में ही ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि पुतिनत्सेवा, जिन्होंने अपनी पिछली तीन मुलाकातों में से दो जीती थीं, ने 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन रायबाकिना ने आठवें गेम में एक और ब्रेक के साथ जवाब दिया और सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में, रायबाकिना ने सातवें और नौवें गेम में ब्रेक करके 1 घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से जीत पक्की कर ली।

मैं वहां थी, मैं लड़ रही थी, चाहे कुछ भी हो, भले ही मेरा गेम शायद मेरा सबसे अच्छा गेम नहीं था, जहां उन्होंने वर्ल्ड नंबर 39 की भी तारीफ की। उन्होंने आगे कहा उन्होंने ज़बरदस्त टेनिस खेला। वह सुपर एग्रेसिव थीं, उनकी सर्विंग ज़बरदस्त थी, वाह। यह एक शानदार मैच था, एक शानदार लेवल था, और मैं यह बहुत मुश्किल जीत पाकर बहुत खुश हूं।

–एरीना सबालेंका

बहुत खुश हूं, सच कहूं तो यूलिया के खिलाफ मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। मुझे खुशी है कि आज मेरी सर्व काम कर रही थी। मुझे कोर्ट के हिसाब से ढलने के लिए भी कुछ समय चाहिए था। मैंने अभी तक यहाँ हिट भी नहीं किया था। इसलिए मैं जीत से बहुत खुश हूँ।

–एलेना रिबाकिना

विंबलडन ने छह कोर्ट पर वीडियो रिव्यू की सुविधा शुरू की

लंदन। ऑल इंग्लैंड क्लब ने शनिवार को घोषणा की कि विंबलडन इस साल के टूर्नामेंट में पहली बार वीडियो समीक्षा (रिव्यू) तकनीक का इस्तेमाल करेगा।

सबसे पुराने ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट में यह तकनीक सेंटर कोर्ट, नंबर एक कोर्ट (क्लब का दूसरा सबसे बड़ा कोर्ट) और चार अन्य कोर्ट पर उपलब्ध होगी। खिलाड़ियों को चेयर अंपायर द्वारा दिए गए कुछ खास फैसलों जैसे ''डबल बाउंस'' का रिव्यू करने की अनुमति होगी। वीडियो रिव्यू ने 2023 अमेरिकी ओपन में ग्रैंड स्लैम टेनिस में अपनी शुरुआत की थी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन भी इस तकनीक का इस्तेमाल करता है।

कर्स्टन ने छोटे कोचिंग समय के लिए पीसीबी के दखल को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने टीम के साथ अपने छोटे समय के बारे में बात की है, और बताया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बहुत ज़्यादा दखल ने उनके समय से पहले जाने में अहम भूमिका निभाई। कर्स्टन, जिन्हें अप्रैल 2024 में दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर अपॉइंट किया गया था, ने सिर्फ़ छह महीने बाद पाकिस्तान की वनडे और टी 20 टीमों के हेड कोच का पद छोड़ दिया, टीम के ऑस्ट्रेलिया के तय वनडे दौरे से कुछ ही दिन पहले।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर ने कहा कि टीम के मामलों में बाहरी दखल का लेवल ऐसा था जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, "जिस चीज़ ने मुझे सबसे ज़्यादा हैरान किया, वह थी दखल का लेवल। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस लेवल पर देखा है। क्या इससे मुझे हैरानी हुई? मुझे नहीं पता, लेकिन यह काफ़ी था।

उनके इस्तीफे के बाद, पीसीबी ने टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम कोच बनाया, जिसमें छह लिमिटेड-ओवर मैच थे। हालांकि, कुछ महीने बाद गिलेस्पी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कर्स्टन ने बताया कि लगातार बाहरी दबाव की वजह से खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो गया।

उन्होंने कहा जब बाहर से लगातार शोर हो रहा हो, तो कोच के लिए आकर खिलाड़ियों के साथ काम करने का तरीका बनाना काफी मुश्किल होता है। यह मुश्किल था, बाहर से लगातार शोर और खराब परफॉर्मेंस और इस तरह की चीजों के लिए बहुत सारी सज़ा देने वाली कार्रवाई।

लोक दर्पण

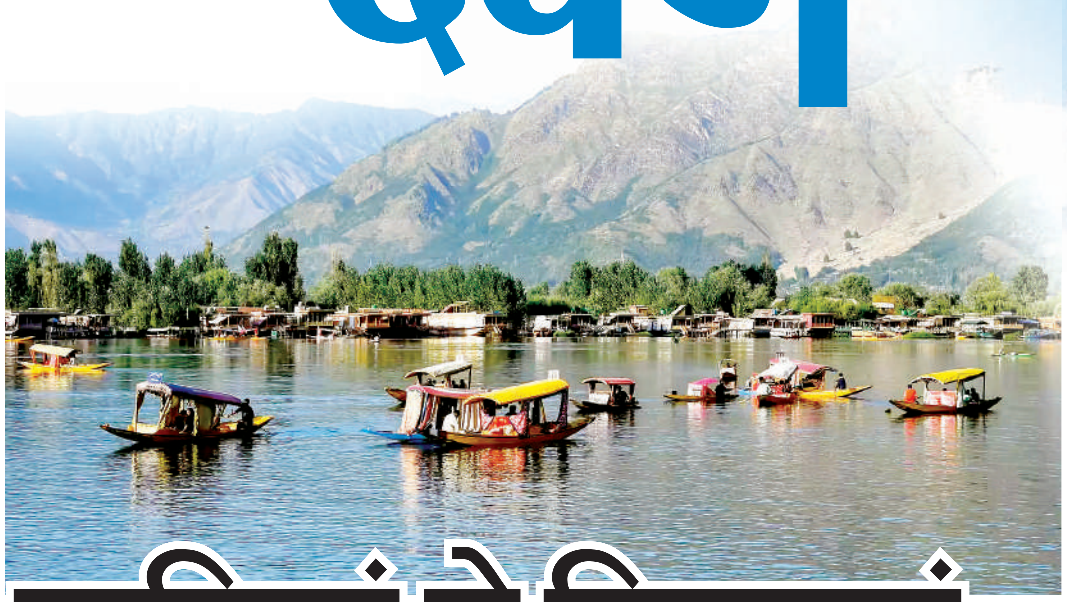

"गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।" अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि "पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।" यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिद्दर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को वहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।

पेश है विशेष रिपोर्ट...

अनिल त्रिगुणायत
वरिष्ठ पत्रकार

वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चश्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सर्पीली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा चला आता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकदक पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अख्तियार करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़ाहट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक ट्यूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिद्दर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिद्दर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशी के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मार्सर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूबे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। 'चरवाहों की घाटी' (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

पर्यटकों का जमावड़ा

पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगीन झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठे पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-संकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारामूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। 'कश्मीर का आनंद' कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पंपोर क्षेत्र में होती है। पंपोर को 'केसर शहर' भी कहा जाता है। इसके अलावा किश्तवाड़ और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। 'सेब नगरी' के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को 'कश्मीर का चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

ट्यूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक ट्यूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले ट्यूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।

गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी

श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशनगंगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलतः कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात शहतूत, एरी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन कराने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित हैं।

कश्मीरः पश्मीना शाल के क्या कहने..

श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकरघा सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनतीं महिलाएं।

पश्मीना शॉल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शॉल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शॉल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शॉल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला ट्वीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडित लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्कत कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लद्दाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचौक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अवंतीपोरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छाबल :** श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मट्टन :** पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षत करते हैं।
- **गुलमर्ग :** बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकीं यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग :** यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें जब पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद :** इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल -अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल :** यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील :** श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को 'कश्मीर का ताज' व 'श्रीनगर का गहना' भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर :** श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह :** यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।

वसंत ऋतु में वजन घटाना
आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व

वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

आहार की भूमिका

वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

शहद और हर्बल पेयों का महत्व

वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।

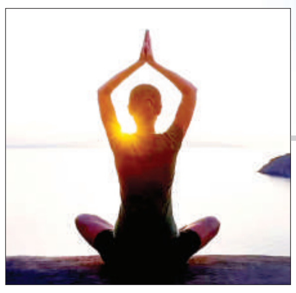

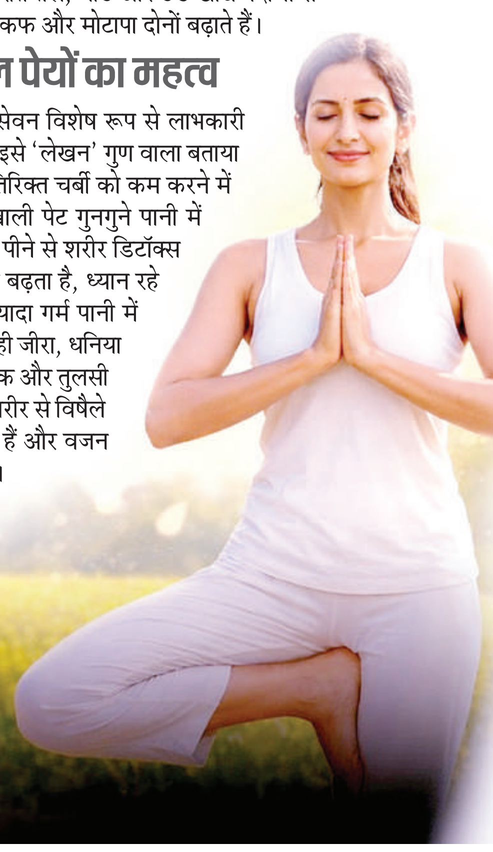

योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय

योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर का व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी कम करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।

पंचकर्म की भूमिकाः गहराई से शरीर की सफाई

वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्वर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्वर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय

वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर की गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है।

यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी

इंदु सिंह
लेखिका

वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जानकारी प्राप्त करना हो, किसी विषय पर राय लेनी हो या फिर व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान ढूंढना हो- लोग अब पहले की अपेक्षा अधिक एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति को एक ऐसा 'सलाहकार' मिल गया है, जो हर समय उपलब्ध है और हर प्रश्न का उत्तर देने को तैयार रहता है।

एआई के लाभ और उपयोगिता

निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।

स्वयं इलाज के खतरे

यहीं से एक गंभीर खतरे की शुरुआत होती है। किसी भी बीमारी का सही निदान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय जांच, अनुभव और व्यक्ति विशेष की शारीरिक स्थिति को समझना आवश्यक होता है। एआई सामान्य जानकारी दे सकता है, लेकिन वह आपके शरीर की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं कर सकता।

एआई बनाम विशेषज्ञ

एआई, गूगल या यूट्यूब जैसे माध्यम हमें सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, जो पहले से उपलब्ध ज्ञान पर आधारित होती है। ये हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय या उपचार का विकल्प नहीं हो सकते। इसके विपरीत, एक प्रशिक्षित चिकित्सक न केवल आपकी समस्या को गहराई से समझते हैं, बल्कि आपकी स्थिति के अनुसार उचित जांच, दवा और परामर्श भी प्रदान करता है।

युवाओं के लिए नया साथी

विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझनें होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकाटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है

अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

उदाहरण और बढ़ती समस्या

हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार

यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञानः वरदान या अभिशाप

विज्ञान को सदैव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता

इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। याद रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं .मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

वृष — इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजनों से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिल पाने आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

मिथुन — इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क — इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हों अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह — यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

कन्या — इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

तुला — इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर जूझ रहे थे, तो उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।

वृश्चिक — इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शार्टकट लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।

धनु — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।

मकर — इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात बन और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर ग्रसित रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ — यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

मीन — इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटाएं तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51

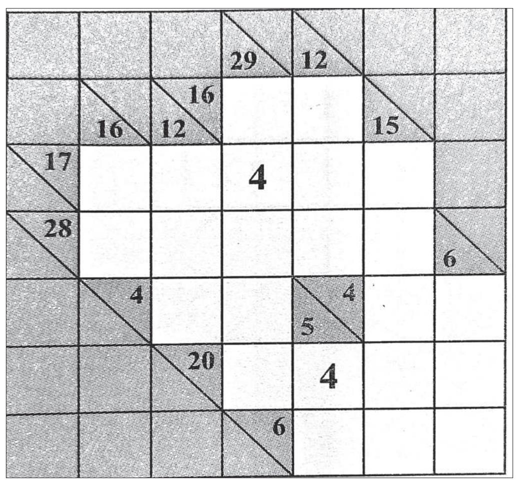

काकुरो 50 का हल

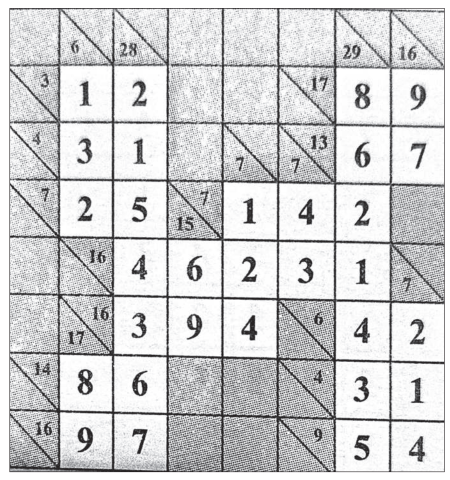

शब्द संसार

कहानी

जहन्नुम की आग

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवंत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवंत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक और खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

उस घटना के बाद से किले के आसपास का इलाका लगभग वीरान हो गया। सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखी है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉर्च, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारें अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी। संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जांच के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशप्त मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा।

एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूं बेटा
तुम अपने अधिकारों के साथ
अपने वृहत आकाश में
उड़ना चाहते हो
मुझे खुशी होती है
जब मैं तुम्हारे लिए
तुम्हारी पसंद की चीजें
लाकर रखता हूं
तुम्हारे सामने
और प्रतीक्षा करता हूं
तुम्हारी प्रतिक्रिया की
देखता हूं तुम्हारी आंखों में
संतोष की एक चमकती रेखा
किंतु बेटे
तुम्हारा यह संतोष पोंछ
नहीं पाता
मेरे आंसुओं को
जब मैं देखता हूं
तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड
जिनके हाथों में रोटियां नहीं हैं
शरीर पर कपड़े नहीं हैं
मेरे बेटे
एक जीवन के लिए
किस कदर वो चीख रहे हैं
तुम सुन पा रहे हो न
उन लोगों की चीखें
बस मुझे इतनी आजादी दो
कि मैं तुम्हारे आकाश में से
एक छोटा टुकड़ा
उन सब में बांट सकूं
ताकि उन सबका विश्वास
कभी न मर सके

श्याम सुंदर चौधरी
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं,
चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है,
शस्य श्यामला फसल हुई है।
कली हंसी, भंवरे मुस्काएं,
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ग्रह,नक्षत्र,तिथि, वार मुदित हैं,
सूर्य गगन पर पूर्ण उदित हैं।
प्रमुदित दिखतीं दसों दिशाएं।
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ठंड गर्म सब दूर हो गई,
धरा अन्न फूलों से लद गई।
बहें वसंती मस्त हवाएं,
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

झूम रहीं पेड़ों पर कलियां,
होरियारों से भरी हैं गलियां।
आम जनों की बात करें क्या,
आम्र मंजरी भी बौराएं।।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

है आमंत्रण अटल घाट पर,
छेड़ रहे जन मंजु मृदुल स्वर,
आओ पंडित कृष्ण बुलाएं।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो संस्कार हैं,
बेटियां तो कुलवंती हैं,
बेटियां तो सम्मान हैं।
फिर बेटियों से भेदभाव
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो लक्ष्मी हैं,
बेटियां तो दुर्गा हैं,
बेटियां तो अभिमान हैं।
फिर बेटियों का बलात्कार
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो राजकुमारी हैं,
बेटियां तो राजदुलारी हैं।
फिर बेटियों का तिरस्कार
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो बेटा से ऊपर हैं,
बेटियां तो बेटा के बराबर हैं।
फिर बेटियों का गर्भपात
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

ऋषि और कीड़े

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज़ चलता रहा। कीड़ा काटता रहा,ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा,यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूं कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा-"हे शिष्य मैं जानता हूं वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया-अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि-हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।

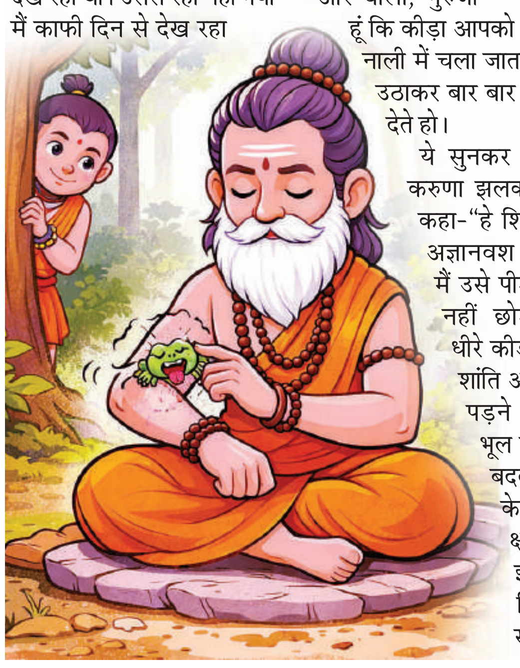

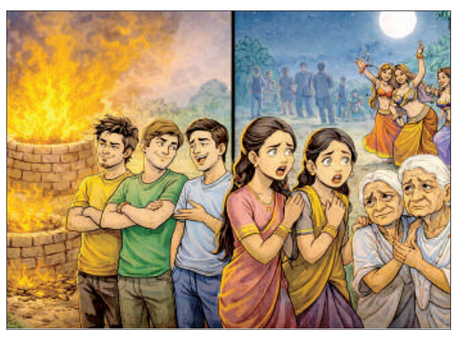

आंखों देखा

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली-"नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे-'लगने दो! हमें क्या?" दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां-"नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" ठेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आई और बोलने लगी-"फूंस ही तो जलेगा?..जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा-"नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां-"कहां गई कहां गई?" वधुएं बोली-"फूंस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अभी तक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा-"जाने दो! जहां गए हमें क्या?"

आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूं। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल , जामुन , कनेर, आम, साल, कटहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूं।

महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने-ककुभः शीतलो हृद्य : क्षत क्षय विषास्रजित् ,मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव-कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखना है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कमोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहो, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूं, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिसाब से अपने विषय पर बोलता हूं। कभी बोलता हूं, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलोगे, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूं कि मैं ही विषय पर बोलता हूं, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूं। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जूडो कराटे के दाव समझाता हूं, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहेगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूं। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमाफिक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूं, बोलता हूं। क्लास के विषय पर बोलना चाहिए। मेरी मर्जी, मैं किसी भी विषय पर बोलूं। जो विषय मेरी समझ में आएगा, उसी पर तो बोलूंगा। कोई बात नहीं, पर इसमें अविश्वास की बात कहां से आ गई?

मुझे ऐसा मास्टर नहीं चाहिए, जो मुझे बोलने से रोके, मेरे मुंह पर टेप चिपकाने की कोशिश करें। आखिर मैं स्वतंत्र देश का स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे अपने मन की बात करने का पूरा अधिकार है। यह तो बताओ, कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से हासिल क्या होगा? अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, हेडमास्टर को हटाएंगे। क्या तुम्हें विश्वास है, कि तुम हेडमास्टर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को पास करा पाओगे? अपने साथियों का इतना समर्थन जुटा पाओगे कि हेडमास्टर को हटाया जा सके। मुझे पास फेल से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बार-बार फेल होता हूं, फिर भी हिम्मत नहीं हारता। तुम हिम्मत नहीं हारते, मगर तुम्हारा साथ निभाने वालों की तो बेइज्जती होती है। होती रहे, मुझे क्या, मुझे तो अविश्वास प्रस्ताव लाना है, हेडमास्टर को सबक सिखाना है। यदि अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया, तब किस मुंह से हेडमास्टर के सम्मुख जाओगे? इसी मुंह से जिससे हर बार जाता हूं।

अपनी नहीं तो अपने साथियों की इज्जत का तो ध्यान रखो। इज्जत-बेइज्जत से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लगता है कि तुम नहीं सुधरोगे। यह सुधरना किस चिड़िया का नाम है? तुम्हारे लिए किसी चिड़िया का नहीं। जाओ विदेश घूम आओ, मौज मस्ती सैर सपाटा कर आओ, बाकी हम हैं न, तुम्हारी हर सनक का बचाव करने ले लिए।

समीक्षा

अर्तम: शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवयित्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरूआत है। अर्तम अर्थात माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागरण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदम्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद्व पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्छल मन की गति को देखों, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी है।

पुस्तक :'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक : दिव्या सक्सेना
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य : 250
समीक्षक : – हरि शंकर शर्मा, जयपुर

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स
स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट

अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अज्रक डिजाइन या हैंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या छोटे स्टड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

कॉटन साड़ी

जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक क्लासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं।

फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो

स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैंट का ढीला और फ्लोई डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या फ्लैट सैंडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैंट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक हील्स, कोल्हापुरी सैंडल या सिंपल फ्लैट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्टड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।

कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फैशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेंथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फैशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्नीकर्स, बैले फ्लैट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फैशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

- हल्के रंग चुनें– गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें – कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कम्फर्ट सबसे जरूरी – ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें – ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़ों के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाना सिखाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

लंबे समय तक इन केमिकल युक्त फेस वॉश और क्रीम का इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे, झाइयां और कील-मुंहासे उभरने लगते हैं। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब इन समस्याओं को छिपाने के लिए हम और अधिक कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है और बेजान दिखने लगती है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन शहनाज हुसैन का मानना है कि सुंदरता का असली राज रसायनों में नहीं, बल्कि हमारी रसोई में मौजूद प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों में छिपा है। यदि हम अपनी दिनचर्या में घरेलू उपचारों को शामिल करें, तो न केवल जेब पर बोझ कम होगा, बल्कि त्वचा को भी स्थायी और सुरक्षित निखार मिलेगा।

दूध: प्रकृति का सबसे कोमल क्लींजर

दूध को सदियों से सौंदर्य निखारने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने और उसे गहराई से पोषण देने में सक्षम है।

- **हल्दी और दूध का फेस पैक :** हल्दी अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जानी जाती है। आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो चम्मच दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पैक की तरह लगाएं और सूखने दें। जब यह हल्का सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धीरे-धीरे रगड़ते हुए धो लें। यह पैक न केवल रंगत साफ करता है, बल्कि त्वचा के संक्रमण को भी रोकता है।
- **कच्चा दूध और क्लींजिंग :** यदि आप फेस वॉश का विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो कच्चा दूध सबसे बेहतर है। एक कॉटन पैड की मदद से कच्चा दूध पूरे चेहरे पर लगाएं और कम से कम पांच मिनट तक हल्की मालिश करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से कील-मुंहासे कम होते हैं और त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

दही: फ्रेशनेस और टैनिंग का काल

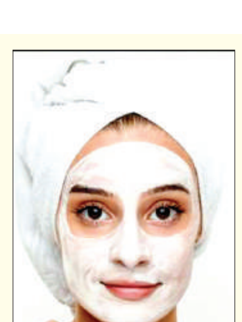

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा रखते हैं।

- **समय का महत्व :** दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।
- **बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन :** पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

- **ताजे जेल का उपयोग :** शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई लुगदी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।

- **एलो-बादाम नाइट क्रीम :** यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।

खाना खजाना

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सोंधी-सोंधी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

सामग्री

- गेहूं का आटा – 2 कप
- सूजी – 2 टेबल स्पून
- घी – 4 टेबल स्पून
- अजवाइन– टी स्पून
- नमक– स्वादानुसार
- दूध/पानी – जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल – 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज– 1 बारीक कटा
- टमाटर – 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च – 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट – 1 टी स्पून
- जीरा – 1 टी स्पून
- हींग – चुटकी भर
- हल्दी – टी स्पून
- धनिया पाउडर – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च – स्वादानुसार गरम मसाला – टी स्पून
- घी– 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया – सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोयन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गूंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें।

अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अप्पे पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें सेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कड़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म हो जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम बाटियों को हल्का सा तोड़कर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।